नई दिल्ली । गुरुवार, 28 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :142 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फ्रेंच ओपन में सिनर का जलवा...
@ विचार रक्षकों की क्रूर हँसी पर उठते सवाल...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद ...

संक्षिप्त खबर

सीबीएसई ने राहुल गांधी के एडुटेक अनुबंध आरोपों को किया खारिज, बताया 'भ्रामक और गलत'

नई दिल्ली। सीबीएसई ने राहुल गांधी के उन आरोपों को खारिज किया है, जिनमें कोएम्प्ट एडुटेक को बोर्ड परीक्षा के डिजिटल मूल्यांकन का ठेका देने में धांधली और परिणामों में हेराफेरी का दावा किया गया था। बोर्ड ने इन आरोपों को गलत और भ्रामक बताते हुए स्पष्ट किया कि ठेका सामान्य वित्तीय नियमों का पूरी तरह से पालन करते हुए एक योग्य बोलीदाता को दिया गया है, जिससे ठेका विवाद गहराया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कोएम्प्ट एडुटेक को ठेका दिए जाने के संबंध में राहुल गांधी के आरोपों को खारिज कर दिया है। सीबीएसई का यह बयान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा मोदी सरकार से नई मूल्यांकन प्रणाली के लिए पोर्टल डिजाइन करने का ठेका पाने वाली कंपनी के बारे में चार सवाल पूछने के कुछ समय बाद आया है।

डील तैयार: अमेरिका ईरानी क्षेत्र से हटाएगा सेना, खुलेगा होर्मुज

अमेरिका के साथ संघर्ष समाप्त करने पर एक अनौपचारिक मसौदा तैयार

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के विभिन्न मीडिया आउटलेट्स ने बुधवार को दावा किया कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। ईरान के सरकारी टीवी के अनुसार दोनों देशों के बीच अनौपचारिक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग का शुरुआती प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। इस एमओयू से होर्मुज खुलने की राह आसान हो गई है।

ड्राफ्ट के अनुसार ईरान एक महीने के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग को संघर्ष से पहले के स्तर पर बहाल करेगा। इसके बदले अमेरिका अपनी सैन्य मौजूदगी ईरानी इलाकों के इर्द गिर्द से कम करेगा और नौसैनिक घेराबंदी हटाएगा। दावा ये भी है कि तेहरान को अमेरिका के साथ संघर्ष समाप्त करने को लेकर एक अनौपचारिक मसौदे की एक प्रति मिल गई है।

इस प्रस्ताव के अनुसार, अमेरिका अपने सैन्य बलों को ईरान के आसपास के क्षेत्रों से हटाने पर सहमत हो सकता है। बदले में ईरान यह अनुमति देगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही 30 दिनों के भीतर युद्ध-पूर्व स्तर पर लौट आएगी।

ईरान की मिजान समाचार एजेंसी ने भी प्रस्तावित ड्राफ्ट फ्रेमवर्क के और विवरण जारी किए हैं, जिसमें बहु-स्तरीय शांति प्रक्रिया की बात पर जोर दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका ने ईरान के आसपास के क्षेत्र से अपनी सैन्य उपस्थिति कम करने या हटाने पर सहमति जताई है। हालांकि इसमें शामिल बलों और क्षेत्रीय सैन्य ठिकानों से जुड़ी शर्तों पर आगे बातचीत की जरूरत पर बल दिया है।

अल जजीरा ने स्टेट मीडिया के हवाले से बताया कि इसके अलावा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौता हो जाता है, तो इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक बाध्यकारी प्रस्ताव के रूप में औपचारिक मंजूरी दी जाएगी।

हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच हाईली एनरिच्ड यूरेनियम, प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज ईरानी संपत्तियों जैसे मुद्दों पर मतभेद अब भी बने हुए हैं।

पूर्व सीएम विजयन के समर्थकों का ईडी पर हमला

'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' मामले में जांच की जा रही थी

एजेंसी ■ केरल

तिरुवनंतपुरम में पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास के बाहर उस वक्त भारी हंगामा मच गया, जब सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों की गाड़ी पर हमला कर दिया। ये कार्यकर्ता केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) मामले में केरल के 10 ठिकानों पर एजेंसी द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया था।

तिरुवनंतपुरम में भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है।

जानकारी के मुताबिक ईडी अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास पर छापा पूरा कर लिया था और जब वे वहां से निकल रहे थे, तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके वाहनों को रोक दिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आरोप है कि काफिला निकलने से पहले सीपीआई (एम) के कार्यकर्ताओं ने ईडी के तीन वाहनों को नुकसान पहुंचाया और उन पर पत्थर फेंके।

इस बीच जैसे-तैसे ईडी के

धिकारी केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन के आवास से रवाना हुए।

वहीं, ईडी की तलाशी के मामले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन ने मीडिया से कहा कि काफी समय से ईडी मेरे घर पर तलाशी लेना चाहती थी। मुझे लगता है कि इस तलाशी से कुछ लोगों को खासकर राहुल गांधी जैसे किसी व्यक्ति को बहुत संतुष्टि मिलेगी।

राहुल गांधी ने प्रचार के दौरान यही सवाल पूछा था कि पिनाराई विजयन के घर पर छापा क्यों नहीं मारा जा रहा है और पिनाराई विजयन को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। भाजपा सरकार देश में विपक्षी नेताओं पर हमेशा से जानबूझकर हमले करती रही है। इसके खिलाफ पूरे देश में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

विजयन ने कहा कि कांग्रेस का रुख यह है कि उनकी अपनी पार्टी को छोड़कर बाकी पार्टियों के खिलाफ ईडी की दखलंदाजी जारी रहनी चाहिए। इनमें से कोई भी चीज हमें खत्म नहीं कर पाएगी। हम इसे सिर्फ एक शुरुआत के तौर पर देखते हैं। किसी को भी यह नहीं सोचना चाहिए कि ऐसे कदमों से हमारा नामोनिशान मिटाया जा सकता है।

असम विधानसभा में यूसीसी विधेयक पास, 6 महीने में लागू होगा कानून

एजेंसी ■ गुवाहाटी

असम विधानसभा ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026 पारित कर दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के पास भेजा जाएगा और फिर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की स्वीकृति के लिए अग्रेषित किया जाएगा।

विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने इसे 'ऐतिहासिक' कदम बताया और सदन के सभी सदस्यों का समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, 'आज असम विधानसभा ने समान नागरिक संहिता विधेयक 2026 पारित किया है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं और इस ऐतिहासिक कानून को अपनाने के लिए विधानसभा के सभी सदस्यों का धन्यवाद करता हूं।'

सरमा ने बताया कि विधेयक को पहले असम के राज्यपाल के पास भेजा जाएगा और उसके बाद राष्ट्रपति की अंतिम मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद ही यह कानून राज्य में लागू होगा। उन्होंने कहा, 'अब यह विधेयक महामहिम राष्ट्रपति जी की मंजूरी के लिए जाएगा।

आईपीएल 2026: वैभव सूर्यवंशी ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, 29 गेंदों में 97 रन बनाए

एक सीजन सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी ■ न्यू चंडीगढ़

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के विरुद्ध 29 गेंदों में 12 छक्कों और 5 चौकों के साथ 97 रन बनाए। इस पारी के साथ 15 वर्षीय बल्लेबाज ने कई रिकॉर्ड्स तोड़ दिए।

वैभव सूर्यवंशी किसी एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने आईपीएल 2026 में 65 छक्के लगाए हैं। इस मामले में सूर्यवंशी ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने आईपीएल 2012 में 59 छक्के अपने नाम किए थे। इस लिस्ट में आंद्रे रसेल तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने आईपीएल

2019 में 52 छक्के लगाए थे। चौथे स्थान पर भी क्रिस गेल का नाम है, जिन्होंने आईपीएल 2013 में 51 छक्के जड़े थे। वहीं, आईपीएल 2022 में जोस बटलर 45 छक्के लगाकर लिस्ट में पांचवें स्थान पर हैं।

महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेली गई इस पारी के साथ वैभव सूर्यवंशी आईपीएल मैच के नॉकआउट/प्लेऑफ मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पारी में 10 छक्के लगाए थे। रजत पाटीदार 9 छक्कों के साथ इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

वैभव आईपीएल पारी में सबसे ज्यादा बार 10 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भी संयुक्त रूप से नंबर-1 बन गए हैं। वैभव सूर्यवंशी और क्रिस गेल 4-4 बार ऐसा कर चुके हैं। अभिषेक शर्मा और फिन एलन ने 2-2 बार यह कारनामा किया है। इस पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने महज 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ वैभव 20 से कम गेंदों में सबसे ज्यादा बार आईपीएल फिफ्टी लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर पहुंच गए। वैभव और निकोलस पूरन ने ऐसा 5-5 बार किया है। वहीं, अभिषेक शर्मा (6) इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं।

सीमावर्ती जिलों में बनेगा 360° सुरक्षा ग्रिड

एजेंसी ■ नई दिल्ली

गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सीमा से सटे 15 किलोमीटर के दायरे में सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को बीकानेर में उच्च स्तरीय बैठक में शाह ने भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों से जुड़े सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों और पांच जिलों बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर व फलौदी के डीएम और एसपी के साथ-साथ केंद्र के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक के पहले अमित शाह ने सीमा पर स्थित चौकी का दौरा कर जमीनी स्थिति का आंकलन किया था।

सीमावर्ती जिलों में 360 डिग्री सुरक्षा फ्रेमवर्क बनेगा

बैठक में अमित शाह ने सीमा से सटे इलाकों में अवैध निर्माणों के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति को कड़ाई से पालन करने को कहा। बैठक में सभी सीमावर्ती जिलों में 360 डिग्री सुरक्षा फ्रेमवर्क तैयार करने का निर्णय लिया गया।

प्री-मानसून बारिश 29 मई से 5 जून तक संभव

केरल में नमी कम होने से अटका मानसून

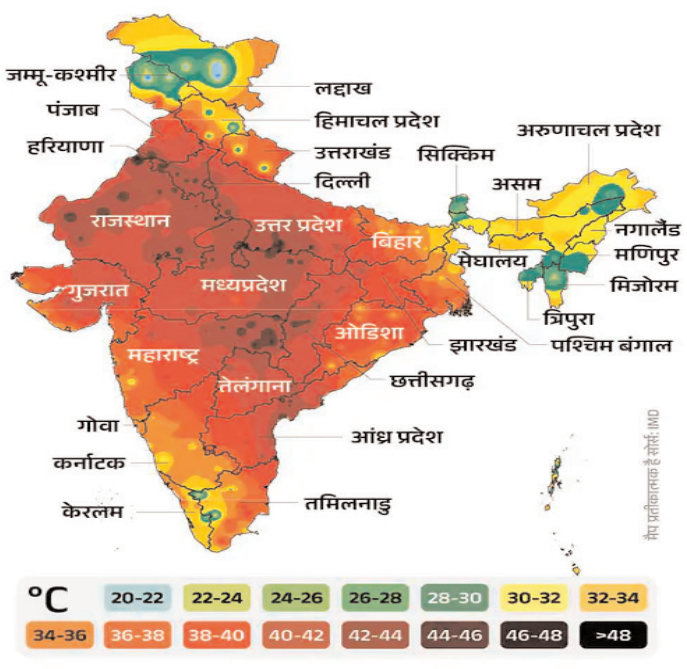

एजेंसी ■ नई दिल्ली

तेज गर्मी से जूझ रहे देश के 80-90% हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5 द्वद्व बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है।

मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है। इसमें अगले 8 दिनों में दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के इलाकों में ज्यादा बारिश के संकेत हैं। नौतपा में घर से निकलते हुए सावधान: ये 7 चीजें साथ रखें, 11 सावधानियां जरूर बरतें, इन 9 संकेतों को इग्नोर न करें मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य की किरणें भारत के बड़े हिस्से पर लगभग सीधी पड़ती हैं। इससे जमीन तेजी से गर्म होती है और तापमान बढ़ जाता है। नौतपा की तेज गर्मी और लू से बचने के लिए बाहर निकलते समय कुछ जरूरी चीजें साथ रखें, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे और धूप का असर कम हो।

देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचे, सरकार प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को ज्यादा आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए सरकार की बड़ी पहल का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि सरकार देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'देश के हर जरूरतमंद तक पीडीएस के माध्यम से समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सार्थक पीडीएस को ज्यादा आधुनिक और प्रभावी बनाकर जारी रखने का फैसला किया गया है। इससे पीडीएस से होने वाली डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और बेहतर बनेगी, साथ ही शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने 'सार्थक-पीडीएस' योजना को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी दी है। इस योजना पर केंद्र सरकार करीब 25,530 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह राशि 16वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान केंद्र की हिस्सेदारी के रूप में दी जाएगी।

सरकार ने दो बड़ी योजनाओं को मिलाकर इस नई व्यापक योजना का ढांचा तैयार किया है। इनमें पहली योजना 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राज्यों को खाद्यान्न के राज्य के भीतर परिवहन और फेयर प्राइस शॉप (एफपीएस) डीलरों के मार्जिन के लिए सहायता' और दूसरी 'स्मार्ट पीडीएस' योजना शामिल है। अब इन दोनों को मिलाकर 'सार्थक-पीडीएस' के रूप में लागू किया जाएगा। इस योजना का मकसद सिर्फ राशन पहुंचाना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित बनाना है।

'सूखा मुक्त महाराष्ट्र', सीएम फडणवीस ने की योजनाओं की समीक्षा, जल सरंक्षण पर जोर

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में सूखे की समस्या से निपटने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) और विभिन्न राज्य स्तरीय जल संरक्षण पहलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी।

यह घोषणा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने लंबित जल परियोजनाओं में तेजी लाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र की वित्तीय और अवसंरचना संबंधी मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि बैठक में पीएमकेएसवाई के तहत चल रही सिंचाई परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त निधि का अनुरोध किया था और केंद्र से पर्याप्त वित्तीय सहायता का आश्वासन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का कार्य 50 से 75 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है, साथ ही 75 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो चुकी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निधि आवंटित की जाएगी। महाराष्ट्र को इन पाइपलाइन और जल अवसंरचना परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार से लगभग 6,800 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, राज्य और केंद्रीय अधिकारियों ने पहले ही 90 प्रतिशत योजनाओं की गहन समीक्षा कर ली है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा कि पूर्ण हो चुकी जल आपूर्ति योजनाओं का ग्राम, ग्राम पंचायत, तालुका और जिला स्तर पर सटीक सत्यापन किया जाएगा। हम पहचानी गई कमियों को दूर कर रहे हैं और उच्च गुणवत्ता वाले कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जल स्रोतों को मजबूत कर रहे हैं।

महाराष्ट्र की अनूठी चुनौती पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लगभग 40 प्रतिशत बांधों के बावजूद, राज्य का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा सूखाग्रस्त है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दीर्घकालिक जल संरक्षण और जन भागीदारी ही एकमात्र स्थायी समाधान हैं।

मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार 'जल तारा' और 'जलयुक्त शिवर' जैसी पहलों को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) के साथ एकीकृत करके उनका विस्तार करने की योजना बना रही है।

बिहार में आंधी तूफान और दीवार गिरने से पांच लोगों की मौत, मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा

पटना । बिहार में आंधी तूफान, दीवार गिरने, तेज बारिश और पेड़ गिरने के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पांच लोगों की मौत हो गई। इधर, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है।

जानकारी के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में प्रदेश के मुजफ्फरपुर में दो, पश्चिम चम्पारण में एक, पूर्वी चम्पारण में एक और मुंगेर में एक व्यक्ति की मृत्यु आंधी तूफान, दीवार गिरने, तेज बारिश और पेड़ गिरने के कारण हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

सीएम ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। मौसम विभाग के मुताबिक, विगत 24 घंटों के दौरान उत्तर मध्य, उत्तर-पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व भागों के अधिकांश स्थानों में, उत्तर-पश्चिम भाग के अनेक स्थानों, दक्षिण-मध्य एवं दक्षिण-पश्चिम भाग के एक या दो स्थानों में हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा दर्ज की गई है।

पटना मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया कि अगले 2-3 दिनों के दौरान राज्य के अनेक भागों के अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। इसके अलावा अगले 5 दिनों के दौरान राज्य के अनेक भागों के न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

मेघालय सरकार ने 'वीआईपी कल्चर' पर लगाया अंकुश, सरकारी वाहनों पर 'नेम प्लेट्स' के नियमों को मंजूरी दी

शिलांग । मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने बुधवार को राज्य में सरकारी वाहनों पर नेम प्लेट के उपयोग को नियंत्रित करने वाले एक नियम को मंजूरी दे दी है।

कैबिनेट बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटनाक्रम को साझा करते हुए मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि यह कदम 'वीआईपी कल्चर' से संबंधित चिंताओं को दूर करने और सरकारी वाहनों के उपयोग में अधिक एकरूपता लाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कैबिनेट ने मेघालय सरकार के सरकारी वाहनों पर नेम प्लेट्स के उपयोग के संबंध में प्रस्तावित नियम को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पहले ही सरकारी वाहनों पर सायरन, लाइट और अन्य सुविधाओं के उपयोग को विनियमित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की थी।

मुख्यमंत्री संगमा ने आगे कहा कि इसी के अनुरूप, परिवहन विभाग ने अब आधिकारिक नेम प्लेट्स लगाने के लिए अधिकृत विशिष्ट पदों की पहचान कर ली है और पदनाम के आधार पर एक मानक प्रारूप निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, नए स्वीकृत दिशानिर्देश मुख्य रूप से सरकार, न्यायपालिका, प्रशासन और कुछ वैधानिक पदों पर कार्यरत अधिकारियों पर लागू होंगे।

इस नियम से सरकारी वाहनों पर आधिकारिक पहचान प्रदर्शित करने की प्रक्रिया सुव्यवस्थित होने और अनधिकृत पट्टियों और चिह्नों के दुरुपयोग को रोकने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने कहा कि यह कदम मेघालय सरकार के सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और अनुशासन को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में, देश के विभिन्न हिस्सों में आधिकारिक चिह्नों के दुरुपयोग, अनधिकृत रूप से पदनाम बोर्डों के प्रदर्शन और उन व्यक्तियों द्वारा वीआईपी विशेषाधिकारों के बढ़ते दुरुपयोग को लेकर चिंताएं उठाई गई हैं। मेघालय सरकार ने पहले मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले वाहनों पर बीकन लाइट, सायरन और अन्य विशेष विशेषाधिकारों के उपयोग से संबंधित नियमों को सख्त किया था।

झारखंड में ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बनेंगे 5 हजार नए सखी मंडल

रांची। झारखंड सरकार ने ग्रामीण महिलाओं को आजीविका और स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। राज्य में पांच हजार नए सखी मंडलों के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई है, जिनसे करीब 60 हजार परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए बैंकों से पांच हजार करोड़ रुपए के ऋण उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक निर्धारित समय सीमा के भीतर इन लक्ष्यों को धरातल पर उतारें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह ग्रामीण विकास की मजबूत कड़ी बन सकते हैं।

उन्होंने निर्देश दिया कि समूहों से जुड़ी महिलाओं को सिर्फ पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रखा जाए, बल्कि उन्हें आधुनिक और आय बढ़ाने वाले कार्यों से भी जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने सोलर पावर उत्पादन, जूट प्रोसेसिंग और हनी उत्पादन जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राज्य में ढाई लाख नई महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की भी योजना है।

इसके लिए झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के माध्यम से अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जरूरी है कि उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की मार्केटिंग के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए और पलाश मार्ट जैसे बिक्री केंद्रों का विस्तार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ-साथ दूसरे राज्यों में भी ऐसे बिक्री केंद्र स्थापित करने की दिशा में पहल होनी चाहिए। बैठक में समूहों की महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने, आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देने और क्लस्टर स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने की जरूरत पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य कार्यक्रम, बिरसा विशिष्ट जनजातीय विकास योजना, युवा कौशल योजना, वाटरशेड योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

कर्नाटक में नेतृत्व संकट पर जनता की पैनी नजर: भाजपा

बेंगलुरु । विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बुधवार को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए चेतावनी दी कि राज्य की जनता वहां हो रहे राजनीतिक घटनाक्रमों पर पैनी नजर रख रही है। राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच एक कड़े बयान में उन्होंने कहा कि कांग्रेस को कन्नड़ भाषी लोगों के धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

अशोका ने दावा किया कि जनता जल्द ही उस सरकार को करारा जवाब देगी जिसे उन्होंने 'सत्ता की भूखी और जनविरोधी सरकार' करार दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य को केवल मुख्यमंत्री परिवर्तन की नहीं, बल्कि 'जनविरोधी कांग्रेस सरकार' के पूर्ण परिवर्तन की आवश्यकता है। अशोका ने आरोप लगाया कि 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से कर्नाटक में शासन व्यवस्था चरमरा गई है।

उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी दल के आंतरिक संघर्षों में उलझे रहने के कारण विकास, जन कल्याण, किसानों की चिंताएं और युवाओं का भविष्य सब हाशिये पर चले गए हैं।

अशोका ने कांग्रेस के भीतर कथित 'सत्ता-साझाकरण व्यवस्था' को पूरी तरह से राजनीतिक तमाशा बताया और आरोप लगाया कि इस आंतरिक कलह ने प्रशासन को पंगु बना दिया है और देश के समक्ष कर्नाटक की छवि को धूमिल किया है।

उन्होंने आगे कहा कि विधान सौधा अब शासन केंद्र के रूप में कार्य नहीं कर रहा है, बल्कि राजनीतिक समीकरणों और अस्तित्व की लड़ाई का मैदान बन गया है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दोनों को निशाना बनाते हुए अशोक ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहें, शिवकुमार पदभार संभालें या कांग्रेस उच्च कमान द्वारा किसी अन्य नेता को नियुक्त किया जाए।

उनके अनुसार, कांग्रेस सरकार के पास कर्नाटक की जनता को देने के लिए 'कुछ भी सार्थक नहीं' था।

भाजपा नेता ने सरकार पर कर्नाटक के विकास के लिए दूरदर्शिता की कमी, किसानों की दुर्दशा की अनदेखी, युवाओं को अवसर प्रदान करने में विफलता और सार्वजनिक मुद्दों के प्रति जवाबदेही न दिखाने का आरोप लगाया।

अशोका ने आरोप लगाया कि उनका एकमात्र एजेंडा सत्ता, पद, लूट और स्वार्थी राजनीति है।

झारखंड कैबिनेट का अहम फैसला, सरकारी कर्मियों और पेंशनर्स का डीए पांच प्रतिशत तक बढ़ा

रांची । झारखंड सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में पांच फीसदी तक की वृद्धि कर दी है। बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

इसके अनुसार, सातवां केंद्रीय वेतनमान पाने वाले कर्मियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते और महंगाई राहत को 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि छठे वेतनमान वाले कर्मियों व पेंशनरों का डीए 257 प्रतिशत से बढ़ाकर 262 प्रतिशत और पांचवें वेतनमान वालों का महंगाई भत्ता 474 प्रतिशत से बढ़ाकर 483 प्रतिशत किया गया है।

राज्य की कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि कैबिनेट ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, जैविक खेती, पशुपालन, कौशल विकास, प्रशासनिक सुधार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े कुल 39 प्रस्तावों को मंजूरी दी है। नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए नई पुरस्कार योजना को मंजूरी दी गई है। इसके तहत ड्रग्स की तस्करी, बिक्री या अवैध उत्पादन की सूचना देने वाले लोगों को इनाम दिया जाएगा।

सूचना सही साबित होने पर आम नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों को 3 हजार रुपए से लेकर 2 लाख रुपए से अधिक तक का पुरस्कार मिल सकेगा। सरकार का मानना है कि लोगों की भागीदारी बढ़ने से मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत किया जा सकेगा। राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अबुआ दवाखाना योजना को स्वीकृति दी गई है। इन केंद्रों पर एलोपैथी के साथ-साथ आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा चिकित्सा पद्धति की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।

वहीं, पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अवधि बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 तक कर दी गई है।

तीन जून के बाद ही हो सकता है असम मंत्रिमंडल का विस्तार: सीएम सरमा

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को संकेत दिया कि राज्य मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार अब 3 जून के बाद ही होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगी और राज्यपाल की पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं के कारण इसमें कुछ दिनों की देरी होगी।

उन्होंने कहा, 'मैंने पहले कहा था कि यह जल्दी होगा, लेकिन 3 जून से पहले संभव नहीं दिख रहा है क्योंकि राज्यपाल आधिकारिक दौरे पर मंगोलिया जा रहे हैं।'

सरमा ने आगे कहा कि राज्यपाल की वापसी के बाद ही मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, 'जो भी होगा, वह 3 जून के बाद ही होगा। धीरे-धीरे सब कुछ होगा। हालांकि मुख्यमंत्री ने संभावित फेरबदल या नए मंत्रियों को शामिल किए जाने को लेकर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन पिछले कई हफ्तों से असम में भाजपा नीत सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की चर्चाएं तेज हैं। माना जा रहा है कि प्रस्तावित विस्तार के जरिए मंत्रिपरिषद में खाली पदों को भरा जाएगा और कुछ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में भी फेरबदल हो सकता है। वर्तमान में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के अलावा मंत्रिमंडल में केवल चार मंत्री शामिल हैं।

राज्यपाल द्वारा जारी पूर्व अधिसूचना के अनुसार, भाजपा के वरिष्ठ नेता रामेश्वर तेली को ट्रांसफॉर्मेशन एंड डेवलपमेंट, श्रम कल्याण तथा चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण विभाग को उनके कार्यभार में शामिल किए जाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राज्य सरकार असम के चाय बागान समुदायों के कल्याण पर विशेष ध्यान दे रही है। वहीं, अतुल बोरा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, असम समझौता कार्यान्वयन, सीमा सुरक्षा एवं विकास तथा आबकारी विभाग सौंपे गए हैं।

नीट यूजी 2026 पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली । नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को होनी है। इससे पहले बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूर्व इसरो अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन के साथ मिलकर इस पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की।

बता दें कि डॉ. के. राधाकृष्णन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से संबंधित सिफारिशों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त संचालन समिति के अध्यक्ष भी हैं। बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा सचिव, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के महानिदेशक, एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी तथा शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यहां नीट-यूजी पुनर्परीक्षा को निष्पक्ष, सुरक्षित और सुचारु तरीके से आयोजित करने के लिए किए जा रहे इंतजामों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के महानिदेशक ने परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाए गए अतिरिक्त कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए मौजूदा सर्विलांस सिस्टम का व्यापक मूल्यांकन किया गया है तथा उसमें आवश्यक तकनीकी व प्रशासनिक सुधार भी किए जा रहे हैं। समीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापन प्रक्रिया और परीक्षा संचालन की पारदर्शिता को लेकर भी विमर्श किया गया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी की संभावना को रोका जा सके।

वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि परीक्षा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि देशभर के परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को बेहतर सुविधाएं और छात्र-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित एवं पारदर्शी रहे। नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा देशभर के 550 शहरों में स्थापित 5400 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगी।

अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा के सफल आयोजन के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया जा रहा है। इससे पहले सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और प्रशासकों को पत्र लिखा था।

संक्षिप्त खबरें

आप नेता ने सीएम साय को दी आमरण अनशन की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में डी.एड. अभ्यर्थियों की नियुक्ति की मांग को लेकर पिछले 153 दिनों से जारी आंदोलन अब उग्र रूप धारण करने जा रहा है। आम आदमी पार्टी के नेता उत्तम जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि 10 जून 2026 तक पात्र अभ्यर्थियों को सहायक शिक्षक के पदों पर नियुक्ति नहीं मिली, तो वे 11 जून 2026 से आमरण अनशन पर बैठेंगे।

यह मामला छत्तीसगढ़ के हजारों डी.एड. प्रशिक्षित युवाओं और उनके परिवारों के भविष्य से सीधे जुड़ा हुआ है। रायपुर के तूता धरना स्थल पर महीनों से बैठे युवाओं में भारी मानसिक और आर्थिक तनाव है, जिनमें एक बड़ी संख्या आदिवासी वर्ग के महिला और पुरुष अभ्यर्थियों की है। इस आंदोलन के और तेज होने से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और सरकारी शिक्षक भर्ती प्रक्रियाओं पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के नेता उत्तम जायसवाल ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक के लगभग 2300 पद रिक्त हैं, जिनमें से करीब 1600 पद आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों के हैं। माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद राज्य शासन द्वारा इन पदों पर नियुक्तियां नहीं दी जा रही हैं। उन्होंने पत्र में यह भी आरोप लगाया कि जायज मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे इन बेरोजगार युवाओं को दबाने के लिए तीन बार जेल भेजा गया और कई दिनों तक हिरासत में रखा गया। लंबे समय से पेंडिंग इस भर्ती प्रक्रिया के कारण अभ्यर्थी इस कदर मानसिक अवसाद से गुजर रहे हैं कि वे आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

खरोरा के 76 वर्षीय पंडित संतोष राव ने संरक्षित कीं दो दुर्लभ पांडुलिपियां

रायपुर। नगर पंचायत खरोरा निवासी 76 वर्षीय पंडित संतोष राव द्वारा संरक्षित दो दुर्लभ पांडुलिपियों को ज्ञानभारतम् पोर्टल में दर्ज किया गया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रेडक्रॉस सभा कक्ष में पंडित संतोष राव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पंडित संतोष राव के पास माता परमेश्वरी से संबंधित देवांग पुराण की दो पांडुलिपियां सुरक्षित हैं। इनमें पहली पांडुलिपि लगभग 350 वर्ष पुरानी है जो भोजपत्र पर लिखित है और इसमें 101 पृष्ठ हैं। दूसरी पांडुलिपि लगभग 100 वर्ष पुरानी है, जिसमें 151 पृष्ठ शामिल हैं। दोनों पांडुलिपियां ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण हमारी समृद्ध विरासत को बचाने जैसा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री वष्णुदेव साय के आह्वान पर ज्ञानभारतम मिशन के अंतर्गत जिले में सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

108 संजीवनी एक्सप्रेस कर्मियों की सूझबूझ से एम्बुलेंस में हुआ सुरक्षित प्रसव

रायपुर। 108 संजीवनी एक्सप्रेस कर्मियों की सूझबूझ से एम्बुलेंस में हुआ सुरक्षित प्रसवआपातकालीन स्वास्थ्य सेवा 108 संजीवनी एक्सप्रेस एक गर्भवती महिला के लिए जीवनदायिनी साबित हुई। 108 एम्बुलेंस कर्मियों की तत्परता, सूझबूझ एवं संवेदनशीलता से एक गर्भवती महिला का एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया। वर्तमान में जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा जिले के ग्राम आनंदगांव निवासी मानसी, पति दीपक, उम्र 24 वर्ष को गर्भावस्था संबंधी जटिलता होने पर जिला चिकित्सालय बेमेतरा में भर्ती कराया गया था। महिला की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेकाहारा रायपुर रेफर किया। इसके बाद 108 संजीवनी एक्सप्रेस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के पायलट नीलमणि एवं ईएमटी कलावती गायकवाड़ तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचे और गर्भवती महिला को एम्बुलेंस में शिफ्ट कर रायपुर के लिए रवाना हुए। धरसीवां के पास बढ़ी प्रसव पीड़ा, एम्बुलेंस में ही कराया सुरक्षित प्रसवरायपुर पहुंचने से पहले धरसीवां के आसपास महिला को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईएमटी कलावती गायकवाड़ ने परिजनों की सहमति एवं पायलट नीलमणि के सहयोग से एम्बुलेंस में ही प्रसव कराने का निर्णय लिया। ईएमटी द्वारा सभी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं एवं सावधानियों का पालन करते हुए सुरक्षित प्रसव कराया गया। कुछ ही देर में महिला ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया।

छत्तीसगढ़ में लागू होगी इम्प्रूव्ड राईस स्कीम

राईस मिल एसोसिएशन ने दिए सुझाव, मिलों के आधुनिकीकरण और गुणवत्ता सुधार पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारत सरकार की नवीन 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइंस रायपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने की। इसमें छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, भारतीय खाद्य निगम, मार्कफेड तथा प्रदेशभर के राईस मिलर्स ने भाग लिया।

कार्यशाला में खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि भारत सरकार आगामी खरीफ वर्ष में 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' को प्राथमिकता के साथ लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए राज्य के राईस मिलों को निर्धारित मानकों के अनुरूप तकनीकी रूप से अपग्रेड करना आवश्यक होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि मिलर्स द्वारा दिए गए सुझावों और समस्याओं का परीक्षण कर आवश्यक प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे जाएंगे।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष कान्ति लाल बोथरा, महामंत्री विष्णु बिंदल, कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं मिलर्स उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला आयोजन के लिए खाद्य विभाग का आभार व्यक्त करते हुए योजना के सफल क्रियान्वयन में सहयोग का भरोसा दिलाया।

कार्यशाला में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 से लागू की जाने वाली 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' के विभिन्न प्रावधानों, गुणवत्ता मानकों, भंडारण व्यवस्था, अनुबंध प्रक्रिया, लागत एवं क्रियान्वयन संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 10 प्रतिशत अरवा ब्रोकन चावल एवं 5 प्रतिशत उसना ब्रोकन चावल के निर्धारित मानकों की जानकारी दी।

बैठक के दौरान राईस मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने व्यवहारिक समस्याओं और सुझावों को प्रमुखता से रखा। मिलर्स ने प्रदेश में उन्नत धान किस्मों की खेती को बढ़ावा देने, भारतीय खाद्य निगम में रैक मूवमेंट को तेज करने तथा मिलिंग लागत में वृद्धि जैसे मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। साथ ही उन्होंने स्कीम के सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीकी और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

इस अवसर पर मार्कफेड के एमडी जितेन्द्र शुक्ला, भारतीय खाद्य निगम के जीएम दीपक शर्मा सहित खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं राईस मिलर्स एसोसिएशन के लगभग 60 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में रेरा के नाम पर पैसों की मांग! सरकारी चेतावनी जारी, भूलकर भी न करें यह गलती

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (सीजी रेरा) ने प्रदेश के आम नागरिकों, आवंटियों और प्रमोटरों को ठगों से सुरक्षित रखने के लिए साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सतर्कता एडवाइजरी जारी की है। प्राधिकरण के संज्ञान में आया है कि कुछ अज्ञात और अनधिकृत व्यक्ति खुद को रेरा का अधिकारी या कर्मचारी बताकर लोगों से पैसों की मांग कर रहे हैं।

यह चेतावनी छत्तीसगढ़ के उन हजारों लोगों के लिए बेहद जरूरी है जो घर, जमीन या किसी प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री से जुड़े हैं। रेरा के नाम पर होने वाली इस ठगी से न सिर्फ लोगों की गाढ़ी कमाई डूबने का खतरा है, बल्कि रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े कारोबारियों की साख को भी नुकसान पहुंच रहा है। समय रहते इस अलर्ट को समझकर नागरिक अपने बैंक खातों और निजी जानकारियों को सुरक्षित रख सकते हैं।

सीजीरेरा प्रबंधन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले को स्पष्ट किया है। प्राधिकरण ने दोटूक शब्दों में कहा है कि सीजीरेरा द्वारा कभी भी किसी भी प्रकार की सरकारी या विनियामक राशि को किसी के व्यक्तिगत बैंक खाते, मोबाइल नंबर, यूपीआई या अन्य किसी निजी माध्यम से जमा कराने के निर्देश नहीं दिए जाते हैं। रेरा से जुड़े सभी तरह के वैधानिक भुगतान केवल सरकार द्वारा अधिकृत और निर्धारित आधिकारिक माध्यमों से ही स्वीकार किए जाते हैं।

प्राधिकरण ने छत्तीसगढ़ के नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास रेरा अधिकारी बनकर किसी भी तरह का संदिग्ध कॉल, मैसेज या पैसों की मांग आती है, तो वे तुरंत सतर्क हो जाएं। 27 मई 2026 को जारी इस निर्देश में कहा गया है कि आम जनता अपनी बैंकिंग डिटेल्स, ओटीपी (ह्ळ्क्क) या कोई भी अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करे। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या ठगी के प्रयास का शिकार होने पर नागरिक इसकी शिकायत तत्काल साइबर सेल या अपने नजदीकी पुलिस थाने में दर्ज कराएं। खुद को रेरा का अधिकारी या कर्मचारी बताकर लोगों से सीधे पैसों की मांग करने वाले फर्जी कॉल और मैसेज के बाद यह एडवाइजरी जारी हुई है। सीजी रेरा से जुड़े सभी प्रकार के लेन-देन केवल अधिकृत एवं निर्धारित आधिकारिक माध्यमों से ही मान्य होते हैं, किसी निजी यूपीआई या खाते में नहीं।

इस आधिकारिक चेतावनी के बाद अब पुलिस की साइबर सेल टीम रेरा के नाम पर सक्रिय इन फर्जी कॉलर्स और ठगों के गिरोह को ट्रेस करने में जुट गई है।

छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे का होगा कायाकल्प- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में करोड़ों की नवीन परियोजनाओं को दी हरी झंडी

नवा रायपुर में बनेंगे संयुक्त शासकीय भवन, रायपुर को मिलेगा नया जल शोधन संयंत्र और दौड़ेंगी ई-बसें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों और शहरी अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंत्रालय (महानदी भवन) में आज मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स और नवीन अधोसंरचना प्रस्तावों का प्रस्तुतिकरण किया गया, जिससे आने वाले समय में नवा रायपुर और मुख्य शहर की तस्वीर बदलेगी।

नवा रायपुर में 302.67 करोड़ रूपए की लागत से नए कार्यालय और शासकीय भवन बनेंगे

महानदी भवन और इंद्रावती भवन स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के दूसरे और तीसरे तल पर आधुनिक कार्यालयों का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की प्रस्तावित लागत करीब 131 करोड़ 17 लाख रुपये है। नवा रायपुर के सेक्टर-24 में एक विशाल संयुक्त शासकीय भवन का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर 171 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत का अनुमान है, जिस पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। आम नागरिकों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अंतर्गत 43 नई ई-बसें चलाई जाएंगी।

पानी की किल्लत पर सियासी घमासान! नेता प्रतिपक्ष ने महापौर के बयान पर उठाए गंभीर सवाल

रायपुर। रायपुर नगर निगम की एमआईसी बैठक के बाद शहर की मूलभूत समस्याओं को लेकर सियासत गरमा गई है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने महापौर के बयानों पर तीखा पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि निगम सरकार जनता को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा रही है और अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए शहरवासियों को ही जिम्मेदार ठहरा रही है। रायपुर के कई वार्डों में भीषण गर्मी के बीच पेयजल का भारी संकट बना हुआ है। ऐसे समय में नगर निगम के भीतर चल रही यह सियासी जंग सीधे तौर पर आम नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं (पानी, सफाई और पेंशन) से जुड़ी हुई है। विपक्ष के इन तीखे तेवरों के बाद अब निगम

प्रशासन पर प्रभावित इलाकों में जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था को जल्द से जल्द दुरुस्त करने का प्रशासनिक दबाव बेहद बढ़ जाएगा।

निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने एमआईसी की बैठक को पूरी तरह निराशाजनक बताते हुए कहा कि लोगों की निगाहें इस बैठक पर टिकी थीं कि पानी और सफाई का कोई ठोस समाधान निकलेगा, लेकिन निगम प्रशासन के पास इसके लिए कोई एजेंडा ही नहीं था। उन्होंने पेंशन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि शहर के गरीब बुजुर्गों और जरूरतमंदों को कई महीनों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिली है, जिससे उनका गुजारा मुश्किल हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सामान्य सभा में लगातार आवाज उठाने के बाद आखिरकार शहीद आकाश राव गिरिपुंजे की मूर्ति लगाने के फैसले का वे साधुवाद करते हैं, लेकिन अन्य मामलों में जनता को सिर्फ गुमराह किया जा रहा है। महापौर द्वारा जल संकट के लिए नागरिकों को वाटर हार्वेस्टिंग न करने को लेकर दिए गए बयान पर आकाश तिवारी ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार महापौर को इस तरह अपनी नैतिक जिम्मेदारी से भागते हुए जनता पर दोष मढ़ना शोभा नहीं देता।

MIC की बैठक कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

रायपुर । राजधानी में महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में रायपुर नगर निगम की MIC बैठक संपन्न हुई, जिसमें शहर विकास, पेयजल व्यवस्था, निर्माण कार्यों और जनसुविधाओं से जुड़े कुल 18 एजेंडों पर चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

महापौर मीनल चौबे ने बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि जर्जर हो चुकी पुरानी नगर निगम बिल्डिंग के पुनर्विकास के लिए कमर्शियल मॉडल पर परियोजना विकसित करने की तैयारी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि नवीन मार्केट क्षेत्र के विकास को लेकर क्षेत्र में कुछ चुनौतियां हैं, जिन पर विचार-विमर्श कर आगे निर्णय लिया जाएगा।

बैठक में प्राथमिकता वाले निर्माण कार्यों के लिए संकल्प सोसायटी के माध्यम से करीब 10 लाख रुपये की स्वीकृति भी दी गई। आमानाका क्षेत्र में प्रस्तावित गार्बेज डिपो परियोजना को लेकर महापौर मीनल चौबे ने बताया कि इस संबंध में पहले से रद्द किया जा चुका है, जिसकी अवधि 31 अक्टूबर 2026 तक है।

बैठक में महादेव घाट के जीर्णोद्धार प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। वहीं शहीद आकाश राव गिरपुंजे की प्रतिमा लाखे नगर चौक में स्थापित करने का प्रस्ताव भी सामने आया है।

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि पानी की समस्या केवल दो-चार दिनों की नहीं है, बल्कि भूजल स्तर लगातार नीचे जाने से हालात चिंताजनक होते जा रहे

मॉल्स एवं व्यावसायिक भवनों में लिफ्ट सुरक्षा, वेस्ट मैनेजमेंट और पार्किंग स्थल में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

कलेक्टर ने ली व्यावसायिक एवं अन्य मल्टी स्टोरी भवन प्रबंधकों की बैठक

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्रांतर्गत स्थित बड़े व्यावसायिक भवनों, मल्टीस्टोरी भवनों, मॉल्स तथा अन्य बड़े संस्थानों में स्थापित लिफ्टों के सुरक्षा मानकों, नियमित रख-रखाव, फिटनेस प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों के परीक्षण के संबंध में आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रेडक्रॉस में बैठक ली। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, फायर सिस्टम, पार्किंग एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि अस्पतालों, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स एवं मल्टीस्टोरी भवनों में लिफ्टों का नियमित एवं व्यवस्थित मेंटेनेंस अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लिफ्ट के चलते-चलते अचानक बंद होने और जल्द सहायता नहीं मिलने की शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की

जाएगी।

उन्होंने कहा कि कई संस्थानों द्वारा लिफ्ट प्रबंधन के लिए विशेष रूप से लोगों एवं दिव्यांगजनों को नियोजित किया गया है। इस प्रकार सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

कलेक्टर ने सभी संबंधित संस्थानों को एक सप्ताह के भीतर लिफ्ट ऑपरेटिंग सिस्टम दुरुस्त करने, आवश्यक प्लानिंग तैयार करने, सभी लिफ्टों में चालू इमरजेंसी नंबर प्रदर्शित करने तथा पूरी मशीनरी को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सात दिनों के भीतर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

इसके पश्चात पुलिस, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, होमगार्ड, नगर निगम एवं ष्टस्क्कष्टरु की संयुक्त टीम द्वारा भवनों का निरीक्षण किया जाएगा जो लिफ्टों की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था, इमरजेंसी नंबरों एवं अन्य सुरक्षा प्रावधानों की जांच करेगी। किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा मानवीय त्रुटि पाए जाने पर संबंधित भवन स्वामी को जिम्मेदार माना जाएगा। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि किसी दुर्घटना की स्थिति में ऑपरेटर नहीं, बल्कि भवन स्वामी जवाबदेह होंगे। कलेक्टर ने सभी बड़े भवनों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सिस्टम को पूर्णतः कार्यशील रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सुरक्षा उपकरणों का नियमित परीक्षण एवं रखरखाव आवश्यक है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के जल स्रोतों में ऊदबिलाव की मौजूदगी के प्रमाण

अवन विभाग और विज्ञान सभा के संयुक्त प्रयासों से मिली सफलता

रायपुर। विश्व ऊदबिलाव दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। गरियाबंद जिले के उदंती- सीतानदी टाइगर रिजर्व के जल स्रोतों में ऊदबिलाव (ओटर) की प्रमाणिक उपस्थिति दर्ज की गई है। यह सफलता प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन तथा वन विभाग एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के संयुक्त शोध प्रयासों से संभव हुई है।

गरियाबंद वनमंडल के डीएफओ वरुण जैन के सहयोग से लगाए गए कैमरा ट्रैप में ऊदबिलाव के स्पष्ट चित्र प्राप्त हुए हैं। इससे यह प्रमाणित हुआ है कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व का जलीय पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ है और यह दुर्लभ वन्यजीवों के लिए सुरक्षित आवास बना हुआ है।

स्वस्थ जल स्रोतों के जैव संकेतक हैं ऊदबिलाव स्वच्छ और सुरक्षित जल स्रोतों में निवास करने वाला संवेदनशील वन्यजीव है। यह नदियों, तालाबों और अन्य मीठे जल स्रोतों की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण जैव संकेतक माना जाता है। इसकी उपस्थिति किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता की समृद्धि को दर्शाती है।

विश्वभर में ऊदबिलाव की 13 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से भारत में तीन यूरेशियन ऊदबिलाव, स्मूद-कोटेड ऊदबिलाव और एशियाई स्मॉल-क्लॉड ऊदबिलाव प्रजातियां पाई जाती हैं। विशेष बात यह है कि छत्तीसगढ़ में इन तीनों प्रजातियों की उपस्थिति दर्ज की जा चुकी है, जो राज्य की समृद्ध जैव विविधता का प्रमाण है।

विश्व ऊदबिलाव दिवस का उद्देश्य

हर वर्ष 27 मई को विश्व ऊदबिलाव दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य ऊदबिलाव प्रजातियों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और उनके सामने मौजूद खतरों की ओर ध्यान आकर्षित करना है। प्राकृतिक आवास का नुकसान, जल स्रोतों का प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध शिकार एवं तस्करी और मानव-वन्यजीव संघर्ष आदि ऊदबिलाव के लिए प्रमुख खतरे हैं।

छत्तीसगढ़ में संरक्षण के लिए लगातार हो रहा शोध

छत्तीसगढ़ में ऊदबिलाव संरक्षण की दिशा में वर्ष 2021 से निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसके बाद राज्य शासन के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा को ऊदबिलाव पर शोध और संरक्षण अध्ययन का दायित्व सौंपा गया। छत्तीसगढ़ जैव विविधता बोर्ड के नेतृत्व में कोरबा, कांकेर, गरियाबंद और बस्तर संभाग में कैमरा ट्रैप एवं मैदानी अध्ययन के माध्यम से ऊदबिलाव की उपस्थिति, व्यवहार, आवास और प्रजनन संबंधी जानकारी संकलित की जा रही है। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की शोधकर्ता श्रीमती निधि सिंह के नेतृत्व में तैयार अध्ययन रिपोर्ट वन विभाग को सौंपी गई है। अध्ययन से राज्य के विभिन्न जिलों में ऊदबिलाव की उपस्थिति के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।

05 नेक व्यक्ति को पुलिस कमिश्नर रायपुर ने किया सम्मानित

रायपुर । रायपुर शहर क्षेत्रांतर्गत गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग, राजकीय राजमार्ग एवं अन्य मार्गो में घटित सड़क दुर्घटना के प्रकरणों में आगे बढ़कर घायलों की जान बचाने वाले 05 गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्तियों) को पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतिक चिन्ह भेंट कर किया गया सम्मानित, साथ ही घायलों की जान बचाने समाज के युवाओं को आगे आने की गयी अपील।

ज्ञात हो कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कर जान बचाने वाले व्यक्तियों को *''गुड सेमेरिटन'' अर्थात नेक व्यक्ति* की संज्ञा देते हुए इन्हे अधिक से अधिक प्रोत्साहित व पुरस्कृत करने व गुड सेमेरिटन कानून का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने निर्देशित किया गया है जिसके तहत आज दिनांक को पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा माह मई-2026 में शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में घटित सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद कर उनकी जान बचाने वाले 05 गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्तियों) को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, साथ ही यातायात पुलिस के अधिकारियों को इनके सम्मान का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार के लिए शहर के रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, कलेक्टोरेट गेट एवं मरीन ड्राइव आदि प्रमुख स्थानों में बड़े-बड़े होर्डिंग्स फ्लैक्स लगाने निर्देशित किया गया।

बता दें कि देश में प्रति वर्ष सड़क दुर्घटना में लगभग डेढ़ से दो लाख लोगों की असमय मृत्यु कारित होती है, जिसका प्रमुख कारण घायलों को तत्काल चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नही होने से है। सड़क दुर्घटना के दौरान प्रथम 01 घण्टे का समय घायलों के लिए गोल्डन आवर होता है, इस दौरान यदि घायल व्यक्ति को किसी भी प्रकार से हास्पिटल तक पहुंचा दिया जाता है या फिर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा दिया जाता है तो 90: मामले में घायल की जान बचाई जा सकती है। किन्तु आज के समय में अधिकांशतः व्यक्ति कानूनी लफड़े में नही पड़ने के चक्कर में घायल व्यक्ति की जान बचाने कोई उपाय नही करता, जिससे घायल व्यक्ति उपचार के अभाव में तड़प-तड़प कर घटनास्थल में ही दम तोड़ देता है।

संपादकीय

संपत्ति की भूख और बिखरते रिश्ते

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती को लंबे समय तक पारिवारिक प्रेम, भाईचारे और संयुक्त परिवारों की संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है। गांवों की चौपालों में रिश्तों की गर्माहट दिखाई देती थी। परिवार केवल खून का रिश्ता नहीं था, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा और सम्मान का आधार माना जाता था। दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची और भाई-बहन मिलकर एक ऐसी सामाजिक संरचना बनाते थे, जहाँ व्यक्ति अकेला नहीं पड़ता था। परिवार की खुशियाँ सामूहिक होती थीं और दुख भी मिलकर सहन किए जाते थे। खेतों में मेहनत से लेकर घर के निर्णयों तक, सब कुछ साझेपन की भावना से चलता था। उस समय यह कल्पना भी कठिन थी कि कोई व्यक्ति संपत्ति के लिए अपने ही परिवार के सदस्य का दुश्मन बन सकता है।

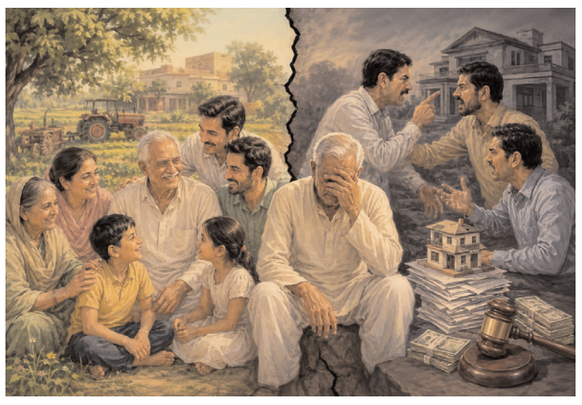

लेकिन बदलते समय के साथ समाज की तस्वीर तेजी से बदली है। आर्थिक प्रतिस्पर्धा, शहरीकरण, बढ़ती भौतिक इच्छाएँ और उपभोक्तावादी सोच ने रिश्तों की आत्मीयता को धीरे-धीरे कमजोर कर दिया है। अब वही परिवार, जो कभी प्रेम और सहयोग की मिसाल होते थे, संपत्ति और पैसों के विवादों में टूटते दिखाई दे रहे हैं। जमीन का छोटा-सा टुकड़ा, विरासत का हिस्सा या पैसों का लेन-देन कई बार ऐसे संघर्षों को जन्म दे रहा है, जिनका अंत हिंसा और हत्या तक पहुँच रहा है।

आज हरियाणा ही नहीं, पूरे देश में ऐसे समाचार लगातार सामने आते हैं, जहाँ भाई ने भाई की हत्या कर दी, बेटे ने पिता पर हमला कर दिया या चाचा-भतीजे के रिश्ते खून से रंग गए। यह घटनाएँ केवल अपराध नहीं हैं, बल्कि समाज के भीतर बढ़ते नैतिक पतन का संकेत हैं। परिवारों के भीतर बढ़ती यह हिंसा बताती है कि धन और संपत्ति अब रिश्तों से अधिक महत्वपूर्ण मानी जाने लगी है।

हरियाणा जैसे राज्यों में जमीन केवल खेती का साधन नहीं रही। शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार के कारण जमीनों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। जिन खेतों की कीमत कभी सामान्य थी, वे आज करोड़ों रुपये की संपत्ति बन चुके हैं। यही आर्थिक परिवर्तन कई परिवारों के भीतर तनाव का कारण बन रहा है। पहले जिस जमीन को परिवार मिलकर जोतता था, अब उसी जमीन के बंटवारे को लेकर भाई-भाई अदालतों में लड़ रहे हैं। कई मामलों में यह विवाद कानूनी सीमाओं को पार कर हिंसक रूप ले लेते हैं।

संयुक्त परिवारों के टूटने ने भी इस समस्या को गंभीर बनाया है। पहले परिवार में बड़े-बुजुर्ग मध्यस्थ की भूमिका निभाते थे। यदि किसी बात को लेकर विवाद होता, तो परिवार के सम्मानित सदस्य बैठकर समाधान निकाल लेते थे। उनकी बात को अंतिम माना जाता था। लेकिन अब एकल परिवारों का चलन बढ़ गया है। परिवार छोटे होते गए और संवाद भी कम होता गया। जब परिवार के सदस्य अलग-अलग रहने लगे, तब उनके बीच भावनात्मक दूरी भी बढ़ी। यही दूरी कई बार अविश्वास और स्वार्थ को जन्म देती है।

आधुनिक समाज में व्यक्ति की सफलता को उसकी आर्थिक स्थिति से मापा जाने लगा है। बड़ा घर, महंगी गाड़ी और अधिक संपत्ति आज सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुके हैं। सोशल मीडिया और बाजारवादी संस्कृति ने इस सोच को और मजबूत किया है। हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने की दौड़ में शामिल दिखाई देता है। इस दौड़ में रिश्तों की संवेदनशीलता पीछे छूटती जा रही है। व्यक्ति अपने परिवार को सहयोगी के बजाय हिस्सेदार और प्रतिस्पर्धी की तरह देखने लगा है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो संपत्ति विवाद केवल आर्थिक संघर्ष नहीं होते। इनके पीछे असुरक्षा, अहंकार, तुलना और अधिकार की भावना भी काम करती है। कई बार व्यक्ति को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, उसे कम हिस्सा मिला है या परिवार में उसकी उपेक्षा हुई है। यही

रक्षकों की क्रूर हँसी पर उठते सवाल!

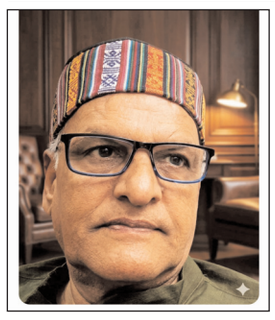

गिरीश पंकज

यह एक बेहद संवेदनशील, गंभीर और विचलित करने वाला विषय है। एक मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के बाद कानून व्यवस्था के रखवालों का ऐसा संवेदनहीन रवैया समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख देता है। तमिलनाडु में एक दस वर्षीय मासूम बच्ची के साथ बलात्कार और फिर उसकी नृशंस हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। लेकिन इस त्रासदी से भी ज्यादा भयावह और शर्मनाक दृश्य तब देखने को मिला, जब इस मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे पुलिस अधिकारी—जिनमें एक महिला आईपीएस अधिकारी भी शामिल थीं—कैमरे के सामने जोर-जोर से हँसते हुए दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो ने न केवल पुलिस विभाग की छवि को तार-तार किया है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी व्यवस्था के भीतर मानवीय संवेदनाएं पूरी तरह मर चुकी हैं।

पुलिस को समाज का 'रक्षक' माना जाता है। जब एक दस साल की बच्ची के साथ इतनी भयानक दरिंदगी होती है, तो समाज पुलिस से न्याय, गंभीरता और त्वरित कार्रवाई की उम्मीद करता है। ऐसे माहौल में, जहां पीड़ित परिवार न्याय के लिए तड़प रहा हो और पूरा समाज शोक में हो, वहां कानून के शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारियों का ठहाके लगाना बेहद अमानवीय और घोर निंदनीय है। ?यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं है, बल्कि यह पीड़ित परिवार के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। विशेष रूप से एक महिला आईपीएस अधिकारी की इस हँसी में मौजूदगी और भी ज्यादा विचलित करने वाली है, जिनसे इस तरह के मामलों में स्वाभाविक रूप से अधिक संवेदनशीलता और सहानुभूति की उम्मीद की जाती है। लोग यही पूछ रहे हैं अगर इस महिला के घर की किसी बच्ची के साथ ऐसा व्यवहार हुआ होता तो क्या वह तब भी इसी तरह ठहाके लगाती?

लोग पूछ रहे हैं, ?क्या ऐसे लोगों को पद पर बने रहने का अधिकार है? ?इस सवाल का सीधा और स्पष्ट जवाब है—बिल्कुल नहीं। इन्हें तत्काल बर्खास्त करना चाहिए. निलंबन कोई सज़ा नहीं है. हम एक दो ऐसे उदाहरण तो प्रस्तुत करें ताकि बाकी पुलिस वाले सबक ले सकें।

लोकतंत्र में लोकसेवक जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं। उनके वेतन और उनकी शक्ति का स्रोत यही समाज है। यदि कोई अधिकारी समाज के सबसे कमजोर और पीड़ित वर्ग के प्रति न्यूनतम मानवीय संवेदना भी नहीं दिखा सकता, तो वह उस वर्दी और पद के योग्य नहीं है।? इस तरह का व्यवहार यह दर्शाता है कि इन अधिकारियों को न तो कानून का खौफ है और न ही जनता के आक्रोश की परवाह।

दरअसल यह ?नैतिक पतन है. एक पुलिस अधिकारी का काम सिर्फ फाइलों को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि पीड़ित को यह अहसास कराना भी है कि राज्य उनके साथ खड़ा है। जब रक्षक ही हँसेंगे, तो जनता का कानून व्यवस्था से विश्वास पूरी तरह उठ जाएगा।

कड़े कदम की आवश्यकता

ऐसे अधिकारियों को तुरंत निलंबित किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ विभागीय जांच के साथ-साथ 'दुर्व्यवहार और पद के दुरुपयोग' के लिए सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। केवल माफीनामा या स्पष्टीकरण ऐसे गंभीर अपराध के लिए काफी नहीं है।

यह घटना किसी एक राज्य या कुछ अधिकारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी पुलिसिंग व्यवस्था में गहरी पैठ बना चुकी संवेदनहीनता की बीमारी को दर्शाती है। इस स्थिति को बदलने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाने अनिवार्य हैं, जैसे पुलिस ट्रेनिंग के दौरान अधिकारियों को

केवल कानून और हथियार चलाना ही नहीं, बल्कि मानवाधिकारों और लैंगिक संवेदनशीलता का पाठ भी पढ़ाया जाना चाहिए. सोशल मीडिया के इस दौर में हर अधिकारी का सार्वजनिक आचरण निगरानी में है। पुलिस मैनुअल में स्पष्ट नियम होने चाहिए कि संवेदनशील मामलों में गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने पर तुरंत बर्खास्तगी की जाएगी। समय-समय पर पुलिस अधिकारियों का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन होना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अत्यधिक तनाव या काम के दबाव में अपनी मानवीय संवेदनाएं तो नहीं खो रहे हैं। एक सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बच्चों और महिलाओं को सरकारें और अदालतें इस पर कड़ा संज्ञान लें, क्योंकि जहां संवेदना मर जाती है, वहां न्याय की उम्मीद भी दम तोड़ देती है।

यह एक ऐसा यक्ष प्रश्न है जो हर उस नागरिक के जेहन में कौंधता है, जिसने कभी न कभी पुलिसिया तंत्र की बेरुखी, बदसलूकी या संवेदनहीनता को करीब से देखा या झेला है। जब हम अन्य कई घटनाओं को देखते हैं—चाहे वह किसी गरीब की शिकायत दर्ज करने से इनकार करना हो, पीड़ित को ही कटघरे में खड़ा कर देना हो, या फिर किसी वीभत्स अपराध पर ठहाके लगाना हो—तो यह साफ हो जाता है कि यह समस्या किसी एक अधिकारी की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की है। ?आखिर हमारी पुलिस कब नैतिक कितना सुरक्षित रख पाता है। तमिलनाडु की इस घटना ने साबित कर दिया है कि हमें सिर्फ अपराधियों से ही नहीं, बल्कि व्यवस्था के भीतर बैठे उन 'संवेदनहीन रोबोटों' से भी लड़ना होगा जो कानून की वर्दी पहनकर घूम रहे हैं।

यदि ऐसे अधिकारियों को उनके पदों पर बनाए रखा जाता है, तो यह न्याय व्यवस्था के मुंह पर एक और तमाचा होगा। समय आ गया है कि बनेगी और उसके भीतर एक संवेदनशील मन कब विकसित होगा?

हमारी पुलिस व्यवस्था की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इसकी जड़ें आज भी 1861 के ब्रिटिश पुलिस एक्ट में दबी हुई हैं। अंग्रेजों ने पुलिस का गठन जनता की 'सेवा' के लिए नहीं, बल्कि जनता को 'नियंत्रित' करने और डराने के लिए किया था. आजादी के दशकों बाद भी पुलिस के भीतर से वह 'औपनिवेशिक मानसिकता' नहीं गई है। वर्दी पहनते ही व्यक्ति खुद को जनता का सेवक नहीं, बल्कि शासक समझने लगता है। जब तक पुलिस खुद को समाज से ऊपर समझेगी, तब तक उसके भीतर नैतिकता का जन्म नहीं हो सकता। नैतिकता हमेशा समानता और सहहानुभूति से पैदा होती है, अहंकार से नहीं। ?पुलिस की नौकरी में अत्यधिक काम का दबाव, लंबी शिफ्टें और लगातार अपराध व अपराधियों के बीच रहना शामिल है। लेकिन यह कोई बहाना नहीं हो सकता। दु:खद यह है कि रोज-रोज अपराध देखते-देखते कई अधिकारियों का दिल इतना सख्त हो जाता है कि उनके लिए किसी की मौत या बलात्कार सिर्फ एक 'केस नंबर' या कागजी खानापूर्ति बनकर रह जाता है। वे भूल जाते हैं कि उस फाइल के पीछे एक तड़पता हुआ परिवार है। जब व्यवस्था संवेदना को कमजोरी मानने लगती है, तो पुलिसकर्मी अपनी मानवीय भावनाएं दबा देते हैं। यही वजह है कि जब वे किसी पीड़ित से बात करते हैं, तो उनके लहजे में सहानुभूति की जगह एक कड़क, रूखी और कभी-कभी क्रूर औपचारिकता होती है।

पुलिस कब नैतिक बनेगी?

उत्तर यही है कि वह तब तक पूरी तरह नैतिक नहीं हो सकती जब तक वह स्वतंत्र नहीं होगी. आज पुलिस का एक बड़ा हिस्सा कानून के प्रति नहीं, बल्कि अपने राजनीतिक आकाओं के प्रति वफादार है। जब प्राथमिकताएं न्याय देने की बजाय सत्ता को खुश रखना बन जाएं, तो नैतिकता सबसे पहले दम तोड़ती है। अक्सर देखा जाता है कि रसूखदारों के सामने जो पुलिस नतमस्तक रहती है, वही किसी गरीब, लाचार या महिला की फरियाद पर आंखें फेर लेती है। यह दोहरी मानसिकता दर्शाती है कि व्यवस्था के भीतर नैतिक रीढ़ की हड्डी बची ही नहीं है।?पुलिस के भीतर एक संवेदनशील मन रातों-रात विकसित नहीं हो सकता। ?भर्ती के समय मनोवैज्ञानिक जांच: पुलिस में केवल शारीरिक क्षमता और सामान्य ज्ञान देखकर भर्ती नहीं होनी चाहिए। उनके भीतर की करुणा, सहानुभूति और मानसिक स्थिरता का भी कड़ा टेस्ट होना चाहिए। क्रूर मानसिकता वाले लोगों को वर्दी मिल जाना समाज के लिए आत्मघाती है। पुलिस को थानों के बंद कमरों से निकलकर समाज के बीच जाना होगा। जब तक पुलिस और जनता के बीच का 'डर का रिश्ता' बदलकर 'विश्वास के रिश्ते' में नहीं बदलेगा, तब तक संवेदनशीलता नहीं आ सकती।

जब तक संवेदनहीनता दिखाने वाले, हँसने वाले या बदसलूकी करने वाले अधिकारियों को नौकरी से बर्खास्त करने जैसे कड़े कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक दूसरों में डर पैदा नहीं होगा। उदाहरण पेश करना जरूरी है। ध्यान रहे कि वर्दी सिर्फ कानून की ताकत का प्रतीक नहीं है, यह पीड़ित के लिए सुरक्षा का आश्वासन भी हैहमारी पुलिस तब नैतिक बनेगी जब वह यह समझेगी कि वर्दी पहनने का मतलब लोगों पर रौब गालिब करना नहीं, बल्कि उनके आंसुओं को पोंछने की जिम्मेदारी उठाना है। जिस दिन एक पुलिसकर्मी किसी पीड़ित बच्ची में अपनी बेटी को, और किसी बुजुर्ग में अपने माता-पिता को देखना शुरू कर देगा, उस दिन उसके भीतर का संवेदनशील मन खुद-ब-खुद जाग जाएगा। समाज को 'सिंघम' या 'दबंग' की जरूरत नहीं है, समाज को एक ऐसे 'इंसान' की जरूरत है जो कानून की किताब के साथ-साथ दिल में संवेदना भी रखता हो।

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के दौर में, भारत क्यों बना हुआ है मजबूत?

महेन्द्र तिवारी

दुनिया इस समय आर्थिक अनिश्चितता के ऐसे दौर से गुजर रही है जिसमें युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई, व्यापारिक अस्थिरता और राजनीतिक तनाव एक साथ वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चिंता में डाल दिया है। तेल और गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट गहराता जा रहा है। उत्पादन लागत बढ़ रही है और इसका प्रभाव गरीब तथा विकासशील देशों पर सबसे अधिक दिखाई दे रहा है। ऐसे समय में विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि यदि यह संकट लंबा चला तो वैश्विक विकास दर में भारी गिरावट आ सकती है। इसके बावजूद भारत को दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल माना जा रहा है।

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2026 में ऊर्जा कीमतों में लगभग 24 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। यह वृद्धि केवल सामान्य बाजार कारणों से नहीं बल्कि युद्ध और आपूर्ति संकट से जुड़ी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के समुद्री कच्चे तेल व्यापार का लगभग 35 प्रतिशत गुजरता है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से ऊपर गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि संघर्ष और लंबा खिंचता है तो ब्रेंट तेल की औसत कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

ऊर्जा संकट का असर केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता। इससे परिवहन महंगा होता है, उद्योगों की लागत बढ़ती है और खाद्य पदार्थों की कीमतें भी ऊपर चली जाती हैं। विश्व बैंक के अनुसार उर्वरकों की कीमतों में 31 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। यूरिया की कीमतों में लगभग 60 प्रतिशत उछाल का अनुमान व्यक्त किया गया है। इससे कृषि उत्पादन प्रभावित होगा और दुनिया में खाद्य संकट गहरा सकता है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो लगभग 45 मिलियन अतिरिक्त लोग खाद्य असुरक्षा की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

यूरोप की स्थिति भी चिंता पैदा कर रही है। यूरोपीय आयोग ने अनुमान लगाया है कि 2026 में यूरो क्षेत्र की विकास दर घटकर लगभग 0.9 प्रतिशत रह सकती है। बढ़ती महंगाई के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना है। इससे उद्योगों में निवेश कम होगा और उपभोक्ता खर्च भी प्रभावित होगा। यूरोप पहले ही ऊर्जा आयात पर काफी निर्भर रहा है और पश्चिम एशिया संकट ने उसकी कठिनाइयों को और बढ़ा दिया है। अफ्रीका के कई देशों में भी हालात चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं। अफ्रीकी विकास बैंक ने कहा है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण 2026 में अफ्रीका की आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ सकती है। कई गरीब देशों पर पहले से भारी कर्ज है और अब बढ़ती महंगाई ने उनकी वित्तीय स्थिति को और कमजोर कर दिया है।

इन वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत मानी जा रही है। विश्व बैंक ने भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह दर दुनिया की अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से कहीं अधिक है। भारत की मजबूती का सबसे बड़ा कारण उसकी घरेलू मांग है। देश की बड़ी आबादी, बढ़ता मध्यम वर्ग और सेवा क्षेत्र की तेजी भारतीय अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहे हैं।

भारत में पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान, आधारभूत संरचना और विनिर्माण क्षेत्र में तेज निवेश हुआ है। सरकार ने सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों के विकास पर बड़े स्तर पर खर्च किया है।

बोध कथा

मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए

पूजा करते समय अधिकतर लोग भगवान से सुख-सुविधाओं से जुड़ी पाने की कामना करते हैं। पूजा के बदले भगवान से कुछ न कुछ मांगा जाता है। इस तरह की भक्ति करने के बाद जब मनोकामनाएं पूरी नहीं होती हैं तो मन अशांत हो जाता है। मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं।

एक प्रचलित लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक राजा ने अपने राज्य में घोषणा कर दी कि अगले दिन जो भी व्यक्ति मेरे महल की जिस चीज पर हाथ रख देगा, वह उस की हो जाएगी।

राजा की घोषणा सुनकर प्रजा खुश थी। सभी राजा की अलग-अलग कीमती चीजों को पाना चाहते थे। अगले दिन जैसे ही सुबह हुई राजा के महल में प्रजा की भीड़ लग गई। कुछ लोग सोने-चांदी के बर्तन लेने की कोशिश कर रहे थे, तो कुछ लोग हीरे-मोती के आभूषण लेने लगे।

राजा दूर अपने सिंहासन पर बैठकर ये नजारा देख रहे थे। उनकी प्रजा महल की चीजों को पाने के लिए दौड़भाग कर रही थी। तभी एक व्यक्ति राजा की ओर बढ़ रह था। वह राजा के पास पहुंचा और उसने राजा पर हाथ रख दिया। अब राजा उस व्यक्ति का हो गया यानी राजा की सारी चीजों का मालिक वह बन गया।

राजा ने पूरी प्रजा को समान अवसर दिया था, लेकिन सिर्फ एक व्यक्ति विद्वान था।

व्यंग्य केसरी

भितरघातम परम् सुखम

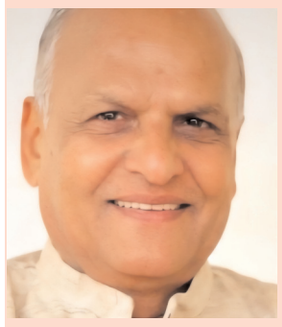

गिरीश पंकज

भितरघातियों को देखकर आप सहसा अनुमान नहीं लगा सकते कि बंदा भयंकर किस्म का भितरघाती है। बाहर से वह मुस्कराता है लेकिन मन- ही - मन में खार खाए रहता है और हर हालत में अपने बैरी को निपटाने की कोशिश में दिन-रात लगा रहता है। बैरी बोले तो वह प्रत्याशी जिसे उसकी जगह चुनाव में टिकट दे दिया गया। इस घटना से विचलित होकर वह सबके सामने अपना आक्रोश जग-जाहिर कर देता है। दो टूक कहता भी है कि 'अब मैं निर्दलीय चुनाव लडूंगा'। उसकी घोषणा सुनकर पार्टी घबरा जाती है और उसे पटाने की भरपूर कोशिश करती है। बगावतीराम को कुछ खास-खास प्रलोभन दिए जाते हैं, तो वह चुप बैठ जाता है लेकिन छल के बिना चैन कहां रे! खेल बाद में शुरू होता है। जो घात बगावतीराम खुलकर करने वाला था, उसे छुप-छुपकर करने लगता है । शास्त्रों में ऐसे महानुभाव को भितरघाती कहकर सम्मान दिया गया है।

भितरघाती जौन है तौन दिखाने के लिए अपनी पार्टी के प्रत्याशी के साथ इधर-उधर घूमकर प्रचार भी करता है लेकिन इशारों-इशारों में वोटरों को बता भी देता है कि इस दो कौड़ी के आदमी को वोट बिलकुल नहीं देना। इतिहास गवाह है कि भितरघाती अकसर अपनी मुहिम में सफल होते हैं । जब उसकी पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी पराजित हो जाता है, तब उसे परमसुख की प्राप्ति होती है। वह अकेले में बड़बड़ाता है, 'निपटा दिया न साले को... देख ली न पार्टी ने मेरी ताकत...! बड़े आए थे मेरा टिकट काटने वाले..अब भुगतो सालो!!'

प्रत्याशी की पराजय पर मन-ही - मन खुश हो कर भितरघाती चुपचाप नहीं बैठता। आंसू बहाने के लिए सबसे पहले पहुंचता है और प्रत्याशी के कंधे पर हाथ रख कर कहता है, ' चिंता मत करो दोस्त! हार-जीत तो लगी रहती है। पिछली बार मुझे भी हराया गया था। लेकिन कोई बात नहीं, अगली बार विजयश्री तुमको ही मिलेगी। इस बार मैंने भी तुम्हारे लिए जी- तोड़ मेहनत की लेकिन उफ्फ ये छलिया जनता! उसने दगा दिया। सब ने कहा था, नोट लिया है तो वोट भी देंगे लेकिन अंतत: नोटा का बटन दबाकर चोट दे दिया। हाय- हाय, हम लोग छले गए। पिछली बार मैं छला गया था। क्योंकि छदामीराम निर्दलीय खड़ा हो गया था। उसे चार हजार वोट मिले। मैं साढ़े तीन हजार वोटों से हार गया, वरना अपनी जीत पक्की थी ।'

भितरघाती की बात सुनकर हारा हुआ प्रत्याशी मन -ही-मन सोच रहा था कि 'पाँच साल पहले उसने बगावतीराम को हराने के लिए निर्दलीय प्रत्याशी छदामीराम को खड़ा करवा दिया था। मतलब मैंने इसके लिए गड्ढा खोदा था। स्वाभाविक है कि इस बार गड्ढे में मुझे ही गिरना था। खैर, कोई बात नहीं, अगली बार टिकट मिला तो ठीक वरना मैं भी अपना खेल दिखाऊंगा । भितरघात करने का परमसुख पाऊँगा। पार्टी के प्रत्याशियों को हराऊंगा-ही-हराऊंगा। यही राजनीतिक धर्म है ।' इतना सोच कर वह मुस्कुराया और सांत्वना देने वाले बगावतीराम से कहा, 'ठीक फरमाते हो बंधु ! अगली बार हम लोग मिलजुल कर काम करेंगे।अपनी पार्टी जिंदाबाद!

इतिहास

27 मई का इतिहास भारत और दुनिया भर में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियों और ऐतिहासिक बदलावों का साक्षी रहा है।भारत के इतिहास की प्रमुख घटनाएँ:1964: स्वतंत्र भारत के पहले और सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे जवाहरलाल नेहरू का निधन हुआ। आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है।विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाएँ:1998: पाकिस्तान ने चगाई पहाड़ियों पर अपने पहले सफल भूमिगत परमाणु परीक्षण किए, जिससे वह दुनिया का सातवां परमाणु संपन्न देश बन गया। 1994: दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला के नेतृत्व में रंगभेद की समाप्ति के बाद देश का पहला बहु-जातीय लोकतांत्रिक चुनाव संपन्न हुआ।1961: लंदन में 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' की स्थापना की गई, जो मानवाधिकारों की रक्षा के लिए काम करने वाला एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन है।

संक्षिप्त खबरें

आयुर्वेद सेवा एवं योगदान के लिए नाड़ीवैद्य पं. शिव कुमार शर्मा को मिली उपाधि

कोरबा । आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से निरंतर सेवा एवं आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए कोरबा के सुप्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक एवं श्री शिव औषधालय के संस्थापक नाड़ीवैद्य पं. शिव कुमार शर्मा को जमना मेडिसिन्स्यूटिकल्स भोपाल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान बिलासपुर स्थित आनंदा इम्पीरियल होटल में आयोजित डिस्ट्रीब्यूटर, एवं वैद्यकीय चिकित्सक सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किया गया। समारोह में जमना मेडिसिन्स्यूटिकल्स भोपाल के संचालक वैद्य सुशेन माहेश्वरी, विपणन प्रबंधक राजेश गुप्ता, उप विपणन प्रबंधक अनिल ढोलके एवं एसएसओ उत्सव नंदन साहूकार ने पं. शिव कुमार शर्मा को शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र मान्यता प्राप्त है। कार्यक्रम का समापन भगवान धन्वंतरि के टेल्चित्र पर जयंती एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर वैद्य सुषेण माहेश्वरी ने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद का प्रचार-प्रसार करना और गुणवत्ता युक्त शुद्ध औषधियां उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि क्वालिटी इंस्टीट्यूट की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्मेलन में पं. शिव शर्मा के आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में सेवा कार्य, उपहार और छत्तीसगढ़ भर में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार कुमार को विशेष रूप से नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में एसएसएम संतोष गोल्डनकार, खेमन साहूकार, मनोज साहूकार, प्रेम नारायण पादरी, रमेश कुमार टांडी सहित प्रदेश भर के वितरक, चिकित्सक एवं वैद्य उपस्थित रहे। इसके अलावा 150 से अधिक प्रतिष्ठित वैद्य, वैद्य और वितरकों ने सम्मेलन में दस्तक दी ।

कोहकामेटा सुशासन शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

नारायणपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत नारायणपुर जिले के जनपद पंचायत ओरछा के ग्राम कोहकामेटा में आयोजित समाधान शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की सेवाओं को सरल एवं सुलभ बनाना था, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं, मांगों और शिकायतों के निराकरण के लिए कुल 326 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 134 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर दिया गया। शेष 192 आवेदन वर्तमान में प्रक्रियाधीन हैं। शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों ने मौके पर ही ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। शिविर में सर्वाधिक 90 मामलों का स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर निराकरण कर ग्रामीणों को राहत दी। आयुष्मान कार्ड के 8, आधार कार्ड से संबंधित 15, जाति प्रमाण पत्र के 2 तथा निवास प्रमाण पत्र के 3 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े 12 मामलों का समाधान किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि मनरेगा जॉब कार्ड से जुड़े 20 आवेदन दर्ज किए गए। इसी तरह बैंक खाते से संबंधित 2 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि अन्य विभागों से संबंधित 84 आवेदन भी शिविर में प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने इस पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से (शिविर में) उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सुविधाएं और जानकारियां मिल रही हैं, जिससे उनके समय और संसाधनों की बड़ी बचत हो रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए चिन्हांकित भी किया गया।

पैडी डायवर्सन मॉडल से बदली किसानों की तकदीर

बस्तर । छत्तीसगढ़ शासन के छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड की अभिनव पहल 'पैडी डायवर्सन मॉडल' किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त कर रही है। पारंपरिक धान की खेती में बढ़ती लागत और सीमित लाभ से जूझ रहे कृषकों के लिए यह योजना एक बेहद सफल और व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरी है। इस मॉडल के अंतर्गत किसानों को धान के स्थान पर औषधीय पौधों वच और ब्राह्मी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसान अब कम लागत में अधिक आय अर्जित कर रहे हैं और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल पेश कर रहे हैं। बोर्ड की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत धमतरी, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर और रायपुर जिले के 23 गांवों को शामिल किया गया है। इन जिलों के 147 किसानों ने कुल 65 एकड़ भूमि पर पारंपरिक खेती को छोड़कर औषधीय फसलें उगाने में सफलता हासिल की है। वच की खेती 63 किसानों द्वारा 39 एकड़ क्षेत्र में और ब्राह्मी का उत्पादन 84 किसानों द्वारा 26 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है। यह अभूतपूर्व बदलाव उन क्षेत्रों में देखा जा रहा है, जहां पहले किसान केवल और केवल धान की खेती पर निर्भर थे। इस योजना के क्रियान्वयन और सफलता में धमतरी जिला सबसे अग्रणी रहा है। धमतरी के 16 गांवों के 90 किसानों ने 27.50 एकड़ भूमि पर वच और ब्राह्मी की खेती कर रिकॉर्ड उत्पादन हासिल किया है। रायपुर जिले के 2 गांवों के 35 किसानों ने भी 11.50 एकड़ में औषधीय खेती अपनाकर शानदार लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त नारायणपुर, कोंडागांव और बस्तर जैसे आदिवासी बहुल व सुदूर क्षेत्रों के किसानों ने भी इस मॉडल को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

टीएस सिंहदेव और दीपक बैज का अनशन खत्म

तीन मांगों पर प्रशासन से मिली सहमति

सूरजपुर। शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव के बीच सूरजपुर जिला कांग्रेस महामंत्री के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज करने के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का अनशन खत्म हो गया है। प्रशासन ने कांग्रेस नेताओं की मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और फिर चर्चा के बाद नारियल पानी पीकर अनशन खत्म किया।

शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव के बीच जिले के महामंत्री नागेंद्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज करने के विरोध में टीएस सिंहदेव और दीपक बैज मंगलवार शाम से आमरण अनशन पर बैठे थे। प्रशासन की मान मनौव्वल की कोशिशें चलती रहीं। स्थानीय जिला और पुलिस प्रशासन ने कांग्रेस नेताओं की तीन सूत्रीय मांगों पर सहमति जताई, जिसके बाद अनशन खत्म हुआ।

कांग्रेस नेताओं ने कॉउंटर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थी। पुलिस ने भाजपाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। महामंत्री नागेन्द्र जैन के खिलाफ आर्म्स

एक्ट के मामले की विवेचना डीएसपी स्तर के अधिकारी करेंगे। इसके अलावा विश्रामपुर थाना प्रभारी को छुट्टी पर भेज दिया गया है। तीन मांगें पूरी होने के बाद सिंहदेव और बैज ने अनशन खत्म किए। आंदोलन समाप्त करते हुए दीपक बैज ने कहा कि अंतत: न्याय की जीत हुई। पुलिस एवं प्रशासन ने कांग्रेस की सभी मांगें मान ली है। टीएस सिंहदेव की अनुमति से आंदोलन को स्थगित किया जा रहा है।

शिवनंदनपुर नगर पंचायत की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भूपेश बघेल ने कहा था कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष के खिलाफ फर्जी मामला दर्ज किया गया है। इसके विरोध में टीएस सिंहदेव आमरण अनशन पर बैठे हैं, जबकि दीपक बैज भूख हड़ताल कर रहे हैं। भूपेश बघेल ने पुलिस प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा था कि प्रदेश के कांग्रेसजन चूड़ी पहनकर नहीं बैठे हैं। थानेदार का नाम हमेशा याद रखा जाएगा। सरकार आती-जाती रहती है। किसी दिन हमारी भी सरकार आएगी। एसपी और आईजी भी समझ लें। जब मामला आपकी जानकारी में आ गया है तो सुधार कर लीजिए नहीं तो इसे याद रखा जाएगा।

कांग्रेस पार्टी के मुताबिक शनिवार को भाजपा कार्यकर्ता मित्तल पांडेय कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन के मेन रोड स्थित प्रतिष्ठान पर पहुंचे थे। आरोप है कि वहां मित्तल पांडेय ने चुनाव में जीत-हार को लेकर नरेंद्र जैन को उकसाया और उनके साथ बदसलूकी की। कांग्रेस का दावा है कि विवाद बढ़ने पर मित्तल पांडेय ने सत्ता का हवाला देते हुए नरेंद्र जैन को झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली सोनी ने देर रात विश्रामपुर थाने में नरेंद्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत शिकायत दर्ज कराई। पुलिस में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नरेंद्र जैन ने गाली-गलौज करते हुए मित्तल पांडेय पर कटार तान दी थी। पुलिस ने कांग्रेस नेता नरेंद्र जैल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस अब तक कथित कटार बरामद नहीं कर सकी

समाधान शिविर बना जिंदगी का यादगार पल

धमतरी। धमतरी विकासखंड के ग्राम पीपरछेड़ी में 21 मई को आयोजित सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर दिव्यांग युवक नागेश देशमुख के जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। वर्षों से कठिनाइयों के बीच शिक्षा प्राप्त कर रहे नागेश के लिए यह दिन इसलिए खास बन गया, क्योंकि उन्हें राजस्व मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा के हाथों ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। यह केवल एक सहायक उपकरण नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, स्वाभिमान और सपनों को नई दिशा देने वाला माध्यम साबित हुआ। ग्राम पीपरछेड़ी निवासी नागेश देशमुख शारीरिक दिव्यांगता के बावजूद पढ़ाई के प्रति हमेशा गंभीर और समर्पित रहे हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह ने किया जिले में पुलिस मितान का शुभारंभ

जशपुर। जशपुर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को नई दिशा देने तथा आमजन की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय जशपुर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह ने जिले की बहुउद्देशीय योजना 'पुलिस मितान' का औपचारिक शुभारंभ किया।

इस अभिनव पहल के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों से जुड़े लगभग 2500 स्वयंसेवकों को पुलिस मितान के रूप में शामिल किया गया। चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सभी स्वयंसेवकों को पहचान पत्र जारी किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिस मितान, पुलिस अधिकारी, पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा से लेकर सामाजिक जागरूकता तक निभाएंगे भूमिका

जशपुर पुलिस की यह योजना केवल पुलिस सहायता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज में जागरूकता बढ़ाने का एक व्यापक अभियान भी बनेगी। पुलिस मितानों को सड़क सुरक्षा, दुर्घटना के दौरान प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), यातायात नियमों, जनसहायता एवं सामाजिक दायित्वों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पुलिस मितान गांव-गांव और आम नागरिकों के बीच जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। इसके साथ ही नशाखोरी, टोनही प्रताड़ना जैसे अंधविश्वास, मानव तस्करी, सामाजिक अपराध एवं अन्य कुरीतियों के विरुद्ध भी जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे।

'सुरक्षित जशपुर, समृद्ध जशपुर' मिशन को मिलेगा बल

कार्यक्रम के दौरान डी आई जी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह ने उपस्थित पुलिस मितानों को संबोधित करते हुए कहा है कि आप सभी आज से पुलिस के अंग हैं, हम सभी मिलकर 'सुरक्षित जशपुर, समृद्ध जशपुर' के मिशन को आगे बढ़ाएंगे, साथ ही डी आई जी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस मितानो को स्वयं सेवक के रूप में पुलिस के साथ मिलकर सशक्त समाज के निर्माण में अपना समय देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया ।

एटक-सीटू ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ किया प्रदर्शन

कोरबा। कोरबा-पश्चिम दीपका क्षेत्र में ट्रेड यूनियन एटक और सीटू ने संयुक्त प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन देश में लगातार बढ़ रही महंगाई, पेट्रोल-डीजल और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के विरोध में था। प्रगति नगर कॉलोनी स्थित शॉपिंग सेंटर में श्रमिकों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

उन्होंने महंगाई पर तत्काल अंकुश लगाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसका सीधा असर दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर पड़ रहा है। इससे आम जनता और श्रमिक वर्ग का घरेलू बजट बिगड़ गया है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने राहत नहीं दी तो मजदूर संगठन बड़ा आंदोलन करेंगे। एटक के सचिव विनोद कुमार यादव ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम आदमी महंगाई की मार झेल रहा है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इससे मजदूर और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। सरकार को महंगाई रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

सीटू के क्षेत्रीय सचिव धरमलाल टंडन ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने श्रमिक वर्ग की कमर तोड़ दी है। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर परिवहन तक हर चीज महंगी हो गई है। उन्होंने सरकार से जल्द राहत देने की मांग की, वरना मजदूर सड़कों पर उतरेंगे। जेसीसी सदस्य अजय राठौर ने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने तत्काल कीमतों में कमी करने की बात कही।

प्रदर्शन में संतोष पटेल, गया प्रसाद चंद्रा, दिलीप कुमार, धर्मेंद्र ताम्रकार सहित सैकड़ों श्रमिक शामिल हुए। मनबोध, निशांत वर्मा, विजय विश्वकर्मा, मन राखन और सी.के. सोनी भी मौजूद थे। ठेका श्रमिक अध्यक्ष सुनील नायक, राजू प्रसाद, महेंद्र कांत कुर्रे और रणविजय भी शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि महंगाई से रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। श्रमिक नेताओं ने 15 दिन में कीमतें कम न होने पर गेवरा-दीपका क्षेत्र में चक्काजाम और खदान बंद आंदोलन की चेतावनी दी।

गरीब परिवारों से वसूली मोटी रकम, BJP नेताओं और पटवारी पर फर्जी दस्तावेज तैयार करने का आरोप

सक्ती। सक्ती जिले के बाराद्वार नगर पंचायत में पीएम आवास योजना से जुड़ा एक बड़े घोटाले का मामला सामने आया है. आरोप है कि क्षेत्र के भाजपा नेताओं और पटवारी ने मिलीभगत कर सरकारी जमीन के नक्शे में छेड़छाड़ की और शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है. इतना ही नहीं योजना का लाभ दिलाने के नाम पर करीब 700 गरीब परिवारों से मोटी रकम वसूलने के आरोप हैं. मामले की शिकायत के बाद कलेक्टर ने कार्रवाई शुरू कर दी है.

बाराद्वार नगर पंचायत के नेता प्रतिपक्ष अभिषेक राय ने बताया कि सत्ताधारी पार्टी के ही कुछ पार्षद पटवारी के साथ मिलकर लगभग 700 परिवारों को धोखा दे रहे हैं. उनसे आवास के नाम पर मोटी रकम वसूल रहे है और फर्जी दस्तावेज बनवाकर उनका पीएम आवास बनवा रहे हैं. उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को उन्हीं के नेताओं ने कमाई का जरिया बना लिया है. लोगों के सपनों से खिलवाड़ कर किया जा रहा है. वहीं गरीब परिवार इस धोखे को समझ नहीं पा रहे. उन्हें आगे चलकर कई प्रकार की परेशिनियां होगी.

कलेक्टर से नेता प्रतिपक्ष ने की शिकायत

कलेक्टर से शिकायत में कहा गया है कि शासन के नियमों के मुताबिक आबादी भूमि पर रहने वाले लोगों को अधिकार पत्र देकर पीएम आवास का लाभ दिया जाना चाहिए, लेकिन नगर पंचायत के कुछ अधिकारी-कर्मचारी कथित तौर पर घास भूमि पर रहने वाले लोगों से पैसे लेकर उन्हें फर्जी तरीके से पीएम आवास दिलाने की तैयारी कर रहे हैं।

जिंदल फाउंडेशन ने संवारा गंगासागर तालाब, सामुदायिक भवन निर्माण का भी भूमिपूजन

रायगढ़। ग्राम बरमुडा स्थित 10 एकड़ में फैला गंगासागर तालाब अब नए स्वरूप में नजर आने लगा है। जिंदल फाउंडेशन द्वारा तालाब के गहरीकरण, पचरी निर्माण एवं संवर्धन का कार्य पूर्ण किए जाने के बाद मंगलवार को इसका लोकार्पण जिंदल स्टील लिमिटेड के अधिकारियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर गांव में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन भी संपन्न हुआ।

भू-जल स्तर को बनाए रखने के लिए तालाबों का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य के तहत जिंदल फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में तालाबों के गहरीकरण, सौंदर्यीकरण और विकास के कार्य किए जाते रहे हैं। ग्राम बरमुडा स्थित गंगासागर तालाब का गहरीकरण भी इसी कड़ी का हिस्सा है, जिससे अब तालाब की जल संधारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। लोकार्पण समारोह में जिंदल स्टील लिमिटेड के कार्यपालन निदेशक देबोज्योति रॉय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड पार्षद विष्णुचरण पटेल ने की। इस अवसर पर जिंदल स्टील लिमिटेड के कार्यपालिक उपाध्यक्ष संजीव चौहान, जिंदल सीमेंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट हेड दीपक श्रीवास्तव, एचआर प्रमुख शिरीष शुक्ला, एवीपी नीरज शर्मा, सीएसआर प्रमुख अपूर्व चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री रॉय ने कहा कि गंगासागर तालाब के गहरीकरण से बरमुडा सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

तेंदूपत्ता अग्निकांड पर वन मंत्री का बड़ा एक्शन:बीजापुर डीएफओ हटाए गए

रायपुर/बीजापुर। बीजापुर जिले में हुए तेंदूपत्ता अग्निकांड को लेकर वन मंत्री केदार कश्यप ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। वनवासियों और तेंदूपत्ता संग्राहकों की मेहनत की कमाई को नुकसान पहुंचाने वाली इस गंभीर घटना पर मंत्री कश्यप ने तत्काल संज्ञान लेते हुए बीजापुर के वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) रमेश कुमार जांगड़े को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। उन्हें प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय रायपुर में संबद्ध किया गया है।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर तेंदूपत्ता संग्रहण एवं प्रबंधन में अनुभवी अधिकारी जाधव सागर रामचंद्र को बीजापुर का नया डीएफओ नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई को शासन का स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि वनवासियों के हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वन मंत्री केदार कश्यप ने दो टूक कहा कि तेंदूपत्ता केवल वन उपज नहीं, बल्कि हजारों आदिवासी और वनवासी परिवारों की आजीविका का आधार है। उनकी मेहनत और अधिकारों की

रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इस मामले में किसी भी स्तर की लापरवाही को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही मंत्री कश्यप ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर पूरे मामले की तत्काल जांच के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष, समयबद्ध और तथ्यात्मक होनी चाहिए ताकि जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जा सके।

अनुभवी अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

नवनियुक्त डीएफओ जाधव सागर रामचंद्र वर्तमान में राज्य लघु वनोपज संघ में पदस्थ हैं और तेंदूपत्ता संग्रहण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखते हैं। दंतेवाड़ा जिले में उनके प्रभावी कार्य और प्रशासनिक दक्षता को देखते हुए शासन ने बीजापुर जैसे संवेदनशील जिले की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है।

10 करोड़ से अधिक नुकसान का प्रारंभिक अनुमान

उल्लेखनीय है कि 25 मई 2026 को बीजापुर जिले के इटपाल स्थित एक निजी गोदाम में भीषण आग लगने से विभिन्न समितियों का संग्रहित तेंदूपत्ता जलकर नष्ट हो गया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार लगभग 10 करोड़ रुपये की क्षति का अनुमान है। वास्तविक नुकसान का विस्तृत भौतिक सत्यापन वर्तमान में जारी है।

सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत

शासन ने घटना के कारणों, गोदामीकरण प्रक्रिया, सुरक्षा मानकों के पालन, अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका तथा संभावित वित्तीय क्षति सहित सभी पहलुओं की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वन संपदा की सुरक्षा और आदिवासी हितों की रक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर तुरंत और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डी-लिस्टिंग के समर्थन में अरविंद नेताम, कहा- देर-सवेर होकर रहेगी... डी मिंज ने मांग पर जताया विरोध

जशपुर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जनजाति सांस्कृतिक समागम के मंच पर डी-लिस्टिंग की मांग के बाद छत्तीसगढ़ में भी इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई है. अन्य धर्म अपना चुके लोगों को एसटी सूची से बाहर करने की मांग की जा रही है. इस बहस में एक और समर्थन तो दूसरी तरफ खुलकर विरोध भी किया जा रहा है.

देर-सवेर डी-लिस्टिंग होकर रहेगी : नेताम

छत्तीसगढ़ से इस मांग का वनवासी सुरक्षा मंच के बैनर तले पूर्व मंत्री गणेशराम भगत और सांसद भोजराम नाग नेतृत्व कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविन्द नेताम भी कार्यक्रम में शिरकत करने वाले थे, लेकिन किसी कारण से वह नहीं जा पाए. उन्होंने डी-लिस्टिंग को लेकर कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर तैयारी की गई है और समाज की भावनाओं के अनुरूप यह मांग लगातार मजबूत हो रही है. देर-सबेर डी-लिस्टिंग होकर रहेगी. धर्मांतरण के मुद्दे पर छत्तीसगढ़ में कड़े कानून की दिशा में भी प्रयास हो रहे हैं। अरविन्द नेताम ने कहा कि यह एक संवेदनशील विषय है, जो धीरे-धीरे राष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनता जा रहा है, इसलिए सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना पड़ेगा.

डी-लिस्टिंग की मांग का विरोध

जशपुर में डी-लिस्टिंग की मांग का विरोध का माहौल है. पूर्व संसदीय सचिव यूडी मिंज और गीता उरांव के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया।

यूडी मिंज का कहना है कि डी-लिस्टिंग की मांग संविधान की भावना के विपरीत है और इसे अनावश्यक राजनीतिक रंग दिया जा रहा है. धर्म परिवर्तन के बाद भी आदिवासी समाज की परंपराएं, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक पहचान खत्म नहीं होती है।

भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद, मिडकैप और स्मॉलकैप चमके

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में हल्के लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 141.90 अंक या 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,867.80 और निफ्टी 6.55 अंक या 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,907.15 पर था।

लार्जकैप में बिकवाली देखी गई, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 259.95 अंक या 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,558.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.10 अंक या 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,294.30 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी मीडिया 3.05 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी एनर्जी 1.77 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 1.67 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 1.45 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 1.31 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 1.04 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 0.44 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.69 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.46 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.34 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में पावर ग्रिड, इटरनल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, इंडिगो, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक और ट्रेंट गेनर्स थे। एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टेक महिंद्रा, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक और एसबीआई लूजर्स थे।

एसबीआई सिक्योरिटीज के टेक्निकल और डेरिवेटिव्स हेड सुदीप शाह ने कहा कि निफ्टी की शुरुआत सकारात्मक नोट के साथ हुई और शुरुआती सत्र में एक सीमित दायरे में कारोबार किया। इसके बाद इंडेक्स 23,983 तक गया और ऊपरी स्तरों से बिकवाली देखने को मिली और यह 23,907 पर था। उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी के लिए रुकावट का स्तर 24,030-24,050 के जोन में है और कोई तेजी निफ्टी को 24,200 और फिर 24,350 के स्तर पर छोटी अवधि में ले जा सकती है। गिरावट की स्थिति में 23,720-23,700 एक सपोर्ट जोन होगा।

मध्य पूर्व संकट के बाद वित्त वर्ष 27 की शुरुआत में उपभोक्ता मांग स्थिर : रिपोर्ट

नई दिल्ली । अधिकतर बड़ी खाद्य कंपनियों का कहना है कि वित्त वर्ष 27 की शुरुआत में खाद्य मांग स्थिर बनी हुई है। हालांकि, निकट अवधि में मध्य पूर्व संकट के बाद मांग और मुनाफे पर असर हो सकता है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

जेएम फाइनेंशियल रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम एशिया तनाव के कारण मार्च में इनपुट लागत (कच्चे माल, पैकेजिंग लागत और पाम तेल) की कीमतों में इजाफा हुआ है। साथ ही, इस संकट का असर मुद्रा और सप्लाई चेन पर पड़ा है।

रिपोर्ट में बताया गया कि संकट के चलते अधिक कंपनियों ने कीमतों में 3-7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के शुरुआती रुझान मूल्य वृद्धि के बाद स्थिर मात्रा की ओर इशारा करते हैं। हालांकि, मांग पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है।'

जनवरी-मार्च तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही) में समग्र उपभोक्ता मांग में भारी स्थिरता देखी गई, जिसका कारण कम महंगाई और जीएसटी दरों में कटौती का लाभ था।

रिपोर्ट में बताया गया है, 'खाद्य एवं पेय पदार्थ ने उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन जारी रखा है। अधिकांश कंपनियों में बिक्री वृद्धि में मात्रा-आधारित तेजी देखी गई है, मार्जिन प्रोफाइल मोटे तौर पर स्थिर है, जो कम मूल्य वृद्धि और उत्पादन से समर्थित है। प्रबंधन की टिप्पणियों में स्थिर से बेहतर मांग के रुझानों का संकेत मिलता है।'

रिपोर्ट में बताया गया कि घरेलू खपत भारत की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ बन गई है। देश का बढ़ता मध्यम वर्ग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वास्थ्य सेवा और आवास जैसे उत्पादों की मांग को बढ़ा रहा है।

कृषि और गैर-कृषि गतिविधियों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों के कारण ग्रामीण खपत मजबूत बनी हुई है। राजकोषीय प्रोत्साहन के समर्थन से, शहरी खपत में पिछले त्योहारी सीजन से लगातार वृद्धि देखी गई है। सरकार द्वारा जीएसटी के माध्यम से खपत को बढ़ावा देने के साथ, ऋण में वृद्धि जारी है।

अदाणी समूह का मार्केटकैप करीब 20 लाख करोड़ रुपए हुआ, 2026 में जोड़े 5 लाख करोड़ रुपए

अहमदाबाद। अदाणी समूह की कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में तेज वृद्धि देखने को मिली है और इससे ग्रुप का कुल मार्केटकैप बढ़कर करीब 20 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और निवेशकों के विश्वास के कारण अदाणी समूह का बाजार मूल्यांकन इस वर्ष की शुरुआत से अब तक 5 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया है।

समूह की कंपनियों में, इस वर्ष अदाणी पावर ने बाजार मूल्यांकन में सबसे अधिक योगदान दिया है।

कंपनी का वर्तमान बाजार पूंजीकरण 4,79,167 करोड़ रुपए है, जो इसे समूह की सबसे मूल्यवान कंपनी बनाता है।

इसने 2026 में अब तक अपने बाजार पूंजीकरण में 2,02,511 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की है।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) 4,20,611 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज का मार्केट 3,82,634 करोड़ रुपए है।

इस साल की शुरुआत से अब तक अदाणी एंटरप्राइजेज का मार्केटकैप 93,051 करोड़ रुपए और अदाणी पोर्ट्स का बाजार पूंजीकरण 82,222 करोड़ रुपए बढ़ गया है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी का बाजार पूंजीकरण 2,44,177 करोड़ रुपए है, जबकि अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का बाजार पूंजीकरण 1,83,700 करोड़ रुपए हो गया है।

समीक्षा अवधि में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मार्केटकैप 77,000 करोड़ रुपए और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का बाजार पूंजीकरण 60,780 करोड़ रुपए बढ़ा है।

अंबुजा सीमेंट का बाजार मूल्यांकन 1,13,012 करोड़ रुपए है। समूह की अन्य सूचीबद्ध कंपनियों में अदाणी टोटल गैस, एसीसी, ओरिएंट सीमेंट, सांघी इंडस्ट्रीज और एनडीटीवी शामिल हैं।

इस तेजी के चलते अदाणी समूह की तीन कंपनियां बाजार पूंजीकरण के आधार पर भारत की शीर्ष 20 सूचीबद्ध कंपनियों में शामिल हो गई हैं। अदाणी पावर फिलहाल 11वें स्थान पर है, उसके बाद अदाणी पोर्ट्स 15वें और अदाणी एंटरप्राइजेज 20वें स्थान पर हैं।

ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 में किया मजबूत प्रदर्शन, ऑर्डर बुक एक अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली । एस्सार ग्रुप की टेक्नोलॉजी कंपनी और अग्रणी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस कंपनी ब्लैक बॉक्स लिमिटेड (बीएसई: 5004637 एनएसई: बीबॉक्स) ने पूरे वित्त वर्ष 26 और मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए है।

वित्तीय वर्ष 2026 के दौरान कंपनी ने प्रमुख वित्तीय और परिचालन मापदंडों में लगातार प्रगति दर्ज की, जिससे बेहतर मुनाफा, मजबूत नकदी प्रवाह और रणनीतिक सौदों में निरंतर प्रगति का समर्थन प्राप्त हुआ। बेहतर अवसरों की उपलब्धता, बेहतर व्यावसायिक मिश्रण और बढ़ते ऑर्डर बैकलॉग से भविष्य में निरंतर वृद्धि और विस्तार की मजबूत संभावनाएं बनती हैं।

इस तिमाही और पूरे वर्ष के दौरान, ब्लैक बॉक्स ने प्रमुख ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना और जुड़ाव को गहरा करना जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप सौदों में निरंतर गति और निष्पादन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। कंपनी के बढ़ते ऑर्डर बैकलॉग से इसकी बेहतर व्यावसायिक प्रगति और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को और बल मिलता है।

एक स्थिर परिवर्तनकारी आधार और अधिक केंद्रित व्यावसायिक रणनीति के बल पर, ब्लैक बॉक्स अपने मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों, विशेष रूप से डेटा सेंटर, में बढ़ती लोकप्रियता हासिल कर रहा है, साथ ही परिचालन दक्षता में सुधार और मुनाफे को बढ़ा रहा है।

प्रमुख क्षेत्रों और रणनीतिक बाजारों में मजबूत ऑर्डर प्रवाह के चलते, ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में भी मजबूत व्यावसायिक गति बनाए रखी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 का समापन लगभग 792 मिलियन डॉलर (लगभग 7,000 करोड़ रुपए) के ऑर्डर बैकलॉग के साथ किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 57 प्रतिशत अधिक है। इससे राजस्व में मजबूत स्थिरता आई और वित्त वर्ष 2027 की ठोस शुरुआत के लिए व्यवसाय को तैयार किया।

ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में प्रमुख वित्तीय मापदंडों में स्थिर वृद्धि दर्ज की। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में राजस्व 9 प्रतिशत बढ़कर 1,691 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 1,545 करोड़ रुपए था।

एचडीएफसी बैंक ने 45 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता के आरोपों को खारिज किया, कहा- मजबूत निगरानी प्रणाली मौजूद

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जिसमें 45 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताओं का दावा किया गया था। साथ ही कहा कि गड़बड़ी को लेकर लगाए जा रहे कयास केवल चुनिंदा तथ्यों पर आधारित हैं और बैंक सभी मुद्दों को आंतरिक रूप से स्थापित प्रोसेस के जरिए संभालता है।

एचडीएफसी बैंक ने दावा किया कि वह मजबूत आंतरिक निरीक्षण, लेखापरीक्षा और नियंत्रण प्रक्रियाओं का पालन करता है।

एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने कहा, 'हम चुनिंदा तथ्यों के आधार पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को पूरी तरह से खारिज करते हैं। सभी मामलों को स्थापित मानदंडों के अनुसार निपटाया जाता है और किसी भी आंतरिक समीक्षा के बाद अंतिम निर्णय लेने से पहले पूरी प्रक्रिया का पालन किया जाता है।'

यह स्पष्टीकरण उस रिपोर्ट के बाद सामने आया है, जिसमें दावा किया गया था कि एचडीएफसी बैंक की ऑडिट कमेटी ऑफ द बोर्ड (एसीबी) ने 12 मार्च को वित्त वर्ष 2024 और 2025 के दौरान महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमएसआरडीसी) को किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान की औपचारिक आंतरिक सतर्कता जांच का आदेश दिया है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ये भुगतान कथित तौर पर एमएसआरडीसी द्वारा बैंक में जमा की गई राशि पर दिए जाने वाले अलग-अलग ब्याज दरों से जुड़े थे।

रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार की एजेंसी को ब्याज भुगतान के रूप में सीधे जमा किए जाने के बजाय, धनराशि कथित तौर पर बैंक के मार्केटिंग डिपार्टमेंट के माध्यम से भेजी गई और चार स्थानीय विक्रेताओं के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में योगदान के रूप में दिखाई गई।

इसके अलावा, रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ शशिधर जगदीश की उपस्थिति में वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर इस व्यवस्था पर चर्चा की गई थी।

इस रिपोर्ट के बाद एचडीएफसी बैंक के शेयर में गिरावट देखी गई थी। दोपहर 2:50 पर शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 2.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 757.90 रुपए पर था।

हॉर्मुज स्ट्रेट खुलने के बाद भी उच्च स्तर पर रहेगी इनपुट लागत, खुदरा महंगाई भी ऊपर जाने का अनुमानः रिपोर्ट

नई दिल्ली। हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने के बाद इनपुट लागत इस साल उच्च स्तर पर रहने की उम्मीद है। इसके कारण मैन्युफैक्चरर्स को उच्च लागत का सामना करना पड़ेगा। यह जानकारी क्रिसिल की ओर से बुधवार को दी गई।

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि राहत की बात यह है कि घरेलू बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे लागत को ग्राहकों को पास किया जा सकता है। हालांकि, खुदरा महंगाई आने वाले महीनों में उच्च स्तर बने रहने की उम्मीद है।

हालांकि, महंगाई का दबाव सबसे पहले थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) प्रतिबिंबित करेगा, लेकिन बढ़ती इनपुट लागत का असर जल्द ही उपभोक्ता कीमतों पर भी दिखने की उम्मीद है।

वित्तीय वर्ष 2026 में, थोक महंगाई दर मात्र 0.7 प्रतिशत थी, जबकि गैर-खाद्य खाद्य पदार्थों में यह 1.1 प्रतिशत थी।

हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग में उपयोग होने वाली कुछ महत्वपूर्ण सामग्रियों की कीमतों पर पिछले वित्तीय वर्ष में भी दबाव बना रहा। वित्त वर्ष 2026 में तांबे की कीमतों में औसतन 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एल्युमीनियम की कीमतों में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दोनों ही वृद्धियां क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत के अपने दशकीय महंगाई के औसत से अधिक रहीं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि क्लस्टर किए गए डब्ल्यूपीआई श्रेणियों के आधार पर, अप्रैल में तांबे की कीमतों में 17.3 प्रतिशत, एल्युमीनियम में 20.6 प्रतिशत, कच्चे तेल से संबंधित कीमतों में 49.3 प्रतिशत और गैस से संबंधित कीमतों में 19.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को जा रही उड़ान तकनीकी खराबी के बाद दिल्ली लौटी

नई दिल्ली। एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को जा रही उड़ान तकनीकी खराबी के बाद बुधवार सुबह दिल्ली लौट आई है। इस दौरान विमान करीब आठ घंटे से अधिक समय तक हवा में था। यह जानकारी एयरलाइन ने दी।

एयरलाइन ने बताया कि दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रही फ्लाइट एआई173, जिसमें लगभग 230 यात्री सवार थे, निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार दिल्ली लौट आई। इस उड़ान में बोइंग 777-300 ईआर शामिल था।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'विमान सुरक्षित रूप से उतर गया है और एयर इंडिया के सुरक्षा मानकों के अनुरूप तकनीकी निरीक्षण से गुजरेगा।'

विमान ट्रेक करने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24डॉटकॉम के अनुसार, एयर इंडिया की यह उड़ान करीब आठ घंटे से अधिक समय तक हवा में रही।

इस दौरान विमान तीन घंटे से अधिक समय तक चीनी हवाई क्षेत्र में रहने के बाद दिल्ली की ओर वापस मुड़ा।

एयर इंडिया ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि उन्हें जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

एयर इंडिया ने कहा, 'हम यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं और उन्हें जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं। एयरलाइन ने आगे कहा, 'हमारी ग्राउंड टीमें यात्रियों को जलपान, होटल में ठहरने की व्यवस्था या उनकी इच्छानुसार यात्रा का समय बदलने जैसी सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही हैं। एयरलाइन ने तकनीकी समस्या के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है, और अब विमान तकनीकी जांच प्रक्रिया से गुजरेगा।

पिछले सप्ताह, 21 मई को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद बेंगलुरु से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान में इंजन में आग लग गई थी।

तीन साल की उम्र से ठुमकने लगी थीं 'धक-धक गर्ल'

बतौर कथक नृत्यांगना नौ साल की उम्र में मिला था पहला स्कॉलरशिप

मुस्कान, अदाएं और अनोखा नृत्य... यही है मल्लिका-ए-हुस्न माधुरी दीक्षित की पहचान। परदे पर धक-धक करने वाला दिल, असल जिंदगी में भी कला के प्रति धड़कन बचपन से ही शुरू हो चुकी थी। तीन साल की उम्र से ही मंच उनकी दुनिया बन गया था और नौ साल की उम्र में उन्हें पहली बार कथक नृत्य के लिए स्कॉलरशिप मिला।

बचपन और शिक्षा

- 15 मई 1967 को मुंबई में जन्मीं माधुरी ने बहुत छोटी उम्र से कथक में अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू कर दी थी।
- नौ वर्ष की आयु में उन्हें कथक के लिए पहली स्कॉलरशिप मिली।
- स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ कल्चरल एक्टिविटीज में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं।
- स्कूली शिक्षा के बाद माइक्रोबायोलॉजिस्ट बनने के लिए कॉलेज जॉइन किया, लेकिन किस्मत ने उन्हें अभिनय की दुनिया की ओर मोड़ दिया।

> "नृत्य मेरे लिए सिर्फ जुनून नहीं, मेरी पहचान है। मंच पर हर परफॉर्मेंस मेरे दिल के बहुत करीब होती है।
> – माधुरी दीक्षित

पुरस्कार और सम्मान

- ★ 5 बार फिल्मफेयर अवॉर्ड
- ★ स्क्रीन अवॉर्ड
- ★ आईफा अवॉर्ड
- ★ पद्म श्री (2008)

और भी कई सम्मान

सफरनामा: कुछ यादगार पड़ाव

1984
फिल्म 'अबोध' से बॉलीवुड़ डेब्यु। फिल्म सफल नहीं रही, लेकिन अभिनय के लिए सराहना मिली।

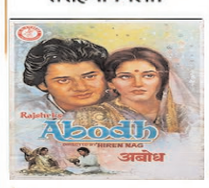

1988
फिल्म 'तेजाब' का 'मोहिनी' गाना सुपरहिट, माधुरी रातोंरात स्टार बन गईं।

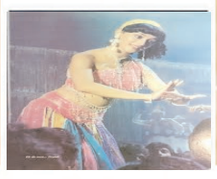

1990 का दशक
'दिल', 'बेटा', 'हम आपके हैं कौन', 'दिल तो पागल है' जैसी फिल्मों से मिली अपार सफलता।

2002
'देवदास' में चंद्रमुखी के किरदार के लिए फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस अवॉर्ड।

2007
फिल्म 'आजा नचले' से बड़े पर्द पर शानदार वापसी।

व्यक्तिगत जीवन

- साल 1999 में डॉ. श्रीराम माधव नेने से शादी।
- शादी के बाद कुछ समय के लिए अमेरिका में रहीं।
- दोनों बेटे – आरिन और रायन की मां।

यादगार फिल्में

तेजाब, राम लखन, खलनायक, साजन, अंजाम, दिल, बेटा, हम आपके हैं कौन, दिल तो पागल है, मृत्युदंड, देवदास, हम तुमहरे हैं सनम, लज्जा, डेढ़ इश्किया, गुलाब गैंग, कलंक, टोटल धमाल और कई अन्य।

> "समय बदलता है, किरदार बदलते हैं, लेकिन दर्शकों का प्यार हमेशा एक जैसा रहता है। यही मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है।
> – माधुरी दीक्षित

आज भी बरकरार है जलवा

रियलिटी शोज़ में जज, प्रोडकशन हाउस और समाजसेवा से जुड़ी माधुरी दीक्षित आज भी लाखों दिलों की धड़कन हैं।

मिट्टी, मेहनत और पहचान : गांवों से निकलकर दुनिया को अपनी कहानी सुना रहे पश्चिमी भारत के 'जीआई' उत्पाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान के बाद से देश में जीआई टैग (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। उनका मानना है कि हर क्षेत्र की खास कला, परंपरा और उत्पादों को दुनिया में पहचान मिलनी चाहिए। जीआई टैग स्थानीय उत्पादों को नई पहचान और बाजार दिलाने में मदद कर रहा है।

भारत के कई स्थानीय उत्पाद सदियों से गांवों और छोटे कस्बों में तैयार होते आ रहे हैं। पश्चिमी भारत के महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और दमन-दीव जैसे क्षेत्रों में ऐसे कई उत्पाद हैं, जिन्होंने अपनी गुणवत्ता, कला और परंपरा के दम पर देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी खास जगह बनाई है। इन उत्पादों को मिला जीआई टैग यानी जियोग्राफिकल इंडिकेशन प्रमाणपत्र उनकी मौलिकता और विशेषता की पहचान बन चुका है।

जीआई टैग किसी उत्पाद को उसके भौगोलिक क्षेत्र से जोड़ता है। इसका मतलब है कि उस वस्तु की खास गुणवत्ता, स्वाद या कला उसी क्षेत्र की मिट्टी, जलवायु और पारंपरिक तकनीक से जुड़ी होती है। इससे नकली उत्पादों पर रोक लगती है और स्थानीय किसानों, बुनकरों तथा कारीगरों को आर्थिक लाभ मिलता है।

पश्चिमी भारत के ये जीआई उत्पाद केवल व्यापार का माध्यम नहीं हैं, बल्कि सदियों पुरानी परंपरा, स्थानीय ज्ञान और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक भी हैं। इन उत्पादों की बढ़ती मांग से गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। किसान, बुनकर, कारीगर और छोटे व्यवसायी अब अपनी कला और मेहनत का बेहतर मूल्य प्राप्त कर रहे हैं।

आज जब पूरी दुनिया प्राकृतिक, पारंपरिक और हस्तनिर्मित उत्पादों की ओर आकर्षित हो रही है, तब पश्चिम भारत के जीआई उत्पाद भारत की सांस्कृतिक शक्ति को नई ऊंचाई दे रहे हैं। गांवों की मिट्टी से निकली यह पहचान अब वैश्विक बाजार में भारत का गौरव बन चुकी है।

महाराष्ट्र के जीआई उत्पाद आज दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय हैं। रत्नागिरी का अल्फांसो आम अपनी मिठास और सुगंध के लिए विशेष पहचान रखता है। गर्मियों के मौसम में इसकी मांग विदेशों तक रहती है। इसी तरह नासिक के अंगूर और नागपुर का संतरा भी अपनी गुणवत्ता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में पसंद किए जाते हैं। महाबलेश्वर की स्ट्रॉबेरी का स्वाद और ताजगी इसे खास बनाते हैं। सांगली की किशमिश और कोल्हापुर का गुड़ भी अपनी पारंपरिक गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध हैं। खेती के साथ-साथ महाराष्ट्र की कला और हस्तशिल्प भी जीआई टैग के जरिए नई पहचान पा चुके हैं। पैठण की प्रसिद्ध पैठानी साड़ी अपनी महीन बुनाई और पारंपरिक डिजाइन के लिए जानी जाती है। वहीं कोल्हापुरी चप्पल भारतीय हस्तकला का शानदार उदाहरण है, जिसे देश-विदेश में पसंद किया जाता है। सोलापुर की चादर और टेरी तौलिया भी अपनी मजबूती और आरामदायक कपड़े के लिए मशहूर हैं। पुणेरी पगड़ी महाराष्ट्र की सांस्कृतिक शान मानी जाती है।

महाराष्ट्र की वारली पेंटिंग्स आदिवासी कला का अनोखा रूप हैं। इन चित्रों में गांव के जीवन, खेती, त्योहार और प्रकृति को बेहद सरल रेखाओं में दर्शाया जाता है। मिट्टी की दीवारों पर सफेद रंग से बनाई जाने वाली यह कला आज आधुनिक कला प्रेमियों को भी आकर्षित कर रही है।

गुजरात भी जीआई उत्पादों की समृद्ध परंपरा वाला राज्य है। यहां की कच्छ एंब्रॉयडरी अपनी रंगीन कढ़ाई और पारंपरिक डिजाइन के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। पाटन पटोला साड़ी को भारत की सबसे उत्कृष्ट हस्तनिर्मित साड़ियों में गिना जाता है। इसे तैयार करने में महीनों का समय लगता है। जामनगर की बंधानी कला और राजकोट पटोला भी गुजरात की पारंपरिक कला को नई पहचान देते हैं।

गुजरात के कृषि उत्पादों में गिर केसर आम और भालिया गेहूं विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। गिर केसर आम अपनी मिठास और केसर जैसे रंग के कारण लोगों की पहली पसंद बन चुका है। वहीं, भालिया गेहूं की गुणवत्ता और पोषण इसे खास बनाते हैं। कच्छ का अजरख प्रिंट और माता नी पछेड़ी जैसी पारंपरिक कलाएं भी राज्य की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करती हैं।

गोवा को आमतौर पर पर्यटन और समुद्र तटों के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां के पारंपरिक उत्पाद भी अपनी अलग पहचान रखते हैं। गोवा का काजू और उससे बने उत्पाद दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। गोवा फेनी, जो काजू सेब से बनाई जाती है, राज्य की पारंपरिक पेय संस्कृति का हिस्सा है। गोवा का कोरगुट चावल और स्थानीय आम की किस्में भी अपनी गुणवत्ता के कारण खास मानी जाती हैं।

कश्मीरी केसर से बनारसी साड़ी तक, परंपरा और संस्कृति के साथ देश की पहचान बने उत्तर भारत के ये 'जीआई' उत्पाद

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पारंपरिक उत्पाद आज देश की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर नई मजबूती दे रहे हैं। कश्मीर का केसर, हिमाचल की कुल्लू शॉल, उत्तर प्रदेश की बनारसी साड़ी, राजस्थान की ब्लू पॉटरी और उत्तराखंड की लोक कलाएं अब केवल स्थानीय उत्पाद नहीं रह गए, बल्कि गांव और छोटे शहरों से निकलकर ये जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) उत्पाद ग्लोबल मंच पर अपनी चमक बिखेर रहे हैं।

उत्तर भारत के जीआई उत्पाद देश की संस्कृति, परंपरा और आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं साथ ही नई पहचान के साथ स्थानीय कारीगरों, किसानों और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों को आर्थिक मजबूती भी मिल रही है। दरअसल, भारत की असली पहचान उसकी विविधता, परंपरा और स्थानीय कला में बसती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में बनने वाले पारंपरिक उत्पाद न केवल भारतीय संस्कृति की झलक दिखाते हैं, बल्कि दुनिया भर में भारत की अलग पहचान भी बना रहे हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश दौरे के दौरान नीदरलैंड में जयपुर की ब्लू पॉटरी, मीनाकारी-कुंदन की बालियां, इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला को आगरा की पच्चीकारी कला से सजी संगमरमर पेटी भेंट की। आज जीआई टैग भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का सबसे मजबूत माध्यम बन चुका है। खास बात यह है कि उत्तर भारत के

राज्यों ने इस गौरव को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। दरअसल, जीआई टैग किसी उत्पाद को उसके मूल भौगोलिक क्षेत्र की पहचान देता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि उस नाम का इस्तेमाल केवल वही उत्पादक कर सकें, जो उस क्षेत्र से जुड़े हों। इससे नकली उत्पादों पर रोक लगती है, स्थानीय कारीगरों और किसानों की आय बढ़ती है और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण मिलता है।

वास्तव में जीआई टैग केवल किसी उत्पाद का प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की मेहनत, संस्कृति और इतिहास का सम्मान है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और छोटे कारीगरों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। साथ ही, भारत की पारंपरिक कला और स्थानीय उत्पाद वैश्विक बाजार में 'ब्रांड इंडिया' को मजबूत बना रहे हैं।

उत्तर भारत के राज्यों में हिमाचल प्रदेश अपने पारंपरिक हस्तशिल्प और प्राकृतिक उत्पादों के लिए विशेष पहचान रखता है। कुल्लू शॉल, किन्नौरी शॉल और चंबा रुमाल जैसे उत्पाद देश ही नहीं, विदेशों में भी काफी पसंद किए जाते हैं। कांगड़ा पेंटिंग अपनी खूबसूरत लघु चित्रकला शैली के लिए जानी जाती है, जबकि कांगड़ा चाय अपनी अनोखी सुगंध और स्वाद के कारण अलग पहचान रखती है। इसके अलावा चंबा चप्पल, हिमाचली काला जीरा और चुल्ली का तेल जैसे उत्पाद हिमाचल की पारंपरिक विरासत को मजबूत करते हैं।

उत्तराखंड भी अपने पारंपरिक कृषि उत्पादों और लोक कला के लिए तेजी से पहचान बना रहा है। यहां का मंडुआ, झंगोरा, लाल चावल, गहत और काला भट्ट जैसे मोटे अनाज और दालें स्वास्थ्यवर्धक मानी जाती हैं। मुनस्यारी की राजमा और बद्री गाय का घी भी लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। वहीं, ऐपण कला, रिंगाल हस्तशिल्प और भोटिया दान जैसे पारंपरिक उत्पाद उत्तराखंड की सांस्कृतिक समृद्धि को पेश करते हैं। बुरांश का शरबत और बेरीनाग चाय भी राज्य की खास पहचान बन चुके हैं। पंजाब और हरियाणा के फुलकारी शिल्प और बासमती चावल की मांग दुनिया भर में है। फुलकारी की रंग-बिरंगी कढ़ाई पंजाब की लोक संस्कृति को दिखाती है, जबकि हरियाणा और पंजाब का बासमती चावल अपनी खुशबू और गुणवत्ता के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रसिद्ध है।

गदर क्रांति से आजाद हिंद फौज तकः अंग्रेजों की नींद उड़ाने वाले क्रांतिकारी रास बिहारी बोस

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई ऐसे क्रांतिकारी हुए, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी देश को आजाद कराने के लिए समर्पित कर दी। उन्हीं महान सेनानियों में एक नाम रास बिहारी बोस का भी है। गदर क्रांति से लेकर आजाद हिंद फौज की नींव मजबूत करने तक, उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ ऐसा संघर्ष छेड़ा, जिसने ब्रिटिश हुकूमत को हिलाकर रख दिया था। उन्हें आज भी अंग्रेजों की नींद उड़ाने वाला क्रांतिकारी कहा जाता है। 25 मई 1886 को बंगाल के एक कायस्थ परिवार में जन्मे रास बिहारी बोस के मन में बचपन से ही देशभक्ति की भावना थी। साल 1905 के आसपास वह क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़ गए और धीरे-धीरे अंग्रेजों के खिलाफ बड़े आंदोलनों का हिस्सा बनने लगे। उस समय देश में अंग्रेजी शासन के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा था और युवा क्रांतिकारी खुलकर विरोध कर रहे थे। ऐसे में भला रास बिहारी कैसे पीछे रहने वाले थे। रास बिहारी बोस का नाम सबसे ज्यादा उस घटना के लिए याद किया जाता है, जब उन्होंने तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड हार्डिंग पर हमला करने की योजना बनाई। 23 दिसंबर 1912 को लॉर्ड हार्डिंग की दिल्ली में भव्य सवारी निकाली जा रही थी। योजना के तहत युवा क्रांतिकारी बसंत कुमार विश्वास को बम फेंकने की जिम्मेदारी दी गई। जैसे ही हार्डिंग की सवारी चांदनी चौक पहुंची, बम फेंका गया और जोरदार धमाका हुआ। इस हमले में हार्डिंग घायल हो गया, जबकि उसका हाथी मारा गया। हालांकि, वह बच गया और रास बिहारी की योजना पूरी तरह सफल नहीं हो सकी, लेकिन इस घटना के बाद से अंग्रेजों की नींद जरूर उड़ गई थी।

सिर्फ खानपान नहीं, वैश्विक पहचान भी; 'जीआई' टैग ने बदली भारतीय उत्पादों की तस्वीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली, संयुक्त अरब अमीरात समेत अन्य देशों की यात्रा सिर्फ कूटनीति और आर्थिक समझौतों तक सीमित नहीं रही। इस यात्रा ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्पकला और अनोखे कृषि उत्पादों को वैश्विक मंच पर भी पहचान दिलाई। उन्होंने विदेश के नेताओं को भारत से ले गए असम का 'मूगा रेशम शॉल', गुजरात की 'रोगन पेंटिंग', बिहार की 'मिथिला पेंटिंग' जैसे खास तोहफे भेंट किए। देश के ये सभी उत्पाद अपने-अपने शहर की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने हर देश के राष्ट्राध्यक्षों और प्रमुखों को जीआई टैग (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) प्राप्त भारतीय उत्पाद भेंट किए, जो 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के तहत स्थानीय कारीगरों और किसानों की मेहनत का प्रतीक हैं। यह यात्रा भारत को विश्व पटल पर सांस्कृतिक रूप से मजबूत बनाने का एक और उदाहरण साबित हुई। आगरा की पच्चीकारी, मूगा रेशम, बिहार की मधुबनी पेंटिंग, ब्लू पॉटरी, रोगन आर्ट, कोफ्तगरी कटार, केसर आम, मेघालय अनानास और मिथिला मखाना जैसे उत्पादों ने विदेशी नेताओं का ध्यान खींचा।

भारत में 600 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त है। इनमें कृषि उत्पाद, हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ और हस्तकला शामिल हैं। पीएम मोदी ने आगरा की पच्चीकारी से सजी संगमरमर पेटी, मूगा रेशम (गोल्डन सिल्क) और शिरुई लिली रेशम का शॉल इटली की प्रधानमंत्री को भेंट की। वहीं, नीदरलैंड में जयपुर की ब्लू पॉटरी, मीनाकारी-कुंदन की बालियां और मिथिला पेंटिंग। यूएई में रोगन पेंटिंग (जीवन वृक्ष) और कोफ्तगरी कटार के साथ मिथिला मखाना भेंट किए।

दरअसल, भारत की असली ताकत उसकी विविधता में छिपी है।

महंत अवैद्यनाथ ने धर्म को समाजसेवा और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ा

भारत के संतों में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो केवल मठ और मंदिर तक ही सीमित नहीं रहे बल्कि वे समय की धारा में एक वैचारिक आंदोलन बने। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज ऐसे ही एक व्यक्तित्व थे। वे गोरखनाथ मठ के पीठाधीश्वर होने के साथ-साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदू समाज की एकता और लोककल्याण की उस चेतना के वाहक थे, जिसने पूर्वांचल से लेकर पूरे देश के लोगों पर गहरी छाप छोड़ी। 28 मई 1921 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के कांड़ी गांव में जन्मे कृपाल सिंह विष्ट ने जिस यात्रा की शुरुआत हिमालय की गोद से की, वह आगे चलकर हिंदुत्व, सामाजिक समरसता और राष्ट्रचेतना के विराट अभियान में बदल गई। महंत अवैद्यनाथ उसी गौरवशाली परंपरा के तेजस्वी नक्षत्र थे, जिसकी वैचारिक नींव उनके गुरुदेव महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने रखी थी। दिग्विजयनाथ जी स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में कांग्रेस से जुड़े रहते हुए भी हिंदू हितों की रक्षा के लिए मुखर रहे। जब कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप तेज हुए, तब उन्होंने कांग्रेस छोड़कर हिंदू महासभा का दामन थामा और फिर हिंदू समाज के संगठन में जुट गए। सन 1939 में उन्होंने अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा की स्थापना कर साधु-संतों को केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित रहने के बजाय समाज सापेक्ष कार्यों के लिए प्रेरित किया।

डार्क किरदार पर ईशा सिंह बोलीं, 'कैमरे के पीछे ऑन और ऑफ होना आना चाहिए'

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म 'ऑब्सेस' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है।

अभिनेत्री ने मीडिया से बातचीत में बताया, 'एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा।

आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। 'ऑब्सेस' के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है। अपनी बात को रखते हुए अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक पीटर की बात को याद करते हुए कहा, 'पीटर सर ने एक बार कहा था, हर इंसान के अंदर एक फरिश्ता और एक शैतान, दोनों होते हैं। इनमें से कौन सा पहलू कितना बाहर आता है, यह पूरी तरह से उस इंसान पर निर्भर करता है।

अभिनेत्री ने किरदार के भावनात्मक बोझ से पूरी तरह मुक्त होने को जरूरी बताते हुए बताया कि काम के दौरान आप मानसिक रूप से उसी दुनिया में रहते हैं। कुछ दिन बहुत भारी होते हैं।

बॉबी देओल ने साझा किया 'अल्फा' का अनुभव, कहा- आलिया ने एक्शन सीन में जान डाली

मुंबई। बॉलीवुड में इन दिनों एक्शन फिल्मों का दौर तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच फिल्म 'अल्फा' काफी चर्चा में है। यह फिल्म इसलिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि इसमें दो एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी वाघ को जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखाया जाएगा। फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।

फिल्म की रिलीज से पहले बॉबी देओल ने अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने खासतौर पर आलिया भट्ट के साथ काम करने को बेहद शानदार बताया। बॉबी ने कहा, ''मैं लंबे समय से आलिया और उनके पति रणबीर कपूर दोनों के साथ काम करना चाहते था। रणबीर के साथ मुझे फिल्म 'एनिमल' में काम करने का मौका मिला था और अब आलिया के साथ 'अल्फा' में स्क्रीन शेयर करने का अनुभव भी मेरे लिए बहुत खास रहा।''

बॉबी ने कहा, 'रणबीर और आलिया दोनों ही बेहद शानदार कलाकार हैं, और उनके साथ काम करते समय माहौल बहुत सकारात्मक रहता है। 'एनिमल' के दौरान रणबीर के साथ मेरी अच्छी बॉन्डिंग थी, और अब 'अल्फा' में आलिया के साथ काम करते हुए भी मुझे काफी मजा आया। दोनों कलाकार अपने काम को लेकर बेहद गंभीर हैं।'

आलिया भट्ट की तारीफ करते हुए बॉबी देओल ने आगे कहा, ''वह उन कलाकारों में से हैं जो अपने काम के लिए पूरी मेहनत से तैयारी करते हैं। आलिया शूटिंग पर हमेशा पूरी तैयारी के साथ आती थीं और हर सीन को बहुत ध्यान से समझती थीं। वह खुद को पूरी तरह अपने किरदार में ढाल लेती थी।''

बॉबी ने कहा, ''एक्शन करना देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना मुश्किल होता है। इसमें शारीरिक मेहनत के साथ मानसिक तैयारी भी जरूरी होती है। आलिया ने हर एक्शन सीन में खुद को पूरी तरह झोंक दिया। उनका समर्पण देखकर मैं खुद भी काफी प्रभावित हुआ हूं।''

बॉबी देओल ने फिल्म 'अल्फा' को लेकर कहा, ''भारत में इस तरह की फिल्में बहुत कम बनती हैं, जहां दो एक्ट्रेस बड़े स्तर पर एक्शन करती दिखाई दें। यह दर्शकों के लिए बिल्कुल नया अनुभव होगा। मुझे यह बात बेहद पसंद आई कि फिल्म सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मजबूत महिला किरदारों को ताकतवर अंदाज में दिखाया गया है। उन्होंने आगे कहा, ''अल्फा' एक नई सोच और नए विजुअल्स वाली फिल्म है। दर्शक जब इसे थिएटर में देखेंगे तो उन्हें कुछ अलग महसूस होगा। हिंदी सिनेमा में इस तरह के प्रयोग जरूरी हैं, क्योंकि दर्शक अब नई कहानियां और नए अंदाज देखना चाहते हैं।''

फिल्म 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। इस फिल्म में अनिल कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'इंडियन आइडल' में वेदांग रैना बोले, एआर रहमान का 'पियानो वॉइस नोट' मेरे फोन की सबसे अनमोल चीज

मुंबई। अभिनेता वेदांग रैना अपनी अपकमिंग फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता रियलिटी टीवी शो इंडियन आइडल के स्टेज पर नजर आए। यहां उन्होंने एआर रहमान के साथ काम करने का अपना खास अनुभव साझा किया।

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के लिए एआर रहमान के साथ काम करने की बात करते हुए वेदांग ने बताया कि उन्हें रहमान के कंपोजिशन में गाने का मौका मिला। उन्होंने कहा, 'आज पहली बार मैं इंडियन आइडल के स्टेज पर रहमान सर से मिला हूं। इससे पहले हम फेसटाइम पर बात करते थे और उसी के जरिए गाने पर चर्चा हुई थी। वेदांग रैना ने एक पर्सनल और इमोशनल याद भी शेयर की। उन्होंने बताया कि रहमान ने उनके लिए एक वॉइस नोट भेजा था, जिसमें वह पियानो बजा रहे थे और गाने की मेलोडी गुनगुना रहे थे। वेदांग ने इस वॉइस नोट को अपने फोन की सबसे कीमती चीजों में से एक बताया।

उन्होंने कहा, 'रहमान सर बस गुनगुना रहे थे और पियानो पर मेलोडी बजा रहे थे। वो जीनियस का काम रहा, शायद गाना उस समय पूरी तरह बना भी नहीं था, हो सकता है मेलोडी उसी पल बनी हो। यह बेहद सुंदर था। मैं इसे बहुत प्यार से अपने पास रखता हूं।'

वेदांग रैना ने एआर रहमान को धन्यवाद देते हुए कहा, 'सर, हमारी तारीफ करने के लिए और इस मौके के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया।

'लोग क्या कहेंगे, यह सोचकर मत रुकिए', रश्मि देसाई ने बॉडी शेमिंग झेल रहीं महिला का बढ़ाया हौसला

मुंबई। अभिनेता राजीव खंडेलवाल के होस्टिंग शो 'तुम हो ना' के आने वाले एपिसोड में एक प्रेरणादायक कहानी देखने को मिलेगी। दरअसल, इस एपिसोड में खास मेहमान बनकर आईं अभिनेत्री रश्मि देसाई ने कंटेस्टेंट बीना का हौसला बढ़ाया।

बीना ने शो में खुलकर बताया कि उन्हें अपने वजन की वजह से बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि समाज अक्सर बाहरी रूप देखकर राय बना लेता है, लेकिन वह इन बातों से टूटना नहीं चाहतीं।

शो में बीना ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उनके लिए डांस एक इमोशन है। उन्होंने कहा, ''मैं मानती हूं कि डांस दिल से होता है, शरीर से नहीं। मैंने जिंदगी में कई मुश्किलें देखी हैं, लेकिन फिर भी अपने हुनर और सपनों को नहीं छोड़ा।''

बीना की कहानी सुनकर रश्मि देसाई काफी भावुक हो गईं। उन्होंने बीना को हिम्मत देते हुए कहा, ''दुनिया में लोग हमेशा कुछ न कुछ बोलते ही रहते हैं। अगर लोगों के पास बात करने के लिए कुछ नहीं होगा, तो वे किसी और टॉपिक पर बात करने लगेंगे। इसलिए दूसरों की सोच और बातों से खुद को रोकना सही नहीं है।''

रश्मि ने बीना से कहा, ''आप अपनी बेटी के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं। एक मां जब मुश्किल हालात में भी अपने सपनों के लिए लड़ती है, तो उसका असर बच्चों पर भी पड़ता है। इसलिए आप कभी हार न मानें और अपने डांस को जारी रखें।''

रश्मि देसाई ने समाज की सोच पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''छोटे शहरों और कस्बों में अक्सर लोग दूसरों की जिंदगी को लेकर ज्यादा बातें करते हैं, क्योंकि वहां सोच का दायरा थोड़ा सीमित होता है। लेकिन आखिर में जिंदगी हर इंसान की अपनी होती है और उसे कैसे जीना है, यह फैसला भी खुद का होना चाहिए। किसी के ताने या आलोचना की वजह से अपने सपनों को रोक देना सही नहीं है।''

रश्मि ने महिलाओं की जिंदगी को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''शादी और बच्चों के बाद कई महिलाएं खुद को पीछे छोड़ देती हैं। उनकी प्राथमिकताएं बदल जाती हैं और वह परिवार के लिए जीने लगती हैं। यह एक आम बात है, क्योंकि ज्यादातर माताएं अपने बच्चों और परिवार को सबसे पहले रखती हैं।

लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि महिलाएं अपने सपनों और अपनी पहचान को पूरी तरह न भूलें। उन्होंने अपने परिवार का उदाहरण देते हुए कहा, ''मुझे हमेशा अपने भाई का साथ मिला है। मेरे परिवार में बचपन से ही एक-दूसरे को सपोर्ट करना सिखाया गया।

भक्ति में लीन दिखे रवि दुबे और सरगुन मेहता, फैंस ने की सुख-समृद्धि की कामना

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता रवि दुबे इन दिनों नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने हाल ही में अपने घर पर 'सुंदरकांड पाठ' और 'सत्यनारायण कथा' करवाई।

रवि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें इस भक्तिमय समारोह की झलकियां देखने को मिलीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि रवि और उनकी पत्नी सरगुन मेहता के परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त और मेहमान भगवान की भक्ति में डूबे हैं।

वहीं, रवि और सरगुन एक साथ बैठकर पाठ सुनते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए रवि ने लिखा, 'पावन ज्येष्ठ मास के शुभ अवसर पर घर में सुंदरकांड पाठ और सत्यनारायण कथा का आयोजन किया गया।'

फैंस रवि की जमकर सराहना कर रहे हैं, साथ ही फैंस कपल्स की तारीफ करते हुए उनके लिए सुख-शांति की कामना कर रहे हैं।

रवि दुबे जल्द ही पौराणिक फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगे, जिसमें रणबीर कपूर और साई पल्लवी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में वह भगवान लक्ष्मण का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे। इसके अलावा, फिल्म में साउथ सुपरस्टार यश (रावण) और सनी देओल (हनुमान) भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म रवि दुबे का बॉलीवुड डेब्यू है, जिसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित यह मेगा-बजट फिल्म 6 नवंबर को दीपावली के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेता रवि दुबे टेलीविजन में अपनी पहचान बनाने के बाद 'मत्स्य कांड' और 'लखन लीला भार्गव' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज से ओटीटी पर भी धूम मचा चुके हैं। इसके अलावा, रवि और सरगुन का एक्टिंग करियर काफी सफल रहा है।

कपल ने 2019 में अपना प्रोडक्शन हाउस, 'ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट' लॉन्च किया था, जिसने कई सफल टेलीविजन शो और पंजाबी फिल्मों का निर्माण किया है।

तुलसी कुमार को महाकाल के दरबार में मिला सुकून, परिवार के साथ किए ज्योतिर्लिंग के दर्शन

मुंबई। मशहूर गायिका तुलसी कुमार हाल ही में अपने परिवार के साथ विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचीं। बुधवार को गायिका ने इस आध्यात्मिक यात्रा की कुछ खास झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

तुलसी ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वह अपनी बहन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बाबा महाकाल के दरबार में नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि मंदिर के बाहर तुलसी बहन के साथ साधारण और पारंपरिक सूट पहने हुए नजर आ रही हैं।

वीडियो में गायिकी ने लिखा, 'कुछ सफर इंसान को एक अलग ही तरह का सुकून और राहत देते हैं। खासकर वो सफर, जो पूरी श्रद्धा, मन की शांति और अपने परिवार के साथ मिलकर तय किए जाएं।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग - उज्जैन। हर हर महादेव।'

तुलसी की इस पोस्ट पर उनके फैंस 'जय महाकाल' और 'हर हर महादेव' लिखकर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग देश के 12 सबसे पवित्र और शक्तिशाली शिव मंदिरों में से एक है। यहां भगवान शिव को 'काल के स्वामी' यानी महाकाल के रूप में पूजा जाता है। यह भारत का एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। मंदिर की सबसे बड़ी पहचान ब्रह्म मुहूर्त (सूर्योदय से पहले) में होने वाली 'भस्म आरती' है, जिसमें भगवान शिव का श्रृंगार किया जाता है।

उज्जैन में महाकालेश्वर को ही राजाधिराज माना जाता है। यहां की प्राचीन मान्यता के अनुसार, कोई भी अन्य राजा या मुख्यमंत्री इस नगर में रात नहीं गुजार सकते। मंदिर में साल भर बॉलीवुड हस्तियों और वीआईपी लोगों का तांता लगा रहता है।

अमेरिकी सीनेटर ने कूटनीति में पाकिस्तान की भूमिका को 'समस्याग्रस्त' बताया

वॉशिंगटन। पाकिस्तान द्वारा अब्राहम अकार्डस में शामिल होने पर विचार करने से इनकार किए जाने के बाद रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़ी किसी भी कूटनीतिक प्रक्रिया में इस्लामाबाद की भूमिका 'सिर्फ समस्याग्रस्त ही नहीं, उससे भी अधिक चिंताजनक' है।

ये टिप्पणियां उस समय आईं जब ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से इस संभावना को खारिज कर दिया कि पाकिस्तान अब्राहम अकार्डस में शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा कदम देश की 'मूल विचारधाराओं' के खिलाफ होगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिंडसे ग्राहम ने कहा, 'काफी समय से मेरे लिए यह स्पष्ट है कि मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की भूमिका बेहद समस्याग्रस्त है। इज़राइल के प्रति उसकी दुश्मनी बहुत पुरानी है।'

पारंपरिक रूप से पाकिस्तान के प्रति नरम रुख रखने वाले ग्राहम को ट्रंप का करीबी माना जाता है।

ग्राहम ने कहा, 'यह निर्विवाद है कि ईरानी सैन्य विमान पाकिस्तानी एयरबेस पर रखे गए हैं और इज़राइल के खिलाफ पाकिस्तान के शीर्ष अधिकारियों की पिछली बयानबाज़ी चिंताजनक रही है।'

सीनेटर ने इज़राइल के साथ संबंध सामान्य करने का विरोध करने वाले आसिफ के पुराने बयान का भी जिक्र किया।

उन्होंने लिखा, 'अब्राहम अकॉर्ड्स को लेकर रक्षा मंत्री की टिप्पणियों पर जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कभी इसमें शामिल नहीं होगा क्योंकि वे इज़राइल पर भरोसा नहीं करते- वीडियो भले एक साल पुराना हो लेकिन मुझे डर है कि भावना आज भी वही है। उन्होंने कहा, 'इस संदर्भ में यह बेहद जरूरी है कि पाकिस्तान अब राष्ट्रपति ट्रंप की अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होने की अपील पर स्पष्ट जवाब दे।'

ये टिप्पणियां उस समय आई हैं जब सोशल मीडिया और अमेरिकी मीडिया चर्चाओं में ऐसी रिपोर्टें सामने आईं कि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अपने सैन्य विमान पाकिस्तान के एयरबेस पर खड़े किए हैं।

इस महीने की शुरुआत में भी ग्राहम ने कांग्रेस की सुनवाई के दौरान पाकिस्तान की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था, 'मुझे पाकिस्तान पर उतना भी भरोसा नहीं है जितना मैं उसे फेंक सकता हूं। अगर वास्तव में ईरानी विमान पाकिस्तान के एयरबेस पर मौजूद हैं ताकि ईरान की सैन्य संपत्तियों की रक्षा हो सके, तो हमें शायद किसी और मध्यस्थ की तलाश करनी चाहिए। कोई आश्चर्य नहीं कि यह मामला आगे नहीं बढ़ रहा।'

पाकिस्तान ने ग्राहम के ताजा आरोपों पर अभी तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पाकिस्तानी चैनल समा टीवी को दिए एक इंटरव्यू में आसिफ ने उन अटकलों को खारिज किया कि पाकिस्तान अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल हो सकता है, जिसके तहत इज़राइल और कई अरब देशों के बीच संबंध सामान्य हुए थे।

आसिफ ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मुझे नहीं लगता कि हमें ऐसे किसी समझौते में शामिल होना चाहिए।

यूएई ने बराकाह न्यूक्लियर प्लांट हमले पर यूएनएससी के बयान का किया स्वागत

अबू धाबी । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें 17 मई को बराकाह न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हुए ड्रोन हमले को लेकर 'चिंता' जताई गई थी।

यूएन में यूएई मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूएनएससी के बयान को साझा किया। यूएई ने कहा कि परिषद ने एकजुट होकर स्पष्ट संदेश दिया है कि यूएई में नागरिकों और नागरिक ढांचे पर सभी हमले तुरंत और स्थायी रूप से बंद होने चाहिए। इसमें शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाना या उन्हें धमकी देना भी शामिल है।

मिशन ने यह भी कहा कि इस 'आक्रामकता' के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, जिसमें वे तत्व भी शामिल हैं जो प्रॉक्सी (छद्म) नेटवर्क के जरिए काम कर रहे हैं।

इससे पहले यूएई के विदेश मंत्रालय ने इराक से भी अपील की थी कि वह अपने क्षेत्र से होने वाली किसी भी प्रकार की शत्रुतापूर्ण गतिविधि को रोके, जो इस ड्रोन हमले से जुड़ी हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने संयुक्त अरब अमीरात के बराकाह न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हुए ड्रोन हमले की सख्त शब्दों में निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताते हुए कहा कि इस हमले से नागरिकों, बुनियादी ढांचे और पर्यावरण को बड़ा खतरा पैदा हुआ है। 26 मई को यूएनएससी ने बराकाह हमले की निंदा करते हुए बयान जारी किया। इस बयान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने संबंधित प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की महासभा के निर्णयों का हवाला देते हुए शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं पर किसी भी तरह के हमले या धमकी को लेकर भी गहरी चिंता जताई।

परिषद ने आईएईए के महानिदेशक के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया था कि परमाणु सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कोई भी सैन्य गतिविधि स्वीकार्य नहीं है।

सदस्यों ने सभी देशों से अपील की कि वे परमाणु सुरक्षा और संरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन करें और ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचें जिससे परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को खतरा हो।

आज के वक्त की सबसे बड़ी लड़ाई आर्थिक मोर्चे पर : पेजेश्कियन

तेहरान । तेहरान में व्यापारियों, उद्योगपतियों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने बुधवार को अहम बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक मोर्चे पर है और भरोसा दिलाया कि सरकार देश की आर्थिक मजबूती बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र को हर संभव सहयोग देगी।

उन्होंने कहा कि सरकार आर्थिक गतिविधियों में आ रही बाधाओं को दूर करने और कारोबार के लिए बेहतर माहौल तैयार करने को लेकर प्रतिबद्ध है, ताकि देश बाहरी दबावों और संकटों का मजबूती से सामना कर सके।

सरकारी ब्रॉडकास्टर प्रेस टीवी के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा, 'आज असली लड़ाई अर्थव्यवस्था और लोगों की रोजी-रोटी की है। इस आर्थिक युद्ध का सबसे बड़ा बोझ व्यापारियों, उत्पादकों और निजी क्षेत्र पर पड़ रहा है।'

मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को देश की ताकत का अहम स्तंभ मानती है और उसे कमजोर नहीं पड़ने देगी। उनके मुताबिक, जितना अधिक सक्षम और सक्रिय निजी क्षेत्र होगा, उतनी ही देश की आर्थिक नींव मजबूत होगी।

बैठक में गृह, वित्त और कृषि मंत्रियों समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान व्यापार, विदेशी मुद्रा, टैक्स, बैंकिंग, कस्टम और बाजार व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा हुई।

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि उनकी सरकार को पहले से मौजूद आर्थिक असंतुलन, युद्ध जैसे हालात और बाहरी राजनीतिक दबावों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने सरकार, निजी क्षेत्र और अन्य संस्थाओं के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने पारदर्शिता, आपसी भरोसे और भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त प्रयासों को जरूरी बताते हुए कहा कि मुश्किल आर्थिक दौर से निकलने के लिए सभी पक्षों की ईमानदार भागीदारी बेहद अहम है।

पेजेश्कियन ने दावा किया कि अमेरिका और इजरायल सैन्य मोर्चे पर अपने मकसद हासिल नहीं कर पाए, इसलिए अब वे ईरान की अर्थव्यवस्था और लोगों की आजीविका को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'सैन्य मोर्चे पर असफल होने के बाद दुश्मन अब देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करने और लोगों की जिंदगी प्रभावित करने पर ध्यान दे रहा है।'

ईरानी राष्ट्रपति ने व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े लोगों से अपील की कि वे देश की मौजूदा असाधारण परिस्थितियों और सरकार की सीमाओं को समझने के साथ ही राष्ट्रीय हितों की रक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सहयोग करें।

राष्ट्रपति ने कहा, 'कठिन आर्थिक परिस्थितियों से सफलतापूर्वक बाहर निकलने के लिए आपसी भरोसा, पारदर्शिता, जिम्मेदारी और सभी क्षेत्रों की सच्ची भागीदारी बेहद जरूरी है।

ऊर्जा संकट के बीच नॉर्डिक निवेशकों ने ईयू से आर्कटिक ड्रिलिंग बैन बनाए रखने की अपील की

कोपेनहेगन । नॉर्डिक देशों के निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के एक समूह ने यूरोपीय संघ (ईयू) से अपील की है कि वह आर्कटिक क्षेत्र में नए तेल और गैस ड्रिलिंग पर प्रतिबंध लगाए रखे।

नॉर्डिया एसेट मैनेजमेंट सहित 11 से अधिक वित्तीय संस्थानों और संगठनों ने यूरोपीय आयोग को पत्र लिखकर कहा है कि आर्कटिक में नए जीवाश्म ईंधन प्रोजेक्ट्स शुरू करना न तो मौजूदा ऊर्जा संकट का त्वरित समाधान है और न ही दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा के लिए सही कदम।

उनका तर्क है कि ऐसे प्रोजेक्ट्स को शुरू होने में कई साल लग जाते हैं, जबकि यूरोप अभी ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति दबाव से जूझ रहा है। इसलिए आर्कटिक ड्रिलिंग का विस्तार मौजूदा संकट को हल करने के बजाय पर्यावरण के लिए और जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों ने चेतावनी दीकि आर्कटिक जैसे संवेदनशील और नाजुक पारिस्थितिक तंत्र में तेल-गैस उत्खनन से गंभीर पर्यावरणीय नुकसान और तेल रिसाव का खतरा बढ़ सकता है, जो तय किए गए ग्लोबल क्लाइमेट टारगेट के लिए भी सही नहीं है।

ये अपील ऐसे दौर में की गई है जब ऊर्जा संकट के बीच कुछ देश आर्कटिक संसाधनों से विकल्प तलाशन की वकालत कर रहे हैं। फिलहाल ईयू अपनी आर्कटिक नीति की समीक्षा कर रहा है और अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

नॉर्डिक देशों के वित्तीय संस्थानों और निवेशकों ने यूरोपीय संघ (ईयू) से अपील की है कि वह आर्कटिक क्षेत्र में नए तेल और गैस ड्रिलिंग के खिलाफ अपना रुख बनाए रखे, जबकि ईरान में जारी युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने के चलते ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है।

एक प्रवक्ता ने बताया कि बदलते भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक हालात को देखते हुए ईयू अपनी आर्कटिक नीति की समीक्षा कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकला है।

नॉर्डिया एसेट मैनेजमेंट ने बुधवार को कहा कि आर्कटिक पृथ्वी के सबसे संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्रों में से एक है और यहां दुर्लभ जीव पाए जाते हैं।

रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, संस्थान ने चेतावनी दी कि तेल और गैस का और विस्तार इन नाजुक पारिस्थितिक तंत्रों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है, जिससे तेल रिसाव और प्रदूषण का खतरा और बढ़ जाएगा।

नॉर्वे, जो यूरोप का सबसे बड़ा गैस आपूर्तिकर्ता है लेकिन यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है।

होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरियाई जहाज पर हमले की जांच पूरी, जल्द जारी होगी रिपोर्ट

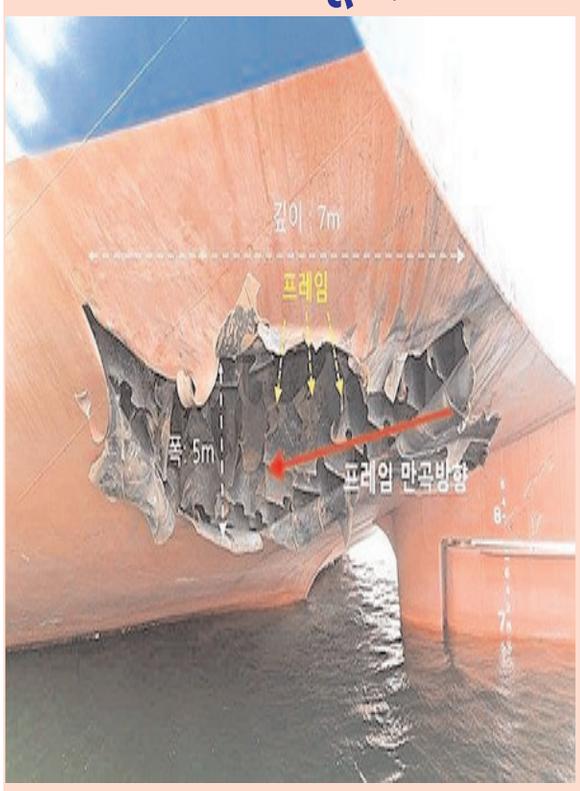

सोल । दक्षिण कोरिया हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक दक्षिण कोरियाई जहाज पर हुए हमले की जांच के नतीजों का ऐलान करने वाला है। मामले की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया इस पर एक प्रेस ब्रीफिंग भी की जाएगी।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, चार मई को दक्षिण कोरिया की बड़ी शिपिंग कंपनी एचएमएम सीओ. की ओर से संचालित जहाज 'एचएमएम नामू' पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे होने के दौरान 'दो अज्ञात हवाई वस्तुओं' ने हमला किया था। उस समय अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चल रहा था।

इसके बाद सरकार की जांच टीम ने उन वस्तुओं से मिले इंजन के मलबे का गहराई से विश्लेषण किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हमला किस तरह का था और इसके पीछे कौन जिम्मेदार था।

विदेश मंत्रालय ने पत्रकारों को भेजे गए संदेश में कहा, 'एचएमएम नामू घटना की जांच के नतीजों पर शाम पांच बजे प्रेस ब्रीफिंग की जाएगी।'

मंत्रालय ने बताया पहले उप विदेश मंत्री पार्क यून-जू इस ब्रीफिंग का नेतृत्व करेंगे। इसमें रक्षा मंत्रालय और अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी भी शामिल होंगे। हमले के कारण जहाज पर विस्फोट और आग लग गई थी, जिसमें 24 क्रू मेंबर्स में से एक को मामूली चोट आई थी।

काफी समय से यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस हमले में एंटी-शिप मिसाइल या ड्रोन का इस्तेमाल किया गया हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि एंटी-शिप मिसाइल इस्तेमाल होने की संभावना ज्यादा लगती है।

अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या मंत्रालय आधिकारिक तौर पर हमले के जिम्मेदार पक्ष का नाम लेगा या नहीं।

इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों से कहा था कि इस हमले के पीछे किसी गैर-ईरानी पक्ष के होने की संभावना बहुत कम लगती है। हालांकि, सरकार अब तक किसी पर सीधे आरोप लगाने में सावधानी बरत रही है।

हमले के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान ने एचएमएम जहाज और कुछ अन्य लक्ष्यों पर फायरिंग की थी।

सियोल स्थित ईरानी दूतावास ने साफ कहा कि ईरान इस घटना में अपनी सेना की किसी भी भूमिका से 'पूरी तरह और सख्ती से इनकार' करता है।

बाद में जब दक्षिण कोरिया ने शुरुआती जांच रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि जहाज पर हुआ विस्फोट और आग अंदरूनी खराबी नहीं बल्कि बाहरी हमले की वजह से हुई थी, तब ईरान की तरफ से कोई नया बयान जारी नहीं किया गया।

भारत से मंगोलिया पहुंचेगा बौद्ध धरोहर का संदेश, सारिपुत्र- मौद्गल्या-यन के अवशेषों की प्रदर्शनी

नई दिल्ली/उलानबटार । भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, इंटरनेशनल बौद्ध कन्फेडरेशन (आईबीसी) और नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम के सहयोग से भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेषों की एक विशेष प्रदर्शनी मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन 1 से 10 जून तक गंडेन मठ में होगा।

यह पहल भारत और मंगोलिया के बीच गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों की कड़ी है। इससे पहले जून 2022 में भगवान बुद्ध के कपिलवस्तु से जुड़े चार पवित्र अवशेषों को भारत से मंगोलिया ले जाया गया था। करीब 29 साल बाद 11 दिनों के लिए गंदन्तेगछेलिंग मठ में प्रदर्शित किया गया था। इन अवशेषों को महात्मा बुद्ध के दंत अवशेष के साथ प्रदर्शित किया गया था।

उस समय ये अवशेष भारतीय वायुसेना के सी-17 विमान से विशेष सुरक्षा के साथ भेजे गए थे और एक उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल भी उनके साथ गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 में खुरेलसुख उखना के चार दिवसीय भारत दौरे के दौरान घोषणा की थी कि अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्या-यन के अवशेष भी मंगोलिया भेजे जाएंगे। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच सदियों पुराने बौद्ध संबंधों को और मजबूत करने वाला कदम बताया था। 14 अक्टूबर 2025 को संयुक्त संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के रिश्ते केवल राजनयिक संबंधों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आध्यात्मिक और आत्मीय बंधन पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे संबंधों की असली गहराई हमारे पीपल-टू-पीपल-टाइज में दिखाई देती है। सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सूत्र में बंधे हैं। इस वजह से हमें 'स्पिरिचुअल सिबलिंग' कहा जाता है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे।

भारत से मंगोलिया पहुंचेगा बौद्ध धरोहर का संदेश, सारिपुत्र- मौद्गल्या-यन के अवशेषों की प्रदर्शनी

नई दिल्ली/उलानबटार । भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, इंटरनेशनल बौद्ध कन्फेडरेशन (आईबीसी) और नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम के सहयोग से भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेषों की एक विशेष प्रदर्शनी मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन 1 से 10 जून तक गंडेन मठ में होगा।

यह पहल भारत और मंगोलिया के बीच गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों की कड़ी है। इससे पहले जून 2022 में भगवान बुद्ध के कपिलवस्तु से जुड़े चार पवित्र अवशेषों को भारत से मंगोलिया ले जाया गया था। करीब 29 साल बाद 11 दिनों के लिए गंदन्तेगछेलिंग मठ में प्रदर्शित किया गया था। इन अवशेषों को महात्मा बुद्ध के दंत अवशेष के साथ प्रदर्शित किया गया था।

उस समय ये अवशेष भारतीय वायुसेना के सी-17 विमान से विशेष सुरक्षा के साथ भेजे गए थे और एक उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल भी उनके साथ गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 में खुरेलसुख उखना के चार दिवसीय भारत दौरे के दौरान घोषणा की थी कि अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्या-यन के अवशेष भी मंगोलिया भेजे जाएंगे। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच सदियों पुराने बौद्ध संबंधों को और मजबूत करने वाला कदम बताया था।

14 अक्टूबर 2025 को संयुक्त संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के रिश्ते केवल राजनयिक संबंधों तक सीमित नहीं हैं।

टीएमसी को झटका, सांसद काकोली घोष ने सभी पदों से दिया इस्तीफा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और चार बार की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बुधवार को पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया।

बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने अपना इस्तीफा पत्र तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजा।

अपने पत्र में उन्होंने लिखा, 'बेहद पीड़ा और चिंता के साथ मैं अखिल भारतीय तृणमूल महिला कांग्रेस की चेयरपर्सन समेत पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों, समितियों और जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे रही हूं।

उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से लोकसभा में पार्टी के मौजूदा मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी पर निशाना साधा, जिन्होंने उनकी जगह यह पद संभाला था।

काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि जब एक महिला सांसद के प्रति किसी 'अशिक्षित और अभद्र' पार्टी सांसद के व्यवहार को रोका नहीं जा सकता और पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से सहयोग व सहानुभूति नहीं मिलती, तब किसी पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं रह जाता।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा कुछ नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को दबाने की कोशिशों से वह बेहद आहत हैं। अपने पत्र में उन्होंने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में अगस्त 2024 में एक जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना पर पार्टी नेतृत्व के रवैये को लेकर भी निराशा जताई।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह तृणमूल कांग्रेस की सामान्य सदस्य बनी रहेंगी।

उनका यह कदम ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही उन्होंने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक समीक्षा बैठक में बारासात की सांसद के रूप में हिस्सा लिया था।

इससे पहले काकोली घोष दस्तीदार बारासात में तृणमूल कांग्रेस की जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुकी हैं।

बताया जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व से उनकी नाराजगी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद बढ़ी, जब ममता बनर्जी ने उन्हें हटाकर लोकसभा में पार्टी का मुख्य सचेतक बदल दिया था।

उस समय उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट भी किया था, जिसमें लिखा था, '1976 से उन्हें जानती हूं, 1984 से साथ चल रही हूं। चार दशक की वफादारी का यही इनाम मिला।

स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट एएमसीए के लिए आरएफपी जारी, कॉन्ट्रैक्ट साइन होने के 30 महीने में देना होगा पहला प्रोटोटाइप

नई दिल्ली। भारत ने अपने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर प्रोग्राम एएमसीए की रफ्तार तेज कर दी है। इसी कड़ी में रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एएमसीए के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी कर दिया। आरएफपी के मुताबिक, 11 जून से बिडिंग प्रक्रिया शुरू होगी और 27 जुलाई इसकी अंतिम तारीख होगी। 28 जुलाई को बिड खोली जाएगी। आरएफपी के अनुसार, कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर होने के 30 महीने के भीतर पहले प्रोटोटाइप की उड़ान की समय-सीमा तय की गई है। कुल पांच लो-ऑब्जर्वेबल फाइटर जेट प्रोटोटाइप तैयार किए जाने हैं।

भारत सरकार की एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) एएमसीए के विकास के लिए संभावित बोलीदाताओं से खरीद प्रक्रिया में भागीदारी मांगी है। एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) एक पांचवीं पीढ़ी का, मध्यम भार वर्ग का, बहुउद्देश्यीय, दो इंजन वाला और कम दृश्यता क्षमता से लैस लड़ाकू विमान है, जिसे भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की आवश्यकताओं के आधार पर डिजाइन और विकसित किया जा रहा है। एडीए द्वारा उपलब्ध कराए गए डिजाइन डेटा और ड्रॉइंग्स के आधार पर एएमसीए के पांच प्रोटोटाइप तथा एक स्ट्रक्चरल टेस्ट स्पेसिमेन का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा विभिन्न परीक्षण सुविधाओं की स्थापना भी की जाएगी। बिडर को इस आरएफपी के तहत एएमसीए की फ्लाइट टेस्टिंग और टाइप सर्टिफिकेशन गतिविधियों में सहयोग देना होगा। विमान को इक्विपमेंट स्टैंडर्ड ऑफ प्रिपरेशन (ईएसओपी) के अनुरूप कॉन्फिगर किया जाएगा तथा इसमें संचालन, परीक्षण और मूल्यांकन के लिए आवश्यक लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स और ऑनबोर्ड सिस्टम शामिल किए जाएंगे।

एएमसीए की शॉर्टलिस्टिंग प्रक्रिया में तीन निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाले कंसोर्टियम सामने आए हैं, जिनमें टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो-भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत फोर्ज-बीईएमएल शामिल हैं।

संक्षिप्त खबर

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 3 दिन के लिए धारा 163 लागू, नियम तोड़ने वालों पर होगा सख्त एक्शन

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने कानून व्यवस्था बनाए रखने और शांति व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)-2023 की धारा 163 लागू कर दी है। यह आदेश तीन दिन के लिए, 28 मई से 30 मई तक प्रभावी रहेगा।

पुलिस आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार इस अवधि में बिना अनुमति धरना, प्रदर्शन, जुलूस, सार्वजनिक सभा और भीड़ एकत्र करने पर प्रतिबंध रहेगा। जारी आदेश में कहा गया है कि ईद-उल-अजहा (बकरीद) के त्योहार के दौरान कुर्बानी, नमाज और अन्य धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। साथ ही विभिन्न किसान एवं अन्य संगठनों द्वारा धरना-प्रदर्शन की भी संभावना है। इन परिस्थितियों को देखते हुए असामाजिक तत्वों द्वारा शांति व्यवस्था भंग किए जाने की आशंका को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त या पुलिस उपायुक्त की पूर्व अनुमति के बिना पांच या उससे अधिक व्यक्ति किसी भी प्रकार का जुलूस, सभा या प्रदर्शन नहीं करेंगे। ड्रोन कैमरे से फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। केवल अधिकृत अनुमति मिलने पर ही इसका उपयोग किया जा सकेगा।

5 साल में एक लाख युवाओं के लिए खेल सुविधाएं बनाने का संकल्प, जन्मदिन पर बोले नितिन गडकरी

नागपुर। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी 27 मई को 68 साल के हो गए हैं। इस मौके पर उन्हें देश के प्रधानमंत्री से लेकर तमाम नेताओं और शुभचिंतकों ने बधाई दी है। वहीं नितिन गडकरी का कहना है कि जो उम्र मिली है, उसमें समाज और गरीब व्यक्तियों के लिए कुछ करने की प्रेरणा उन्हें लोगों से मिलती रहती है। लोगों का प्रेम और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

नागपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान नितिन गडकरी ने कहा कि वह नागपुर लोकसभा के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने संकल्प लिया है कि पांच साल के अंदर एक लाख युवाओं के खेलने के लिए सुविधाएं मुहैया कराएंगे। खेल और संस्कृति से ही भविष्य की पीढ़ी का निर्माण होता है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत के लोगों के लिए जैविक खेती जैसे तमाम कामों में सहयोग करेंगे, जिससे किसानों को आत्महत्या न करनी पड़े। गांव समृद्ध और संपन्न बनें, इसके लिए प्रयास किया जाएगा। जब तक ताकत रहेगी, तब तक वह उनके लिए काम करने की कोशिश करेंगे।

नितिन गडकरी ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों और संस्थाओं के साथ मिलकर उन्होंने नागपुर में 25 लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। पौधे तैयार किए जा रहे हैं और उन्हें बांटने की प्रक्रिया चल रही है। पर्यावरण को शुद्ध रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि कैंसर के मरीजों को लगने वाला इंजेक्शन बहुत महंगा है। उन्होंने विचार किया है कि क्यों न बाहर से आयात करने के बाद इन्हें आधे से भी कम कीमत पर उपलब्ध कराया जाए। तेल की कीमतों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि नागपुर नगर निगम ने एक प्लांट तैयार किया है, जहां कचरे से रोजाना 28 टन सीएनजी तैयार की जाएगी।

केरल : भाजपा ने बीबी गोपकुमार को एनडीए विधायक दल का नेता बनाया

तिरुवनंतपुरम। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को चथन्नूर विधायक बी.बी. गोपकुमार को केरल विधानसभा में भाजपा/एनडीए विधायक दल का नेता नियुक्त किए जाने पर बधाई दी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि गोपकुमार का पंचायत सदस्य से लेकर विधायक और अब एनडीए विधायक दल के नेता तक का सफर उनकी वर्षों की मेहनत, समर्पण और जनता के प्रति सेवा भावना को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गोपकुमार विधानसभा में एनडीए का नेतृत्व करते हुए केरल के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे।

राजीव चंद्रशेखर ने बी.बी. गोपकुमार से मुलाकात भी की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि वह बी.बी. गोपकुमार को गले लगा रहे हैं। भाजपा के केरल इकाई के पोस्ट में बीबी गोपकुमार की राजनीतिक यात्रा और योगदान की सराहना की गई। पोस्ट में कहा गया कि वे चथन्नूर की राजनीति में बदलाव लाने वाले प्रमुख नेता हैं, जिन्होंने लंबे समय से चली आ रही पारंपरिक राजनीतिक व्यवस्थाओं को चुनौती दी और विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है।

पार्टी ने उन्हें एक शिक्षक और संगठनात्मक रूप से मजबूत कार्यकर्ता बताया, जिन्होंने 'गोपालन सर' के रूप में जनता के बीच पहचान बनाई है। भाजपा ने यह भी कहा कि वे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में सफल रहे हैं और उनके प्रयासों से पार्टी का जनाधार बढ़ा है।

पोस्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि गोपकुमार के नेतृत्व में चथन्नूर में विकास और पारदर्शी शासन की दिशा में काम होगा तथा केंद्र सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। बीबी गोपकुमार के चयन को केरल विधानसभा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम बताया जा रहा है। यहां पहली बार एनडीए ने स्पीकर पद के लिए भी उम्मीदवार उतारा था।

बता दें कि केरल विधानसभा के चुनाव में भाजपा के तीन उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इसमें चथन्नूर विधानसभा क्षेत्र से बी.बी. गोपकुमार, कजहाकूट्टम से वी. मुरलीधरन और नेमोम सीट से प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर विजयी रहे हैं।

कोलकाता के लेक टाउन में लियोनल मेसी की हिलती मूर्ति टीएमसी के पतन का प्रतीक

कोलकाता। महान फुटबॉलर लियोनल मेसी पिछले साल दिसंबर में कोलकाता के दौरे पर थे। फुटबॉल के दिवाने इस शहर में अर्जेंटीना के कप्तान मेसी की 64 फुट की मूर्ति लगाई गई थी। उस समय मेसी की इस मूर्ति को उनके प्रति सम्मान की दृष्टि से देखा गया था, लेकिन अब इस मूर्ति को लेकर विवाद हो गया है। मूर्ति अपनी खराब निर्माण गुणवत्ता के कारण चर्चा में है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, तेज हवा चलने पर मूर्ति हिलती दिखाई देती है। मूर्ति एक व्यस्त चौराहे के पास स्थापित है। ऐसे में लोगों में डर पैदा हो गया है कि कहीं यह गिर न जाए और इस वजह से कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए। कुछ लोगों का मानना है कि मेसी की मूर्ति टीएमसी सरकार के दौरान बनी थी। अब मूर्ति का हिलना टीएमसी सरकार के पतन को दिखा रहा है।

अधिकारियों द्वारा जांच किए जाने पर कथित तौर पर पाया गया कि मूर्ति के प्राथमिक फ्रेमवर्क में कई स्क्रू ढीले हो चुके थे और संरचना पर्याप्त मजबूत नहीं थी। फिलहाल इसे रस्सियों के सहारे बांधकर सुरक्षित रखने की कोशिश की जा रही है।

इस पूरे मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लंबे शासन को समाप्त करने के बाद इस मुद्दे को सरकार की कार्यशैली से जोड़ना शुरू कर दिया। आलोचकों का कहना है कि यह मूर्ति दिखावे की राजनीति का एक प्रतीक है, जिसमें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट तो शुरू होते हैं लेकिन उनकी बुनियादी मजबूती पर ध्यान नहीं दिया जाता।

पूर्व सीएम विजयन के आवास के बाहर ईडी अधिकारियों पर सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने किया हमला, वाहनों में की तोड़फोड़

केरल। तिरुवनंतपुरम में पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास के बाहर उस वक्त भारी हंगामा मच गया, जब सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों की गाड़ी पर हमला कर दिया। ये कार्यकर्ता केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) मामले में केरल के 10 ठिकानों पर एजेंसी द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया था।

तिरुवनंतपुरम में भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है।

जानकारी के मुताबिक ईडी अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास पर छापा पूरा कर लिया था और जब वे वहां से निकल रहे थे, तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके वाहनों को रोक दिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आरोप है कि काफिला निकलने से पहले सीपीआई (एम) के कार्यकर्ताओं ने ईडी के तीन वाहनों को नुकसान पहुंचाया और उन पर पत्थर फेंके।

इस बीच जैसे-तैसे ईडी के अधिकारी केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन के आवास से रवाना हुए।

वहीं, ईडी की तलाशी के मामले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन ने मीडिया से कहा कि काफी समय से ईडी मेरे घर पर तलाशी लेना चाहती थी। मुझे लगता है कि इस तलाशी से कुछ लोगों को खासकर राहुल गांधी जैसे किसी व्यक्ति को बहुत संतुष्टि मिलेगी। राहुल गांधी ने प्रचार के दौरान यही सवाल पूछा था कि पिनाराई विजयन के घर पर छापा क्यों नहीं मारा जा रहा है और पिनाराई विजयन को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। भाजपा सरकार देश में विपक्षी नेताओं पर हमेशा से जानबूझकर हमले करती रही है। इसके खिलाफ पूरे देश में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। विजयन ने कहा कि कांग्रेस का रुख यह है कि उनकी अपनी पार्टी को छोड़कर बाकी पार्टियों के खिलाफ ईडी की दखलंदाजी जारी रहनी चाहिए। इनमें से कोई भी चीज हमें खत्म नहीं कर पाएगी।

भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस के संयुक्त ऑपरेशन में 115 किलो कोकीन जब्त

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने गुजरात एटीएस के साथ मिलकर समुद्री रास्ते से नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने में बड़ी सफलता हासिल की है। 25-26 मई की रात मुंद्रा तट के पास दोनों एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाया। इस खुफिया जानकारी पर आधारित कार्रवाई में उन्होंने 115 किलोग्राम कोकीन जब्त कर ली।अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

गुजरात एटीएस से मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की इंटरसेप्टर नौकाओं ने मुंद्रा एंकरेज इलाके में बड़ा तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में एटीएस के जवान भी इन नौकाओं पर सवार थे। इस अभियान के दौरान मुंद्रा से लगभग पांच नॉटिकल मील दूर लंगर डाले एक कंटेनर जहाज एमवी यूरोप पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। जिसमें कुछ बैग जहाज से बाहर समुद्र में फेंके जाते हुए दिखे।

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस की संयुक्त टीम ने बहुत तेजी दिखाई। दोनों एजेंसियों के बीच बेहतरीन तालमेल था। टीम तुरंत उस जगह पर पहुंच गई और रात के अंधेरे में कम रोशनी और मुश्किल हालात के बावजूद समुद्र से पांच बैग सफलतापूर्वक बरामद कर लिए। जांच करने पर, बैगों में सफेद पाउडर जैसे पदार्थ के पैकेट मिले, जिनकी जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई।

इस अभियान के दौरान कुल 115 पैकेट जब्त किए गए, जिनमें से हर पैकेट का वजन लगभग एक किलोग्राम था। इस तरह कुल मिलाकर लगभग 115 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया।

खुले स्रोतों से मिले अनुमानों के अनुसार, जब्त किए गए नशीले पदार्थों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1,150 करोड़ रुपए है। इसके बाद, जहाज को आगे की जांच के लिए बंदरगाह पर लाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आईसीजी, एटीएस गुजरात और अन्य संबंधित एजेंसियों द्वारा संयुक्त जांच अभी भी जारी है। यह सफल अभियान एक बार फिर आईसीजी और एटीएस गुजरात के बीच मजबूत तालमेल और ऑपरेशनल समन्वय को उजागर करता है।

बालवाटिका से बदल रही बुनियादी शिक्षा की तस्वीर, यूपी सरकार प्री-प्राइमरी शिक्षा की मजबूत कर रही नींव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार शिक्षा सुधार को प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के साथ-साथ प्री-प्राइमरी स्तर तक मजबूत करने में जुटी हुई है। प्रदेश के समस्त को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए गतिविधि आधारित आधुनिक शिक्षण सामग्री का वितरण शुरू किया गया है।

'चहक-1, 2, 3', 'कदम', 'कलांकुर', बिग बुक, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड और बालवाटिका पुस्तिका जैसी सामग्री के माध्यम से अब लाखों नौनिहालों को शुरुआती शिक्षा का नया और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

योगी सरकार की यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उस विजन को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) को बच्चों की सीखने की बुनियाद माना गया है। अब उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं को केवल पोषण और देखभाल तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रारंभिक शिक्षा और गतिविधि आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश के सभी को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में आयु वर्ग के अनुसार शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अंतर्गत 'चहक-1', 'चहक-2', 'चहक-3', 'कदम', 'कलांकुर', बालवाटिका हस्तपुस्तिका, 12 प्रकार की बिग बुक, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड और शिक्षण तालिकाएं वितरित की जाएंगी। प्रदेश में पहले ही बेसिक शिक्षा के अंतर्गत बड़े स्तर पर स्मार्ट स्कूल, ऑपरेशन कायाकल्प, डिजिटल मॉनिटरिंग और निपुण भारत मिशन जैसे अभियान संचालित किए जा रहे हैं। अब प्री-प्राइमरी शिक्षा को भी उसी व्यापक शिक्षा सुधार अभियान से जोड़ते हुए बच्चों की शुरुआती सीखने की क्षमता को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

2019 बंगाल चुनाव के बाद हिंसा मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, कादिर मुल्ला समेत 10 गिरफ्तार

कोलकाता। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को बताया कि पश्चिम बंगाल में 2019 लोकसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार किए गए 10 आरोपियों में अब्दुल कादर मुल्ला भी शामिल है, जो निलंबित तृणमूल कांग्रेस नेता शेख शाहजहां का सबसे भरोसेमंद सहयोगी बताया जाता है। शेख शाहजहां उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली से जुड़ा हुआ कुख्यात नेता है और फिलहाल जेल में है। उसे 5 जनवरी 2024 को अपने आवास के बाहर ईडी अधिकारियों पर हमले का मास्टरमाइंड माना गया था।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, यह गिरफ्तारी 8 जून 2019 को संदेशखाली क्षेत्र के नजत में हुए उस मामले से जुड़ी है, जिसमें तीन भाजपा कार्यकर्ताओं देबदास मंडल, प्रदीप मंडल और सुकांत मंडल की हत्या हुई थी। बताया गया कि उस समय तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच पार्टी झंडा लगाने को लेकर झड़प हुई थी, जिसमें आरोप है कि अब्दुल कादर मुल्ला और उसके साथियों ने शेख शाहजहां के कहने पर इन लोगों की हत्या की थी।

इस मामले की शुरुआती जांच पश्चिम बंगाल पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने की थी। हालांकि, सीआईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट में 28 आरोपियों के नाम नहीं जोड़े गए थे, जिनमें शेख शाहजहां का नाम भी शामिल था।

इसके बाद पीड़ित परिवार ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सीबीआई जांच की मांग की। परिवार ने आरोप लगाया कि सीआईडी ने जानबूझकर शाहजहां और उसके सहयोगियों के नाम चार्जशीट से हटा दिए। अदालत ने दलीलों को सही मानते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिए थे।

सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए अब्दुल कादर मुल्ला और अन्य नौ आरोपी तब से फरार चल रहे थे। अब केंद्रीय एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सर्वाइकल कैंसर से लड़ाई में बेहद जरूरी एचपीवी वैक्सीन, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

नई दिल्ली । कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसका अंदेशा भी डर पैदा करने के लिए काफी है। आज की अनियमित जीवनशैली में यह आम बीमारी भी बन चुका है। हालांकि, इससे बचाव का तरीका भी है। हेल्थ एक्सपर्ट सर्वाइकल कैंसर के प्रति आगाह करते हुए एचपीवी (ह्यूमन पैपीलोमा वायरस) वैक्सीन के महत्व के बारे में जानकारी देते हैं। साथ ही बताते हैं कि यह क्यों जरूरी है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) सर्वाइकल कैंसर से लड़ने के लिए एचपीवी वैक्सीन को बढ़ावा देने की अपील की है। उत्तर प्रदेश में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि यह वैक्सीन किशोरियों को जीवनभर के लिए इस खतरनाक बीमारी से सुरक्षा प्रदान करती है।

उन्होंने बताया, 'चेचक और पोलियो का खात्मा करने के बाद अब हम गर्भाशय मुख के कैंसर से लड़ने के लिए तैयार हैं।' प्रधानमंत्री के निर्देशन में एचपीवी वैक्सीन को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि अपनी 14 वर्ष की बेटियों को यह टीका अवश्य लगवाएं।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर के खतरे से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह टीका किशोरियों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक प्रभावी कदम है।' उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन पूरे उत्तर प्रदेश में हर जगह उपलब्ध है।

अब सवाल है कि यह वैक्सीन कैसे लगवाएं? तो एक्सपर्ट बताते हैं कि अपने नजदीकी आशा बहन, एएनएम दीदी या स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करके अपनी 14 साल की बेटी का एचपीवी टीकाकरण करवा सकते हैं। देर करने से यह खतरनाक हो सकता है यह बेटियों के लिए सुरक्षा कवच की तरह है।

सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसर में प्रमुख कारणों में से एक है। ऐसे में एचपीवी वैक्सीन नामक वायरस से यह बीमारी होती है।

वैक्सीनेसन से इस वायरस के संक्रमण को रोका जा सकता है, जिससे भविष्य में कैंसर का खतरा काफी कम हो जाता है। 14 वर्ष की उम्र इस टीके के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है।

डॉक्टर्स का कहना है कि यह टीका लगवाने से बेटियां जीवनपर्यंत सर्वाइकल कैंसर से निजात पा सकती हैं। यह न सिर्फ लड़कियों के स्वास्थ्य की रक्षा करता है बल्कि परिवार और समाज को भी स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है।

चांद के साउथ पोल पर लूनर ड्रोन और रोबोटिक रोवर भेजेगा नासा, जानें कब लॉन्च होगा 'मूनफॉल ड्रोन मिशन'

वॉशिंगटन । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने चांद पर इंसानों की लंबे समय तक लगातार मौजूदगी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी ने चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में ऑटोनॉमस लूनर ड्रोन, रोबोटिक रोवर और मजबूत कम्युनिकेशन नेटवर्क तैनात करने की विस्तृत योजनाओं के बारे में जानकारी दी है।

नासा मुख्यालय में मून बेस कार्यक्रम की ब्रीफिंग के दौरान अधिकारियों ने बताया कि अब सिर्फ चांद पर उतरने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि वहां स्थायी ऑपरेशनल फॉर्मेट तैयार किया जाएगा। यह भविष्य के आर्टेमिस मिशन्स, वैज्ञानिक खोज और मंगल ग्रह अभियान के लिए आधार बनेगा।

इस रणनीति का प्रमुख हिस्सा मूनफॉल ड्रोन मिशन है। यह ड्रोन चांद के रहस्यमयी इलाकों के बारे में पता लगाने, पानी की बर्फ की खोज करेगा और भविष्य के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सुरक्षित लैंडिंग साइट तैयार करेगा। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) इन ड्रोन्स का निर्माण कर रही है, जबकि फायरफ्लाई एयरोस्पेस को कैरियर यान बनाने का जिम्मा सौंपा गया है। इस मिशन को साल 2028 में लॉन्च करने का लक्ष्य है।

ये ड्रोन चांद की सतह पर धीरे-धीरे आगे बढ़ेंगे। खासतौर पर दक्षिणी ध्रुव के उन गहरे क्रेटर्स की खोज करेंगे जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती। ड्रोन हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरें लेंगे, सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से नक्शा बनाएंगे और चांद के अत्यधिक ठंडे तापमान में काम करने वाली नई तकनीकों का परीक्षण करेंगे।

मून बेस प्रोग्राम के एग्जीक्यूटिव कार्लोस गार्सिया गोलान ने बताया, 'ये ड्रोन हमें चांद के गहरे इलाकों की पड़ताल करने और वहां की वास्तविक स्थिति जानने में मदद करेंगे।'

नासा के अनुसार, भविष्य का मून बेस किसी छोटे स्टेशन जैसा नहीं, बल्कि सैकड़ों वर्ग मील में फैले शहर जैसा होगा। रहने की जगहें ऊंची चोटियों पर बनाई जाएंगी जहां सूरज की रोशनी मिल सके, जबकि न्यूक्लियर पावर सिस्टम सुरक्षा कारणों से कई किलोमीटर दूर रखे जाएंगे।

मेन आर्किटेक्ट नुजोद मेरेंसी ने बताया, 'जैसे-जैसे निर्माण आगे बढ़ेगा, यह धीरे-धीरे एक फैले हुए शहर जैसा रूप ले लेगा।'

एजेंसी चांद के चारों ओर एक मजबूत संचार और नेविगेशन नेटवर्क भी विकसित कर रही है। इसमें सैटेलाइट्स का समूह शामिल होगा जो रोबोटिक और मानव अभियानों को निरंतर सहायता प्रदान करेगा।

नासा एडमिनिस्ट्रेटर जेरेड आइजकमैन ने इसे स्पेस एक्सप्लोरेशन में बड़े बदलाव का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि नासा पूर्ण दक्षता और स्पष्ट उद्देश्य के साथ ऐसे मिशन कर रहा है।

इबोला की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है केंद्र सरकार, भारत में अब तक कोई पुष्ट मामला नहीं

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दक्षिण अफ्रीका में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मौजूदा समय में वह पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सरकार ने बयान में कहा कि इबोला वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए सभी प्रकार के एहतियात बरते जा रहे हैं। हाल ही में एक व्यक्ति युगांडा से आया था, जिसमें इस वायरस को लेकर कुछ लक्षण देखे गए थे, जिसके बाद उसे फौरन बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, राहत की बात यह है कि ये लक्षण हल्के थे। जैसे शरीर में खुजली होना लेकिन उसे उसे एहतियातन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, ताकि आगे स्थिति चुनौतीपूर्ण न हो जाए।

अधिकारियों के मुताबिक, मामूली लक्षण के बावजूद भी वो शख्स स्वस्थ है, उसे किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो रही है। टेस्ट के बाद उसके सैंपल को प्रयोगशाला परीक्षण के लिए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान जांच के लिए भेज दिया गया है। हालांकि, अब इबोला वायरस को लेकर उस व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि राज्य के संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। साथ ही, यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी किए गए दिशानिर्देशों का पालन करने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। वहीं, सरकार की ओर से स्वीकार नहीं की जाए। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक की जांच में भारत में इबोला वायरस के एक भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है।

सरकार के मुताबिक, सभी प्रवेश द्वारों पर जांच पड़ताल तेज कर दी गई है। खासकर, उन जगहों से जहां से लोगों का सीधा आगमन भारत में होता है। जैसे, एयरपोर्ट और सीमा क्षेत्र से जुड़े स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच तेज कर दी गई है, ताकि निगरानी के दौरान किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। वहीं, सरकार की ओर से अधिकारियों को सलाह दी गई है कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। इसके इतर, इबोला वायरस के संबंध में किसी भी प्रकार की झूठी अफवाह नहीं फैलाई जाए। सिर्फ आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए हम पूरी तरह से चौकस हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस वायरस के प्रकोप की वजह से किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा नहीं हो। इसके इतर, वायरस के प्रकोप के प्रसार को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ प्रतिक्रिया तंत्र को भी सुदृढ़ करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला बुंडीबुग्यो का प्रकोप वर्तमान में पुष्टि किए गए आंकड़ों से कहीं अधिक बड़ा होने की संभावना है ।

स्पेस में इमरजेंसी के लिए कैसे तैयार होते हैं एस्ट्रोनॉट्स, जानें क्या है 'ऑफ-नॉमिनल सिनेरियो'

नई दिल्ली। स्पेस में किसी भी मिशन के दौरान आपातकालीन स्थिति आ सकती है। ऐसे में ये सवाल आम है कि ऐसी परिस्थितियों के लिए एस्ट्रोनॉट्स को कैसे तैयार किया जाता है? भारतीय वायुसेना के कैप्टन व एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला का एक पुराना वीडियो सामने आया, जिसमें वह इस विषय पर विस्तार से जानकारी देते नजर आए।

उन्होंने बताया कि एस्ट्रोनॉट्स की ट्रेनिंग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा आपात स्थितियों से निपटने का अभ्यास है। शुभांशु शुक्ला के अनुसार, एस्ट्रोनॉट्स अपना लगभग 80 प्रतिशत समय सही-सही मिशन की रिहर्सल में नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों की तैयारी में बिताते हैं जब चीजें गलत हो जाएं। एयरोस्पेस की भाषा में इसे 'ऑफ-नॉमिनल सिनेरियो' कहा जाता है। इसका मतलब है- 'जब सब कुछ योजना के अनुसार न चले तो क्या करना है।'

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर सबसे गंभीर आपात स्थितियां आग लगने या जहरीली गैस रिसाव की होती हैं। इनसे निपटने के लिए एस्ट्रोनॉट्स को विस्तृत और व्यवस्थित ट्रेनिंग दी जाती है। सबसे पहले नियम है - खुद को सुरक्षित करें। अगर एस्ट्रोनॉट खुद असुरक्षित है तो वह दूसरों की मदद नहीं कर सकता। एक स्वस्थ और सक्षम एस्ट्रोनॉट पूरे क्रू को बचाने में मदद कर सकता है।

शुभांशु शुक्ला वीडियो में इमरजेंसी ऑक्सीजन मास्क पहनकर दिखाते नजर आए। उन्होंने बताया, यह मास्क तब काम आता है जब स्पेस स्टेशन में जहरीली गैस रिसाव हो। यह मास्क देखने में साइंस-फिक्शन फिल्म जैसा लगता है, लेकिन इसकी डिजाइन पूरी तरह व्यावहारिक है। तनाव की स्थिति में यह आसानी से फूल जाता है।

उन्होंने हवाई जहाज की सुरक्षा घोषणा का उदाहरण देते हुए कहा कि 'पहले खुद का ऑक्सीजन मास्क लगाएं, फिर दूसरों की मदद करें' वाली सलाह सिर्फ प्लेन के लिए नहीं है। यह सिद्धांत पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष में भी लागू होता है। अंतरिक्ष मिशन बेहद जटिल होते हैं। छोटी-सी गलती भी जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए एस्ट्रोनॉट्स को बार-बार ऑफ-नॉमिनल सिनेरियो की ट्रेनिंग दी जाती है ताकि असली संकट में वे शांत रहकर सही फैसले ले सकें।

बांग्लादेश के अस्पताल में एसी गैस लीक से छह नवजातों की मौत, जांच शुरू

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के मोघबाजार स्थित अद-दीन अस्पताल में मंगलवार देर रात एक बड़ा हादसा पेश आया। एक वार्ड में एयर कंडीशनिंग सिस्टम से गैस लीक होने के चलते छह नवजातों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

ढाका ट्रिब्यून ने रामना डिवीजन के डिप्टी पुलिस कमिश्नर शेख जाहिदुल इस्लाम के हवाले से इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अस्पताल के एक वार्ड में एसी सिस्टम में खराबी आने के बाद गैस रिसाव हुआ, जिसके बाद वहां भर्ती नवजातों की हालत बिगड़ती चली गई और छह की मौत हो गई।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि वार्ड में कुल 11 महिलाएं और उनके नवजात बच्चे भर्ती थे। शुरुआत में कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर

उन्हें एनआईसीयू में ले जाया गया, लेकिन बाद में उन्हें वापस वार्ड में शिफ्ट किया गया।

मरीजों के परिजनों ने आरोप लगाया कि रात में पर्याप्त डॉक्टर और नर्स मौजूद नहीं थे और समय पर बच्चों को जरूरी चिकित्सा नहीं मिल पाई।

मृतक नवजात की एक परिजन ने ढाका ट्रिब्यून से कहा कि उन्हें बताया गया था कि बच्ची आईसीयू में है, लेकिन घंटों इंतजार के बाद पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) आयुक्त ने कहा कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि एसी बंद और फिर दोबारा चालू किए जाने के दौरान स्थिति बिगड़ी, जिसके बाद कई बच्चों की हालत गंभीर हो गई।

फिलहाल क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) की टीम मौके पर जांच कर रही है, और घटना के कारणों की विस्तृत पड़ताल जारी है। बांग्लादेश की चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था की गवाही खसरे का बढ़ता प्रकोप भी दे रहा है। खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। 15 मार्च 2026 से 26 मई (सुबह 8 बजे) तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है।

गर्दन-पीठ की जकड़न, तो कमर दर्द से परेशान? दूर करने का आसान उपाय है 'सेतुबंधासन'

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में अब केवल 25 दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार विभिन्न योगासनों की जानकारी दे रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने सेतुबंधासन के अभ्यास से मिलने वाले फायदों के बारे में जानकारी देते हुए रोजाना इसका अभ्यास करने की अपील की।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह सरल योगाभ्यास गर्दन में अकड़न, पीठ के निचले हिस्से में जकड़न और शरीर के लचीलेपन की कमी को दूर करने में बेहद कारगर है।

आजकल की व्यस्त जीवनशैली, लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल पर काम करने और गलत मुद्रा में बैठने के कारण कई लोग गर्दन में अकड़न, कमर के निचले हिस्से में जकड़न और शरीर में लचीलेपन की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ये समस्याएं धीरे-धीरे दैनिक जीवन को प्रभावित करती हैं। चलने-फिरने में दिक्कत, थकान महसूस होना और तनाव बढ़ना आम बात हो गई है। मंत्रालय के अनुसार, सेतुबंधासन इन समस्याओं का सरल और प्राकृतिक समाधान है। सेतुबंधासन को ब्रिज पोज भी कहा जाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है, गर्दन और कंधों के तनाव को कम करता है तथा पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव पैदा करता है।

कोलकाता में होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन : प्रतापराव जाधव

खजुराहो । केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने मध्य प्रदेश की पर्यटन नगरी खजुराहो मे 'योग महोत्सव 2026' के दौरान घोषणा की है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 का मुख्य समारोह 21 जून को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय आयुष मंत्री जाधव ने बताया कि इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखी गई है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली में

योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के पश्चिमी समूह मंदिर परिसर में आयोजित 'योग महोत्सव 2026' को काउंटडाउन की शुरुआत का प्रतीक माना गया है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों योग साधकों ने सामूहिक रूप से कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया।

सभा को संबोधित करते हुए जाधव ने कहा कि भारत की पारंपरिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना से समृद्ध कोलकाता आईडीवाई 2026 के मुख्य आयोजन की मेजबानी करेगा। 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम बढ़ती आयु में समग्र स्वास्थ्य और संतुलित जीवन के लिए योग की बढ़ती प्रासंगिकता को दर्शाती है। खजुराहो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के कारण भारत की प्राचीन परंपराओं और वेलनेस संस्कृति के समन्वय का प्रतीक है।

आईपीएल 2026: वैभव की तूफानी बल्लेबाजी, एसआरएच को 47 रन से रौंदकर 'क्वालीफायर-2' में आरआर

न्यू चंडीगढ़। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 'एलिमिनेटर' मैच में 47 रन से मात देकर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने 'क्वालीफायर-2' में जगह बना ली है, जहां 29 मई को इस टीम का सामना गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। क्वालीफायर-2 जीतने वाली टीम 31 मई को खिताबी मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी।

बुधवार को महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी राजस्थान रॉयल्स ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 243 रन बनाए। इस टीम को वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 48 गेंदों में 125 रन की साझेदारी की।

वैभव ने 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 29 गेंदों में 12 छक्कों और 5 चौकों के साथ 97 रन की पारी खेली, जबकि

जायसवाल ने 29 गेंदों में 29 रन जुटाए। आरआर ने 137 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे।

यहां से कप्तान रियान पराग ने ध्रुव जुरेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 21 गेंदों में 55 रन की साझेदार की। ध्रुव ने 21 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 50 रन बनाए। इनके अलावा, डोनोवन फरेरा और रवींद्र जडेजा ने 12-12 रन टीम के खाते में जोड़े।

विपक्षी खेमे से प्रफुल हिंगे ने 54 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। इसके अलावा, ईशान किशन, शिवांग कुमार और नितीश रेड्डी ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद 19.2 ओवरों में 196 रन पर सिमट गई। इस टीम को दूसरी गेंद पर अभिषेक शर्मा (0) के रूप में बड़ा झटका लग गया था, जिसके बाद ईशान किशन ने ट्रेविस हेड के साथ दूसरे विकेट के लिए महज 15 गेंदों में 51 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी, लेकिन ईशान (33) के पवेलियन लौटते ही टीम बिखर गई। आलम ये रहा कि एसआरएच ने 6.5 ओवरों में अपने 5 विकेट गंवा दिए थे। अभी तक टीम के खाते में सिर्फ 81 रन ही जुड़े थे। इसके बाद सलिल अरोड़ा ने नितीश रेड्डी के साथ छठे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। नितीश 38 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सलिल ने 35 रन की पारी खेली।

फ्रेंच ओपन में सिनर का जलवा, पिछले साल की हार भुलाकर पहले दौर में हासिल की शानदार जीत

पेरिस। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर मंगलवार को पिछले साल की निराशा वाली जगह पर एक शानदार प्रदर्शन के साथ लौटे और फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में धमाकेदार एंट्री की।

कोर्ट फिलिप-चैट्रियर पर रोशनी के नीचे खेलते हुए, इस इटैलियन खिलाड़ी ने अपने पहले राउंड के मुकाबले में फ्रेंच वाइल्ड कार्ड क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर एक जबरदस्त प्रदर्शन किया।

लाल बजरी पर सिनर की इस पहली जीत ने उन्हें इस सदी में लगातार 30 या उससे ज्यादा मैच जीतने वाले पुरुषों की एक छोटी सी लिस्ट में शामिल कर दिया है, जिसमें रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच भी शामिल हैं। सिनर के लिए, फ्रेंच ओपन में वापसी सिर्फ़ एक आम पहले राउंड के मुकाबले से कहीं ज्यादा मायने रखती थी। 12 महीने पहले, इसी कोर्ट पर उन्हें अपने करियर की सबसे दर्दनाक हार में से एक का सामना करना पड़ा था, जब फाइनल में कार्लोस अल्कराज के खिलाफ उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट गंवा दिए थे। लेकिन अगर उस हार के कोई जख्म बाकी भी थे, तो टैबुर के खिलाफ उनके शांत और सधे हुए प्रदर्शन में उनका कोई निशान नहीं दिखा।

सिनर ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में कहा, 'मैं यहां वापस आकर बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है और यहां मेरी बहुत अच्छी यादें जुड़ी हैं। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, लेकिन रात के सेशन में टूर्नामेंट की शुरुआत करना और भी खास होता है।

फिजियो क्लिफ डीकन को हटाए जाने से नाखुश पाकिस्तानी खिलाड़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कई खिलाड़ी, खासकर तेज गेंदबाज, लंबे समय से टीम के साथ जुड़े फिजियो क्लिफ डीकन को हटाए जाने से नाखुश हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से अपने इस फैसले पर दोबारा विचार करने की अपील की है।

डीकन को ऑस्ट्रेलिया की नेशनल क्रिकेट टीम के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान के सपोर्ट स्टाफ से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर बोर्ड ने इफ्तिखार अहमद को टीम का नया फिजियो नियुक्त किया है। 'टेलीकॉम एशिया' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कदम से कई खिलाड़ी निराश हैं, क्योंकि डीकन लंबे समय से राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़े हुए थे।

45 वर्षीय साउथ अफ्रीकी फिजियो साल 2017 से पाकिस्तानी टीम से जुड़े थे। ड्रेसिंग रूम में उन्हें काफी सम्मान की नजर से देखा जाता था, खासकर तेज गेंदबाजों के बीच, जिन्हें व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल के दौरान वर्कलोड और

फिटनेस से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

भले ही पीसीबी ने डीकन को हटाए जाने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया, लेकिन रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि हाल ही में नियुक्त किए गए 'स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन' के डायरेक्टर जावेद मुगल टीम में बार-बार होने वाली चोटों की समस्या से असंतुष्ट थे और उन्होंने इसके लिए डीकन को जिम्मेदार ठहराया।

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, '(जावेद) मुगल ने डीकन को टीम छोड़ने का आदेश दिया था। दूसरे टेस्ट मैच के बाद मैदान पर डीकन के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वह काफी भावुक हो गए उन्होंने टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को गले लगाया।'

हालांकि, खिलाड़ियों ने इस आकलन से असहमति जताते हुए टीम में डीकन की भूमिका का बचाव किया। उनका तर्क था कि खिलाड़ियों के लंबे समय तक चलने वाले रिहैबिलिटेशन से जुड़ी जिम्मेदारियां सीधे तौर पर फिजियो के नियंत्रण में नहीं आतीं।

रिपोर्ट के अनुसार, एक खिलाड़ी ने कहा, 'डीकन का काम बहुत बढ़िया और असरदार था, लेकिन बोर्ड में बैठे लोग यह नहीं समझते कि अनफिट खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन की देखरेख करना फिजियो का काम नहीं होता। फिजियो का काम सिर्फ छोटी-मोटी चोटों को ठीक करना होता है, और डीकन यही कर रहे थे। खिलाड़ियों का रिहैबिलिटेशन एकेडमी में मौजूद सभी सुविधाओं के बीच किया जाता है। उसी सूत्र ने आगे डीकन की, खिलाड़ियों की फिटनेस और चोटों के प्रबंधन को समझने की क्षमता की भी जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'डीकन खिलाड़ियों की फिटनेस से जुड़ी समस्याओं को समझने में माहिर थे। वह किसी भी खिलाड़ी को दूर से देखकर ही बता सकते थे कि उसे फिटनेस से जुड़ी क्या समस्या हो रही है। उनका काम बहुत अच्छा था, और उन्हें टीम से हटाए जाने का फैसला न तो खिलाड़ियों के हित में है और न ही टीम के।'

तमिलनाडु के खेल मंत्री आधव अर्जुन ने शतरंज खिलाड़ी वैशाली को दी 10 लाख की आर्थिक मदद

चेन्नई। तमिलनाडु के खेल मंत्री आधव अर्जुन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए शतरंज खिलाड़ी वैशाली को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की।

लोक निर्माण एवं खेल मंत्री आधव अर्जुन ने बुधवार को नेहरू इंडोर स्टेडियम में तमिलनाडु की शतरंज खिलाड़ी वैशाली को अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता के तौर पर 10 लाख रुपए का चेक सौंपा। इस अवसर पर खेल मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतने में मदद करने के लिए विभिन्न पहल की जा रही है। विशेष रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा रही है और उनकी खेल संबंधी जरूरतों के लिए आवश्यकता आधारित सहायता प्रदान की जा रही है।

चैंपियंस डेवलपमेंट स्कीम (सीडीएस) के तहत 20 साल से कम उम्र के राष्ट्रीय स्तर के स्वर्ण पदक विजेताओं का चयन किया जाता है और उन्हें प्रति वर्ष 4 लाख रुपए तक की आवश्यकता-आधारित सहायता प्रदान की जाती है। इस सहायता में स्पोर्टस ड्रेस, खेल उपकरण, विदेशों में प्रशिक्षण और विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने जैसे खर्च शामिल हैं।

इसके अलावा, 'मेडल इंसेंटिव फॉर इंटरनेशनल मीट्स स्कीम' (एमआईएमएस) के तहत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने की क्षमता रखने वाले एथलीटों को प्रति वर्ष 12 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता खेल उपकरण और सामग्री खरीदने, विदेशों में प्रशिक्षण लेने और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए दी जाती है। इसी तरह, बेहतरीन खिलाड़ियों के लिए बनी 'एलीट स्कीम' के तहत, उन एथलीटों को जरुरत के हिसाब से मदद दी जाती है, जिनमें ओलंपिक और दूसरे अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में मेडल जीतने की काबिलियत होती है।

कोलकाता के लेक टाउन में लियोनल मेसी की हिलती मूर्ति टीएमसी के पतन का प्रतीक

कोलकाता । महान फुटबॉलर लियोनल मेसी पिछले साल दिसंबर में कोलकाता के दौरे पर थे। फुटबॉल के दिवाने इस शहर में अर्जेंटीना के कप्तान मेसी की 64 फुट की मूर्ति लगाई गई थी। उस समय मेसी की इस मूर्ति को उनके प्रति सम्मान की दृष्टि से देखा गया था, लेकिन अब इस मूर्ति को लेकर विवाद हो गया है। मूर्ति अपनी खराब निर्माण गुणवत्ता के कारण चर्चा में है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, तेज हवा चलने पर मूर्ति हिलती दिखाई देती है। मूर्ति एक व्यस्त चौराहे के पास स्थापित है। ऐसे में लोगों में डर पैदा हो गया है कि कहीं यह गिर न जाए और इस वजह से कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए। कुछ लोगों का मानना है कि मेसी की मूर्ति टीएमसी सरकार के दौरान बनी थी। अब मूर्ति का हिलना टीएमसी सरकार के पतन को दिखा रहा है।

अधिकारियों द्वारा जांच किए जाने पर कथित तौर पर पाया गया

कि मूर्ति के प्राथमिक फ्रेमवर्क में कई स्क्रू ढीले हो चुके थे और संरचना पर्याप्त मजबूत नहीं थी। फिलहाल इसे रस्सियों के सहारे बांधकर सुरक्षित रखने की कोशिश की जा रही है।

इस पूरे मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लंबे शासन को समाप्त करने के बाद इस मुद्दे को सरकार की कार्यशैली से जोड़ना शुरू कर दिया। आलोचकों का कहना है कि यह मूर्ति दिखावे की राजनीति का एक प्रतीक है, जिसमें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट तो शुरू होते हैं लेकिन उनकी बुनियादी मजबूती पर ध्यान नहीं दिया जाता।

राज्य के नए खेल मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने कथित तौर पर कहा है कि मूर्ति के निर्माण से जुड़े लोगों के खिलाफ उनकी लापरवाही के लिए कार्रवाई की जाएगी। यह मूर्ति दिसंबर में मेसी के भारत दौरे के दौरान लगाई गई थी। इसे तृणमूल कांग्रेस के पूर्व मंत्री सुजीत बोस की पहल पर तैयार किया गया था।

मेसी के भारत दौरे के दौरान भी अव्यवस्था की खबरें सामने आई थीं। साल्ट लेक स्टेडियम में भारी भीड़ उमड़ी थी, लेकिन खराब प्रबंधन और अत्यधिक वीआईपी संस्कृति के कारण आम फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ी की ठीक से झलक तक नहीं देख पाए। इससे नाराज होकर कई लोगों ने तोड़फोड़ की और स्टेडियम में अफरा-तफरी मच गई। रिपोर्ट के मुताबिक उन लोगों को भी राहत देने की योजना बनाई जा रही है, जिन्होंने टिकट खरीदने के बावजूद निराशा झेली।

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मेसी की इस विशाल मूर्ति को हटाया जाएगा, मजबूत किया जाएगा या दोबारा बनाया जाएगा। फिलहाल यह मामला प्रशासनिक लापरवाही, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और जनता की सुरक्षा जैसे बड़े सवालों की वजह से चर्चा में है।

अंडर-23 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप: ऐतिहासिक 27 पदकों के साथ भारत फ्रीस्टाइल टीम चैंपियन बना

नई दिल्ली। भारतीय पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम वियतनाम के दा नांग में हुए अंडर-23 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में चैंपियन बनकर उभरी है। भारत ने फ्रीस्टाइल कुश्ती के क्षेत्र में किर्गिस्तान और कजाकिस्तान जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है, किर्गिस्तान दूसरे, जबकि कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रही।

भारतीय टीम ने फ्रीस्टाइल में ऐतिहासिक जीत के साथ अपने कॉन्टिनेंटल कैंपेन का शानदार अंत किया। भारतीय टीम ने फ्रीस्टाइल, महिला कुश्ती (रेसलिंग) और ग्रीको-रोमन कैटेगरी में ग्यारह स्वर्ण, सात रजत और नौ कांस्य सहित कुल 27 पदक जीते।

चैंपियनशिप जीतने वाली फ्रीस्टाइल टीम ने चार स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित नौ पदक के साथ अपना कैंपेन खत्म किया। अक्षय टी ढेरे (57 किग्रा) और विक्की (97 किग्रा) ने शानदार स्वर्ण पदक जीतकर शुरुआत की। इस लय को कुमार मोहित (65 किग्रा) और चंद्रमोहन (79 किग्रा) ने आगे बढ़ाया। दीपक राठी (61 किग्रा), पुनीत कुमार (92 किग्रा), और लैकी (125 किग्रा) ने कड़ी मेहनत से रजत पदक जीतकर टीम की ऐतिहासिक सफलता में योगदान दिया, जबकि दीपक बेरवाल (74 किग्रा) और मोर सचिन (82 किग्रा) ने जरूरी कांस्य पदक जीतकर फ्रीस्टाइल में अपनी गिनती पूरी की।

आईपीएल 2026 : इन दमदार रिकॉर्ड्स के साथ आरसीबी ने मारी खिताबी मुकाबले में एंट्री

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस को 92 रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए कोलकाता में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 254/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम 19.3 ओवर में 162 रन बनाकर सिमट गई। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वात कप्तान रजत पाटीदार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ आरसीबी ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। आईपीएल प्लेऑफ इतिहास में यह रन के लिहाज से दूसरी सबसे

बड़ी जीत बन गई। इससे पहले 2008 में राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 105 रन से हराया था। अब इस सूची में 92 रन की जीत के साथ आरसीबी दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। आरसीबी ने 2015 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 71 रन की जीत दर्ज की थी। वहीं 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली को 86 रन से और 2023 में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को 81 रन से हराया था। यह भी पहली बार हुआ जब इन दोनों टीमों के बीच खेले गए नौ मुकाबलों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती हो। इससे पहले हर मैच में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को सफलता मिली थी।

गुजरात टाइटंस के लिए यह रन के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले इसी सीजन में अहमदाबाद में मुंबई इंडियंस ने उन्हें 99 रन से हराया था।

आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इस सीजन में अब तक 26 विकेट हासिल कर लिए हैं। वह एक सीजन में आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में 2021 में हर्षल पटेल 32 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं। 2022 में वानिंदु हसरंगा ने भी 26 विकेट लिए थे। वहीं आर. विनय कुमार (2013) और युजवेंद्र चहल (2015) ने 23-23 विकेट लिए थे।

पूर्व ओलंपियन और खेल प्रशासक रणधीर सिंह का निधन, पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने जताया दुख

नई दिल्ली । देश के सबसे प्रभावी खेल प्रशासकों में से एक और ओलंपिक में शूटिंग में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले रणधीर सिंह का बुधवार को 79 साल की उम्र में निधन हो गया। रणधीर सिंह की भारत के साथ-साथ पूरे एशिया में ओलंपिक मूवमेंट को आकार देने में अहम भूमिका रही है। रणधीर सिंह पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के भाई थे।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने रणधीर सिंह के निधन पर शोक जताते हुए एक्स पर लिखा, 'मुझे आप सभी को यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मेरे भाई, राजा रणधीर सिंह का निधन हो गया है। वाहेगुरु जी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। '18 अक्टूबर, 1946 को पटियाला में जन्मे रणधीर सिंह एक खेल परिवार से संबंध रखते थे। उनके चाचा, यादवेंद्र सिंह, टेस्ट क्रिकेट में

भारत के लिए खेले, जबकि उनके पिता, राजा भलिंद्र सिंह, 1947 से 1992 तक इंटरनेशनल ओलंपिक समिति के सदस्य रहे।

पटियाला के यादवेंद्र पब्लिक स्कूल से पढ़ाई करने और सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में स्नातक करने के बाद, रणधीर सिंह ने गोल्फ, स्विमिंग, स्क्वैश और क्रिकेट जैसे कई खेलों में हाथ आजमाया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान शूटिंग, खासकर ट्रैप और स्कीट में बनी।

उन्होंने पांच ओलंपिक गेम्स, 1968 में मैक्सिको ओलंपिक, 1972 में म्यूनिख ओलंपिक, 1976 में मॉन्ट्रियल ओलंपिक, 1980 में मॉस्को ओलंपिक और 1984 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद 1964 में टोक्यो ओलंपिक में रिजर्व शूटर के तौर पर भी काम किया।

एक एथलीट के तौर पर उनकी खास कामयाबियों में 1978 एशियन गेम्स में ट्रैप शूटिंग में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतना शामिल था, जिससे वे कॉन्टिनेंटल इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय शूटर बने। उन्होंने 1982 में एशियन गेम्स में एक व्यक्तिगत कांस्य और टीम गेम में एक रजत पदक जीता। 1979 में, रणधीर सिंह को अर्जुन पुरस्कार और महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। खेल प्रशासन में उनकी शुरुआत उनके स्पोर्टिंग करियर के दौरान हुई। उन्हें 1987 में इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन का मानद महासचिव नियुक्त किया गया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415